Vol.21, Issue 4 | Annual Subscription ₹ 420

February 2022

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

Rotary

रोज़ परेड में रोटरी की भागीदारी

कैलिफ़ोर्निया के पासाडेना में नए साल के दिन आयोजित 2022 रोज़ परेड ने रोटरी की भागीदारी के लगातार 42वें वर्ष को चिह्नित किया। रोटरी फ्लोट की थीम *शिक्षा के माध्यम से परिवर्तन* थी।

फ्लोट पर बैठे रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि को परेड पथ के दोनों ओर खड़े सैकड़ों दर्शकों की ओर हाथ हिलाते देखा गया। ''यह रोटरी के बारे में जागरूकता पैदा करने और रोटरी को विकसित करने के हमारे मिशन को पूरा करने में मदद करेगा। जरा सोचिए हर वो व्यक्ति जो हमारी फ्लोट को देखता है, एक संभावित रोटरी सदस्य है,'' मेहता ने अपने संदेश में कहा।

फ्लोट में एक 16 फीट लंबे उल्लू को प्रदर्शित किया गया जो किताबों से घिरा हुआ था, और पढ़ने वाला चश्मा लगाया हुआ था और एक ग्लोब को पकड़ा हुआ था, जो दुनिया भर में शिक्षा के महत्व और हर जगह हर किसी को शिक्षा उपलब्ध कराने के रोटरी के दृढ़ संकल्प का प्रतीक था।

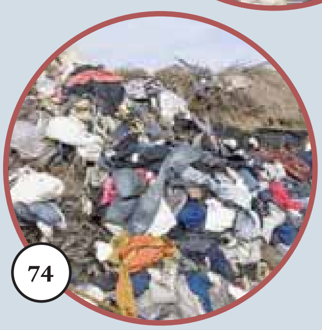

विषयसूची

12 राउरकेला के रोटेरियनों ने हाथ का उपहार दिया

रोटरी क्लब राउरकेला रॉयल और राउरकेला क्वींस एक महत्वाकांक्षी LN4 हैंड फिटमेंट शिविर के माध्यम से 110 लोगों को कृत्रिम हाथ पाने में मदद करते है।

20 ग्रामीण महाराष्ट्र, गुजरात में महिलाओं को राहत प्रदान कर रहे जलचक्र

रोटरी और इनर व्हील क्लबों द्वारा सूखाग्रस्त क्षेत्रों की महिलाओं को उपहार में दिए गए जलचक्र की बदौलत अब उन्हें अपने सिर पर पानी के बर्तन ढोने की आवश्यकता नहीं है।

38 रोटरी क्लब दिल्ली अनंता ने ₹8.5 करोड़ की परियोजना शुरू की हैं

क्लब ने वंचित परिवारों की सेवा हेतु ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में एक विशाल अस्पताल, प्रशिक्षण और कौशल परियोजना की स्थापना की।

44 टीआरएफ अनुदान एक अभिशाप या वरदान

महाब्स 21 ज़ोन संस्थान के एक सत्र ने TRF अनुदान की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए शंकाओं को दूर किया।

52 मैंग्रोव वृक्षारोपण और अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान

ज़ोन संस्थान के पर्यावरण स्थिरता सत्र में अपशिष्ट पृथक्करण और मैंग्रोव संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई।

56 रोटरी उपहारों की मदद से उत्तराखंड में एक स्कूल दोबारा पटरी पर

बाढ़ में अपना सब कुछ गंवा चुके बच्चों को रोटरी क्लब रूद्रपुर ने स्कूल की आवश्यक चीजें देकर चकित किया।

72 पुणे में नेत्रहीन छात्रों के लिए एक रोटरेक्ट क्लब

रोटरी क्लब पुणे ईस्ट ने नेत्रहीन सदस्यों के लिए RAC दिव्य ज़ेप को प्रायोजित किया।

74 आप क्या पहनते हैं, मायने रखता है

हमारा गो ग्रीन लेख बिना सोचे-समझे कपड़ों की खरीद और कपड़ा उद्योग से वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के बीच की कड़ी को उजागर करता है।

Scan our QR code & visit our Website

कवर पर: एक लड़का रोटरी क्लब राउरकेला रॉयल और राउरकेला क्वींस द्वारा आयोजित एक फिटमेंट कैंप में अपने नए LN4 प्रोस्थेटिक हाथ से लिखने का अभ्यास करता है।

Scan our QR code & read our Magazine

आपके पत्र

महाब्स संस्थान का शानदार कवरेज

हालांकि मैं महाब्स संस्थान में शामिल तो नहीं हुआ, लेकिन आकर्षक तस्वीरों के साथ इस कार्यक्रम का कवरेज शानदार है। यह घर बैठे संस्थान में शामिल होने जैसा था। संक्षेप में लेख दिलचस्प समाचारों, खेल से जुड़ी खबरों के अंशों और घटनाओं के अच्छे कवरेज का एक बढ़िया उदाहरण है जिससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। रोटरी क्लब अमरावती मिडटाउन की विकलांगों को उपशामक देखभाल प्रदान करने और उन्हें मानसिक बीमारी से मानसिक स्वास्थ्य की ओर ले जाने में मदद करने की परियोजना महान है।

डॉ बसव वराहलु
रोटरी क्लब रज़ोल
मंडल 3020

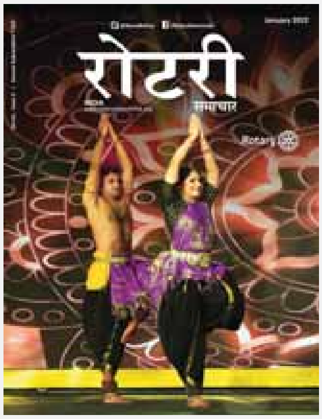

महाब्स ज़ोन इंस्टिट्यूट की रंगीन तस्वीरों और विस्तृत कवरेज ने जनवरी अंक को एक आकर्षक और मनमोहक पैकेज बनाया। यह पढ़कर खुशी हो रही है कि कोविड की तीसरी लहर और अचानक आई बारिश एवं बाढ़ के बावजूद 700 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस विशाल समारोह में भाग लिया। महाब्स अध्यक्ष झऋ एम मुरुगनंदम और उनकी टीम को इस विशाल कार्यक्रम के आयोजन हेतु कड़ी मेहनत के साथ सावधानीपूर्वक योजना तैयार करने और संयोजक के रूप में रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के नेतृत्व के लिए उन्हें सलाम। रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता उचित रूप से कहते है कि हमारे क्षेत्र में बढ़िया काम हो रहा है।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन
रो ई मंडल 3000

संस्थान में हुए सांस्कृतिक प्रदर्शन का कवर पेज फोटो बेहतरीन था। शेखर मेहता का संदेश - *व्यवसाय के माध्यम से जीवन परिवर्तक सेवा करें* - महत्वपूर्ण है। संपादक का संदेश, *चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक ज़ोन इंस्टिट्यूट* दिलचस्प था। वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल पर न्यासी प्रमुख जॉन जर्म का संदेश शानदार था। रशीदा का लेख, रोटरी में *चुनौतियों पर विचार-विमर्श* असाधारण था; और किरण का लेख, *रोटरी के विकास के लिए DEI सिद्धांतों का होना आवश्यक है* लाजवाब था।

डेनियल चित्तिलापल्ली
रोटरी क्लब कलूर
मंडल 3201

जिस तरह से लेख *रोटरी में चुनौतियों पर विचार-विमर्श* लिखा गया है, मुझे वह बहुत पसंद आया। इससे इस लेख को प्रकाशित करने की उच्च स्तरीय सत्यनिष्ठा का पता चलता है। यदि क्लब लक्ष्य और सदस्यों के बजाय समुदाय पर ध्यान केंद्रित करना शुरू करते है तो रोटरी का आनंद लेने वाले सदस्यों की संभावना काफी बढ़ जाएगी।

विवेक खंडेलवाल
रोटरी क्लब देवनार
रो ई मंडल 3141

कवर फोटो आकर्षक है। रो ई अध्यक्ष मेहता का संदेश प्रेरक है जिसमें वो रोटेरियनों से अपने व्यवसाय के माध्यम से जीवन परिवर्तक सेवा

रोटरी न्यूज़ में अब तक का सर्वोत्तम लेख

मिल्कमैन ऑफ इंडिया, वर्गीज कुरियन, पर दिसंबर अंक का लेख मुझे *रोटरी न्यूज़* का अब तक का सबसे दिलचस्प लेख लगा। आपका लेख उस सज्जन व्यक्ति के दूसरे पक्ष को सामने लाया है जिससे मैं अब तक अनजान था। उस महान नेता की कहानी को सामने लाने के लिए धन्यवाद जिसने भारत के लाखों परिवारों को खुशियां दी।

के रवींद्रकुमार, रोटरी क्लब करूर
रो ई मंडल 3000

चुनावी लहर

जनवरी अंक में रो ई निदेशक महेश कोटबागी द्वारा रोटरी के चुनावों पर लिखित लेख को कभी भी प्रकाशित नहीं किया जाना चाहिए था। 1982 में *रोटरी न्यूज़* की स्थापना में सहायक होने के कारण मेरे मन में इसके प्रति बहुत आदर था। लेकिन दुर्भाग्य से अब वह आदर मेरे मन से चला गया है क्योंकि इस तरह के लेख रोटेरियनों के विवेक को कमजोर करते है। इसे लिखने के लिए कितना साहस और पाखंड लगा होगा, जब वह और अन्य मौजूदा नेतृत्वकर्ता अपनी

आपके पत्र

करने के लिए कह रहे है। रोटरी में चुनावों पर रो ई निदेशक महेश कोटबागी का संदेश आंखें खोलने वाला है। रो ई निदेशक वेंकटेश का लेख 'चलिए इतिहास रचें' उल्लेखनीय है। TRF न्यासी प्रमुख समान एजेंसियों के साथ रोटरी की साझेदारी के महत्व को अच्छी तरह से समझाते है। भारत में रोटरी के 10 वर्षों के उत्कृष्ट कार्य के बारे में पढ़कर प्रसन्नता हुई। कपिल देव का भाषण उत्कृष्ट रूप से पठनीय है। संपादक का लेख रोटरी में *चुनौतियों पर विचार-विमर्श* में रिपोर्ट किया गया प्रश्नोत्तर सत्र विनोदी, सूचनात्मक और मनोरंजक है।

महाब्स 21 के फोटो और विवरण उत्कृष्ट है। *रोटरेक्टरों ने नीति परिवर्तन पर अपने विचार रखें, रोटरी के विकास के लिए DEI सिद्धांतों का होना आवश्यक है,* मंडल 3030 की झलकियां और PRIP राजेंद्र साबू द्वारा लिखित शोक संदेश *उन्होंने रोटरी को हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचाया* रोचक है। सहयोगात्मक जीवन पर स्वास्थ्य संबंधी लेख उत्तम है। 2021 के अंतिम अंक, दिसंबर अंक में शानदार लेख थे।

फिलिप मुलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम
रो ई मंडल 3211

भागीदारी से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचा रहे है!

सज्जन गोयंका
रोटरी क्लब बॉम्बे वेस्ट
मंडल 3141

चुनावों पर रो ई निदेशक कोटबागी का संदेश पढ़कर आश्वस्त महसूस हुआ। मेरे विचार भी कुछ ऐसे ही है लेकिन रोटरी में लंबे समय से चली आ रही परंपराओं के कारण मैं कभी कुछ कह नहीं सका। सभी प्रतियोगियों को मतदाताओं की उपस्थिति में खुले रूप से बहस करने की अनुमति दी जानी चाहिए - जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में होता है और प्रत्येक रोटेरियन को तभी वोट देना चाहिए जब उनके खिलाफ कुछ बकाया न हो।

यदि किसी क्लब की बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया हो तो, अध्यक्ष-सचिव-कोषाध्यक्ष टीम को मतदान करने से रोक दिया जाना चाहिए। ये परिवर्तनवादी विचार है जिनपर गौर करके अमल किया जाना चाहिए।

आनंद के शर्मा
रोटरी क्लब कलकत्ता पार्क पॉइंट
मंडल 3291

हमें इस कारण पर विचार करना होगा कि क्यों रो ई निदेशक महेश कोटबागी जैसे वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं को रोटरी में चुनावों पर अपने लेख के माध्यम से अपनी चिंता व्यक्त करनी पड़ी। क्या रोटरी अपने उच्च मानकों से गिर गई है वो भी इसलिए क्योंकि कुछ नेतृत्वकर्ता सदस्यता वृद्धि पर ज़ोर देते है और अपने पसंदीदा व्यक्ति को क्लबों के नेतृत्व पद पर विराजमान करते है। इस वजह से कुछ अनैतिक लोग इन पदों पर पदस्थ हो जाते है। इस खराब स्थिति को रोकना सिर्फ वरिष्ठ नेताओं का ही नहीं बल्कि सभी का कर्तव्य है अन्यथा रोटरी अपनी प्रतिष्ठा खो देगी।

अरविंद दुदावत
रोटरी क्लब ग्वालियर
मंडल - 3053

कोलकाता में कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर के संदर्भ में मैं इस बात पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि मैं महावीर सेवा सदन के सबसे पुराने सदस्यों में से एक हूँ, जिसने 1986 से तीन लाख से अधिक लाभार्थियों पर कृत्रिम अंग लगाए है। इस मानवीय सेवा के लिए रोटरी क्लब प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है।

पीयूष दोशी
रोटरी क्लब बेलूर
रो ई मंडल 3291

मद्रास मिडटाउन द्वारा एक सराहनीय कैंसर देखभाल परियोजना

महाब्स संस्थान की मुखाकृति हमारे ज़ोनों में रोटरी के बहुमुखी कार्य पर एक झलक पेश करती है। लेकिन सबसे अलग लेख था एक *मानवीय स्पर्श के साथ कैंसर का मुकाबला।*

रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन की सराहनीय परियोजना को प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद। मैंने आर्थिक मदद के लिए गरीब पृष्ठभूमि के कई मरीजों को भेजा है और सबसे प्रभावशाली बात यह है कि उनके अनुरोध पर तीव्र प्रतिक्रिया आती है। मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। खास बात यह है कि वे 25 साल से ऐसा कर रहे है!

निखिल सिंघी,
रोटरी क्लब चेन्नई गैलेक्सी - मंडल 3232

We welcome your feedback.
Write to the Editor:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com.
Mail your project details,
along with hi-res photos, to
rotarynewsmagazine@gmail.com.

Messages on your club/district projects, information and links on zoom meetings/webinar should be sent only by e-mail to the Editor at **rushbhagat@gmail.com** or **rotarynewsmagazine@gmail.com.** WHATSAPP MESSAGES WILL NOT BE ENTERTAINED.

Click on **Rotary News Plus** on our website **www.rotarynewsonline.org** to read about more Rotary projects.

SERVE TO CHANGE LIVES

रोटरी सेवा दिवस का प्रदर्शन करें

रोटरी के प्यारे परिवर्तनकारियों को मेरा नमस्कार,

रोटरी वर्ष की शुरुआत में, मैंने प्रत्येक क्लब को कम से कम एक व्यावहारिक और क्रिया-उन्मुख रोटरी सेवा दिवस की योजना बनाने और उसे आयोजित करने की चुनौती दी थी। कार्यक्रम को आपके समुदाय के सामने आने वाली एक ऐसी चुनौती का समाधान करना चाहिए जो रोटरी के किसी भी एक ध्यानाकर्षण क्षेत्र में फिट बैठती हो और जो रोटरी के अंदर और बाहर मौजूद स्वयंसेवकों को एक साथ लेकर आए।

रोटरी सेवा दिवस रोटरी, रोटरेक्ट और इंटरेक्ट क्लबों को नवीन एवं प्रभावशाली परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है। वे काम करने वाले लोगों के रूप में आपके काम का प्रदर्शन कर सकते है और संभावित सदस्यों को आपके क्लब से मिलवा सकते है।

अब तक आप लोगों द्वारा दिखाई गई प्रतिक्रिया से मैं प्रेरित हुआ हूं, और मैं आपके साथ केवल एक परियोजना साझा करना चाहता हूं जिसने मेरा ध्यान आकर्षित किया है।

भारत में अनुमानित 74 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित है, एक ऐसी बीमारी जो मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। इसके अलावा, उनमें से लगभग 50 प्रतिशत लोगों की जांच ही नहीं होती है।

रोटरी ने रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के साथ मिलकर देखा कि भारत में मधुमेह से पीड़ित लोगों की जांच, उनका नीरीक्षण और उनका इलाज करने की तत्काल आवश्यकता है। एक साथ और अन्य संगठनों के साथ काम करते हुए, हमने 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष में एक राष्ट्रव्यापी रक्त शर्करा परीक्षण शिविर की मेजबानी की।

यह शिविर भारत में 10,000 से अधिक स्थानों में आयोजित हुआ, जिसमें 2,000 से अधिक रोटरी और रोटरेक्ट क्लब भाग ले रहे थे। एक दिन में 1 मिलियन से अधिक रक्त-शर्करा परीक्षण किए गए, एक ऐसी उपलब्धि जिसे एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त हुई। लेकिन एक रिकॉर्ड तोड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि हजारों लोगों ने जाना कि वे मधुमेह के साथ जी रहे है। अब उनका इसके लिए इलाज किया जा सकता है, और उन्हें इस बात से भी अवगत कराया गया है कि उन्हें कोविड-19 एवं ऐसी अन्य बीमारियों से खुद को बचाने के लिए अतिरिक्त उपाय करने चाहिए जो मधुमेह के कारण होती है या बिगड़ती है।

इस महीने, 23 फरवरी को, रोटरी की वर्षगांठ पर, आइए हम अधिक सेवा दिवसों को आयोजित करे जो हमारे ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में रोटरी के काम को प्रदर्शित कर सकें। मैं आपके रोटरी सेवा दिवस के बारे में सुनने के लिए उत्सुक हूँ। कृपया अपनी परियोजनाओं को *Rotary Showcase* पर साझा करें, या प्रेरणा और परियोजना साझेदारों को खोजने के लिए उस वेबपेज को ब्राउज़ करें। विशेष रूप से, मैं आपको उन परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं जो लड़कियों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करती है, क्योंकि वे महामारी से सर्वाधिक प्रभावित हुई है। लड़कियों के सशक्तिकरण की पहल रोटरी के सदस्यों के साथ-साथ गैर-रोटेरियनों के साथ भी बहुत अच्छी तरह से प्रतिध्वनित हो रही है। विभिन्न देशों की सरकारें और गैर सरकारी संगठन इस सार्थक प्रयास की सराहना कर रहे है। आइए हम इस पर अपना ध्यान केंद्रित करते रहे।

मुझे इस बात की भी खुशी है कि *हर एक, लाए एक* पहल भी सार्थक परिणाम ला रही है। आइए हम सुनिश्चित करें कि सभी क्लब सदस्य कम से कम एक व्यक्ति का परिचय रोटरी से करवाएं, और फिर हम सभी नए सदस्यों को शामिल करने और उन्हें अपने क्लबों में रोके रखने के लिए काम करते रहे।

हम जो कुछ भी करते है, याद रखें कि हमें अपने आप को *आगे बढ़ने, अधिक करने* के लिए प्रेरित करना चाहिए क्योंकि *हम जीवन परिवर्तित करने* के लिए सेवा करते है।

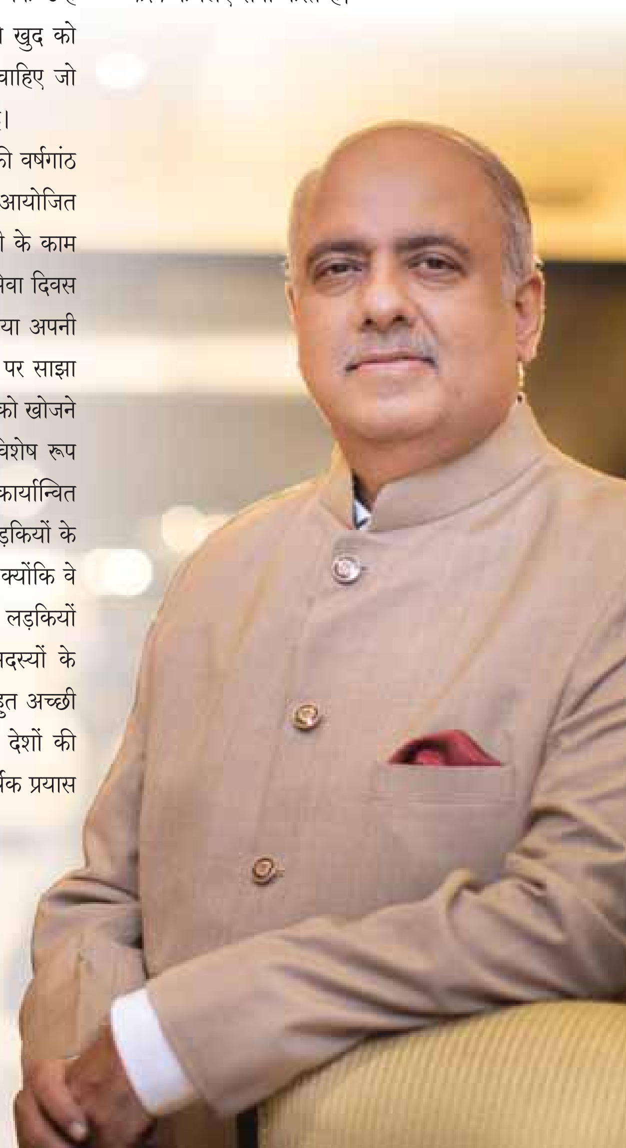

Shekhar Mehta

शेखर मेहता

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

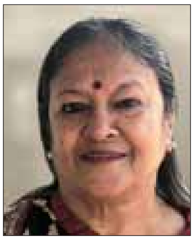

रोटरी द्वारा इस जल परियोजना को आगे बढ़ाने की ज़रुरत है

इस अंक में जैसा कि जयश्री के लेख (पृष्ठ 20) में दर्शाया गया है, वाटरव्हील जैसा एक सरल, यांत्रिक उपकरण, जिसे मुंबई के कुछ रोटरी और इनर व्हील्स क्लब, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ गांवों में निर्धन ग्रामीण महिलाओं को उपलब्ध करवा रहे हैं, महिलाओं के लिए एक बड़ा वरदान साबित हुआ है। एक अभिनव, अर्ध-यांत्रिक समाधान, गाँव के कुएँ या सामुदायिक नल से उनके घरों तक पानी पहुँचाने वाला, वाटरव्हील एक बेलनाकार, उच्च घनत्व वाला प्लास्टिक ड्रम है जिसमें लगभग 45-50 लीटर पानी संग्रहित किया जा सकता है।

इस मजबूत डोल में धातु का मजबूत हैंडल लगा है, जो इसे किसी भी मार्ग पर या उबड़-खाबड़ इलाके में ट्रॉली की तरह लुढ़काने में सहयोगी है। यह सिर या कमर पर बर्तन ढोने से होने वाली तकलीफ और शारीरिक तनाव ख़त्म करता है, इसकी भराव क्षमता 45-50 लीटर की होने के कारण पानी भरने के लिए बार बार चक्कर भी कम लगाने पड़ते हैं।

हमें मालूम है कि लाखों भारतीय महिलाओं को केवल ग्रामीण भारत में ही नहीं, बल्कि कस्बों और शहरों में भी अपने सिर पर पानी के कुछ घड़े तो ढोने ही पड़ते हैं, क्योंकि हमारे समाज में घर के कामों के लिए पानी की व्यवस्था करना ''महिलाओं का काम'' माना जाता है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में, हजारों महिलाएं सिर पर पानी के बर्तन लेकर दो से चार किमी चलती हैं। रोज़ाना, हर महीने, सालों तक किया जाने वाला यह काम उनके घुटनों, पीठ और कंधों पर कितना दुष्प्रभाव डालता होगा, हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं।

लेकिन सिर पर पानी ढोने के दुष्कर कार्य से छुटकारा दिलाने वाले इस नए उपकरण ने ना सिर्फ बच्चों का ध्यान आकर्षित किया है, लड़के लडकियां दोनों का, जो घर तक पानी लुढ़काने के लिए खुद आगे आते हैं बल्कि इसने पुरुषों का भी ध्यान खींचा है जो स्वेच्छा से सप्ताह में 3-4 दिन पानी घर पहुंचाने का कार्य करने के लिए तैयार है, जिसकी वजह से महिलाएं अब घर के बाकी काम पर ध्यान दे सकती है, जो शारीरिक रूप से कम तकलीफदेह हैं।

वाटरव्हील विकसित करने के लिए सिंथिया कोनिग की पहल को धन्यवाद है जो वेलो की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। वेलो एक अमेरिकी सामाजिक उद्यम है जो भारत और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों में स्वच्छ पानी पहुंचाने के विकल्पों पर काम कर रहा है। खोज के दौरान पहली बार 2010 में वो राजस्थान की यात्रा पर आई थी, और उन्होंने पानी ढोने के बजाय उसे लुढ़काने के विकल्प पर ग्रामीणों से चर्चा की थी। जैसा कि अपेक्षित था, महिलाओं ने इसका समर्थन किया था, उसके एक साल बाद वह वापस आईं और इन ग्रामीणों के साथ मिल कर इस पर काम किया, कई बार यहां की यात्रा करने और विभिन्न क्षमता वाले जैसे 10, 20, 30 और 50 लीटर के पानी के ड्रम / सिलेंडर पर प्रयोग करने के बाद उन सिलेंडरों का चुनाव किया जो 45-50 लीटर पानी ले जा सकते थे।

पुरुषों के बीच वाटरव्हील की लोकप्रियता देखकर सिंथिया को आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नता हुई, ये जान कर और भी ख़ुशी हुई कि गाँव के कई घरों में, अपनी पत्नियों के साथ- साथ पुरुषों ने भी इस काम को खुशी-खुशी अपनाया है!

स्पष्टतः अफ्रीका के कुछ भागों में यह उपकरण काफी लोकप्रिय है, जहां इसे हिप्पो व्हील कहते हैं और यह 100 लीटर तक पानी ले जा सकता है। भारत में वेलो ब्रांड के नाम से एक व्यावसायिक प्लास्टिक उत्पाद निर्माता, नीलकमल इन वाटरव्हील्स का उत्पादन करता है और रोटरी इसे ₹2,100 की रियायती कीमत पर खरीद कर केवल ₹100 में महिलाओं में वितरित करती है।

रोटरी क्लब बॉम्बे हैंगिंग गार्डन, RID 3141 के सदस्य अमरीश दफ्तरी ने *रोटरी न्यूज़* को बताया कि मार्च 2016 से उनकी टीम ने गुजरात और महाराष्ट्र के कई गांवों में 4,000 से अधिक वाटरव्हील्स वितरित किए हैं। रो इ अध्यक्ष शेखर मेहता ने क्लबों से बड़ी और साहसिक परियोजनाएं करने के लिए कहा है, और अकेले ही एक युवा रोटरी क्लब - रोटरी क्लब दिल्ली अनन्तरा - ने गरीबों को वाटरव्हील उपलब्ध कराने के लिए ₹8.5 करोड़ से अधिक की परियोजना शुरू की है, (इस अंक में विस्तृत विवरण), भारत के 5,000 से अधिक रोटरी क्लबों से, ग्रामीण महिलाओं को इस से कहीं अधिक संरक्षण की आवश्यकता है।

रशीदा भगत

Governors Council

RID 2981 S Balaji
RID 2982 K Sundharalingam
RID 3000 R Jeyakkan
RID 3011 Anup Mittal
RID 3012 Ashok Aggarwal
RID 3020 Rama Rao M
RID 3030 Ramesh Vishwanath Meher
RID 3040 Col Mahendra Mishra
RID 3053 Sanjay Malviya
RID 3054 Ashok K Mangal
RID 3060 Santosh Pradhan
RID 3070 Dr Upinder Singh Ghai
RID 3080 Ajay Madan
RID 3090 Parveen Jindal
RID 3100 Rajiv Singhal
RID 3110 Mukesh Singhal
RID 3120 Samar Raj Garg
RID 3131 Pankaj Arun Shah
RID 3132 Dr Omprakash B Motipawale
RID 3141 Rajendra Agarwal
RID 3142 Dr Mayuresh Warke
RID 3150 K Prabhakar
RID 3160 Thirupathi Naidu V
RID 3170 Gaurishkumar Manohar Dhond
RID 3181 A R Ravindra Bhat
RID 3182 Ramachandra Murthy M G
RID 3190 Fazal Mahmood
RID 3201 Rajasekhar Srinivasan
RID 3203 Shanmugasundaram K
RID 3204 Dr Rajesh Subash
RID 3211 Srinivasan K
RID 3212 Jacintha Dharma
RID 3231 Nirmal Raghavan W M
RID 3232 Sridhar J
RID 3240 Dr Mohan Shyam Konwar
RID 3250 Pratim Banerjee
RID 3261 Sunil Phatak
RID 3262 Santanu Kumar Pani
RID 3291 Prabir Chatterjee

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions — original content — is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced with permission and attributed to RNT.

लड़कियों को सशक्त बनाना

महिलाओं को सशक्त बनाना एक ऐसे भविष्य के निर्माण की कुंजी है जो हम सभी देखना चाहते है। वह परिपूर्ण है और उसके भीतर सृजन, पोषण और परिवर्तन करने की शक्ति है।

जैसा कि दुनिया भर में विदित है, आर्थिक प्रगति, सामाजिक परिवर्तन और सामान्य विकास को गति देने की कुंजी महिला सशक्तिकरण है। यदि महिलाएं मजबूत होंगी तो उनके बच्चे और परिवार भी मजबूत बनेंगे। समान अवसरों के साथ निष्पक्ष और समान बाज़ार की स्थापना कर उनका समर्थन करना अनिवार्य है।

रोटरी क्लबों के अलावा, कई गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी परियोजनाएं है जो महिलाओं की सहायता करती है, उन्हें उनके कौशल को विकसित करने में मदद करती है ताकि वे अपने और अपने परिवार के आत्मनिर्भर जीवन हेतु पेशेवर रूप से उनका उपयोग कर सकें।

महिला सशक्तिकरण उनके अधिकारों के सम्मान के साथ जुड़ा हुआ है। MeToo और Time'sUp जैसे आंदोलनों ने महिलाओं के प्रति हिंसा और भेदभाव पर काफी ध्यान आकर्षित किया है। दुनिया भर के देश महिलाओं की सुरक्षा पर जोर दे रहे है और उन्हें कार्यस्थल पर सम्मानित कर रहे है। महिलाओं से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने वाले न्यायालयों की स्थापना करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और न्याय प्रक्रिया को तेज करने के लिए कानून और परामर्श पेशेवरों की एक टीम नियुक्त की जानी चाहिए।

महिला साक्षरता और शिक्षा कार्यक्रमों के साथ-साथ, स्कूलों में आत्मरक्षा सिखाने से लड़कियों का आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ता है इस प्रकार उन्हें जरूरत के समय पर सही निर्णय लेने में मदद मिलती है।

चूंकि बीमारियाँ कमजोर मस्तिष्क और कुपोषित शरीर को अपना शिकार बनाती है, इसलिए स्वच्छता और उचित पोषण पर जोर दिया जाना चाहिए। मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है और रजोदर्शन (मासिक धर्म की शुरुआत) के बारे में संबंधित आयु समूहों में जानकारी व्यापक रूप से फैलाई जानी चाहिए। अल्प ज्ञान और समझ से असुरक्षित स्वच्छता आदतों का जन्म हो सकता है जो प्रजनन और मूत्रमार्ग के संक्रमण के जोखिम को बढ़ाते है, जिसके कारण खराब उपस्थिति, स्कूलों से बाहर होना और खराब शैक्षणिक प्रदर्शन होता है जिसके परिणामस्वरूप जीवन की गुणवत्ता खराब होती है। डेटा से पता चलता है कि मासिक धर्म चक्र के दौरान स्कूलों में अनुपस्थिति अधिक होने का कारण सैनिटरी नैपकिन का अपर्याप्त निपटान तंत्र और घर की अंधविश्वासी धारणाएं है। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर जोर दिया जाना चाहिए और साफ, स्वच्छ उत्पाद प्रदान किए जाने चाहिए। साथ ही, संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए प्रयुक्त उत्पादों के निपटान के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जैसा कि कहा जाता है:

''सपने देखने वाली लड़कियां बड़े दृष्टिकोण वाली महिलाएं बनती है।''

ऐसी मजबूत महिलाओं को सलाम!

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

रोटरी के काम को प्रदर्शित करें

एक पुरानी कहावत है कि फूलों की दुकान को प्रचार करने की जरूरत नहीं होती है। इसके अलावा सांस्कृतिक रूप से भी हममें से अधिकांश लोग इस विश्वास के साथ बड़े हुए है कि हम जो दायें हाथ से देते है उसका पता बाएं हाथ तक को नहीं होना चाहिए। इस तरह के विश्वासों के परिणामस्वरूप, हम परंपरागत रूप से अपनी सेवा परियोजनाओं को प्रचारित करने के खिलाफ रहे है। जहां सदस्यता वृद्धि हमारी सर्वोच्च आंतरिक प्राथमिकता बनी हुई है, इसे हासिल करने की दो अलग-अलग तरीके हो सकते है। पहला तरीका रोटरी को समुदायों में प्रोत्साहित करके यह उम्मीद करने का है कि इससे कुछ लोग रोटरी से जुड़ेंगे। दूसरा तरीका है कि समुदायों में हमारे काम को इस कदर और सकारात्मक ढंग से प्रचारित किया जाए कि रोटरी में सदस्यता कई लोगों के लिए एक आकांक्षात्मक लक्ष्य बन जाए। रोटरी की ओर लोगों को आकर्षित करने की यह रणनीति सतत वृद्धि सुनिश्चित करेगी।

पिछले कुछ वर्षों में सदस्यता वृद्धि के लिए अपनाए गए विचार, हालांकि वे सामान्य रूप से ही सफल रहे है, ने उस तरह के स्थायी परिणामों को जन्म नहीं दिया है जिसकी कल्पना हम करते है। अगर हम वही काम करते रहेंगे, तो हमें वैसे ही परिणाम मिलते रहेंगे। आइए हम एक अलग रणनीति पर काम करना शुरू करें। इसकी शुरुआत हमारे संगठन की सार्वजनिक छवि पर अधिक ध्यान केंद्रित करके होनी चाहिए। बहुत लंबे समय से सार्वजनिक छवि को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों ने रोटेरियनों द्वारा किए गए कार्यों के बजाय रोटेरियनों पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारी कहानियों के साथ लाभार्थियों की कृतज्ञता को भी कहा जाने दे। आइए हम हमारी सेवा गतिविधियों के माध्यम से समुदाय और लोगों के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव का प्रदर्शन करें।

हमारे क्षेत्र में क्लबों द्वारा कई प्रभावशाली परियोजनाएं चलाई जा रही है। यदि हम परियोजनाओं के लिए उपयुक्त तरीकों से इसे प्रस्तुत कर सकें, तो हम अधिक लोगों के आने की उम्मीद कर सकते है। हमें सदस्य चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण, हमें सही कारणों से हमारे साथ जुड़ने वाले सही सदस्यों की आवश्यकता है। यदि हम में से प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से रोटरी का ब्रांड एंबेसडर बनने का निर्णय लेता है और विभिन्न जन संपर्क पहलों के माध्यम से संगठन को बढ़ावा देता है, तो हमारा सदस्यता लक्ष्य बस एक सपना नहीं रह जाएगा।

आइए रोटरी की बात करें! हमारे महान संगठन के लिए हम इतना तो कर सकते है।

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

Board of Trustees

Shekhar Mehta RID 3291
RI President

Dr Mahesh Kotbagi RID 3131
RI Director &
Chairman, Rotary News Trust

A S Venkatesh RID 3232
RI Director

Gulam A Vahanvaty RID 3141
TRF Trustee

Rajendra K Saboo RID 3080
Kalyan Banerjee RID 3060
Panduranga Setty RID 3190
Ashok Mahajan RID 3141
P T Prabhakar RID 3232
Dr Manoj D Desai RID 3060
C Basker RID 3000
Dr Bharat Pandya RID 3141
Kamal Sanghvi RID 3250

Executive Committee Members (2021–22)

Gaurish Dhond RID 3170
Chairman
Governors Council

Anup Mittal RID 3011
Secretary
Governors Council

Ramesh Meher RID 3030
Secretary
Executive Committee

V Thirupathi Naidu RID 3160
Treasurer
Executive Committee

Jacintha Dharma RID 3212
Member
Advisory Committee

Editor
Rasheeda Bhagat

Deputy Editor
Jaishree Padmanabhan

Rotary News Trust
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Now share articles from
rotarynewsonline.org
on WhatsApp.

रोटरी शांति स्थापित करती है

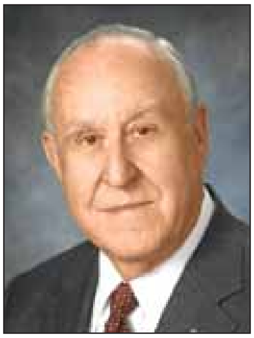

फरवरी शांति निर्माण और संघर्ष निवारण का महीना है। 1905 से हम रोटरी की इस मूल अवधारणा का जश्न मनाते है: वैश्विक शांति और समझ की तलाश।

हमारे वैश्विक और मंडल अनुदानों का उपयोग करके, रोटरी फाउंडेशन शांति स्थापित करने वाली एक शक्ति का कार्य करता है। रोटरी जो कुछ भी करती है उसमें शांति को बढ़ावा देना समाहित होता है।

1999 में रोटरी पीस सेंटर के निर्माण के साथ, हमने इस कहानी में एक साहसिक नए अध्याय की शुरूआत की। इस वर्ष शांति निर्माताओं के प्रथम वर्ग की 20वीं वर्षगांठ पूरी हुई; यह अभिनव कार्यक्रम वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए व्यावहारिक रणनीति के साथ संघर्ष की जड़ों की एक सशक्त, अकादमिक समझ का विलय करना जारी रख रहा है।

COVID-19 महामारी के प्रभावों के बावजूद, रोटरी शांति केंद्र कार्यक्रमों में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करते हुए स्वयं को अनुकूल कर पाए। अब, हमारे सात केंद्रों के छात्र अपनी सामान्य गतिविधियों को फिर से शुरू कर रहे है। इसमें कंपाला, युगांडा, में मेकरेरे विश्वविद्यालय स्थित हमारे नवीनतम केंद्र में युवा शांति निर्माता शामिल है, जो शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता वाले क्षेत्र में अपने नए ज्ञान और कौशल को कार्यान्वित करने की तैयारी कर रहे है।

शांति केंद्र कार्यक्रम विकसित होता रहता है। हमारी खोज समिति हमारे आठवें केंद्र को स्थापित करने के लिए मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका में संभावित स्थानों पर शोध कर रही है, और 2024 तक इसे शुरू करने की योजना है। वैश्विक शांति की शिक्षा के क्षेत्र में रोटरी के प्रयासों में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। और हम यहीं नहीं रुकने वाले है: हमारा लक्ष्य 2030 तक लैटिन अमेरिका में एक रोटरी शांति केंद्र खोलने का है।

पिछले 117 वर्षों में, हमारे सभी प्रयासों में शांति और समझ को प्रोत्साहित करते हुए रोटरी अच्छाई को बढ़ावा देने वाली एक वैश्विक शक्ति बनकर उभरी है। रोटरी के टिके रहने की ताकत, संस्थान और शांति के प्रति हमारी दशकों पुरानी प्रतिबद्धता ऐसी चीजें है जिनका जश्न मनाया जाना चाहिए।

जॉन एफ जर्म

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फाउंडेशन

अपने लक्ष्यों की समीक्षा करें

साल का वह समय फिर से आ चुका है, नई आशाओं और नई आकांक्षाओं का समय। रोटरी जगत में, जनवरी रोटरी वर्ष की दूसरी छमाही की शुरुआत का प्रतीक होता है। क्या समय पलक झपकते बीत गया है? या यह धीरे चल रहा है? अब समय आ गया है कि हम जायजा लें, हर एक मिनट का सदुपयोग करें, क्योंकि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकि है।

जब हमने सोचा कि स्थिति सामान्य हो रही है, तब कोविड के एक नए रूप ने एक बार फिर जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। जबकि हम में से कई लोग घर से काम कर रहे है, यात्रा और आतिथ्य उद्योग में काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में सोचे, जिनमें से कई लोगों को निकाल दिया गया और वे बेरोजगार हो गए। करीब दो साल से स्कूल बंद है। स्कूली बच्चों की एक पूरी पीढ़ी को महामारी के कारण भयानक कीमत चुकानी पड़ रही है। कुछ बच्चों को स्कूल छोड़ना पड़ा क्योंकि उनके माता-पिता बेरोजगार हो गए है; कुछ इसलिए प्रभावित है क्योंकि ऑनलाइन शिक्षा के लिए नेटवर्क कनेक्टिविटी आसानी से उपलब्ध नहीं होती है; फिर भी कुछ ऑनलाइन कक्षाओं में भाग ले रहे है लेकिन अध्ययनों से पता चलता है कि 'शिक्षण' की स्थिति निराशाजनक है।

रोटरी संस्थान के कई कार्यक्रम इन समस्याओं के समाधान पेश करते है। क्लब उपलब्ध अवसरों के बारे में मंडल नेतृत्व के साथ चर्चा कर सकते है।

इससे पहले, मैंने अर्ध-वार्षिक समीक्षा की आवश्यकता के बारे में बात की थी। संस्थान के संदर्भ में, यह समीक्षा ज़ोनल स्तर पर किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण अभ्यास है। चार जोनों में से हर ज़ोन अपनी अलग बैठक आयोजित करता है और प्रत्येक DG मंडल की वर्तमान TRF स्थिति और भविष्य की योजनाओं की एक प्रस्तुति देते है। ज़ोनल RRFC, EMGA, EPNC, ARRFC, RISAO के TRF कर्मचारी और संबंधित रो ई निदेशक उस बैठक में भाग लेते है जिसकी अध्यक्षता TRF ट्रस्टी के रूप में मैं करता हूं। टीम वर्क पर जोर दिया जाता है क्योंकि हम मानते है कि साथ काम करने से परिणाम मिलते है।

मैं प्रत्येक DG और क्लब अध्यक्ष से इस मध्य-वर्ष की समीक्षा करने का आग्रह करता हूं, न केवल TRF योगदानों की बल्कि सदस्यता लक्ष्यों, सेवा परियोजनाओं और महामारी से संबंधित मुद्दों की भी, जिन्होंने स्थानीय समुदाय को परेशान किया है।

सुखी, स्वस्थ और शांतिपूर्ण 2022 के लिए शुभकामनाएँ।

गुलाम ए वाहनवती

ट्रस्टी, द रोटरी फौउंडेशन

11 वर्षों बाद मूल्य वृद्धि

प्रिय पाठक,

रोटरी न्यूज़ में हम 2011 से कीमतों में बढ़ोत्तरी किए बिना आपके लिए पत्रिका ला रहे है। वास्तव में, 2014 में, वार्षिक सब्स्क्रिप्शन शुल्क ₹480 से घटाकर ₹420 कर दिया गया था।

चूंकि कागज की लागत, अन्य लागत एवं प्रशासनिक खर्च लगातार बढ़ रहे है, इसलिए RNT बोर्ड ने सदस्यता मूल्य को हर महीने ₹5 से बढ़ाने का फैसला किया है - **₹35 से बढ़ाकर ₹40** करने का।

इसलिए *रोटरी न्यूज़* (अंग्रेजी, हिंदी और तमिल) के वार्षिक सब्स्क्रिप्शन शुल्क को ₹420 - एक आंकड़ा जिसे कई रोटेरियन नापसंद करते हैं! - से बढ़ाकर **जुलाई 2022 से ₹480 प्रति सदस्य किया जाएगा।**

जुलाई 2022 से ई-संस्करण का वार्षिक सब्स्क्रिप्शन **₹360 से बढ़ाकर ₹420** किया जाएगा।

हम आपका सहयोग और स्वीकृति चाहते है।

संपादक

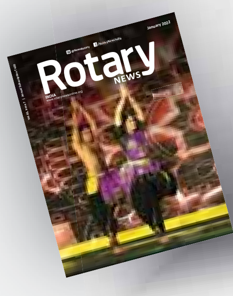

सब्स्क्रिप्शन ऑनलाइन किया जा सकता है:

Scan here to pay

नाम

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट

बैंक

HDFC बैंक, मॉन्टीथ रोड, एग्मोर, चेन्नई

बचत खाता संख्या

50100213133460

IFSC

HDFC0003820

शुल्क भेजने के बाद, कृपया ईमेल या व्हाट्सएप पर UTR नंबर, क्लब का नाम, अध्यक्ष/सचिव का नाम, राशि और हस्तांतरण की तारीख साझा करें।

हमारी ईमेल आइडी

rotarynews@rosaonline.org

व्हाट्सएप

9840078074

https://rotarynewsonline.org/wp-content/uploads/2022/01/Subscription-Form-22-23.pdf पर सब्स्क्रिप्शन फॉर्म को डाउनलोड किया जा सकता है।

राउरकेला के रोटेरियनों ने हाथ का उपहार दिया

रशीदा भगत

इस वर्ष राखी के त्योहार से कुछ पहले, रोटरी क्लब राउरकेला रॉयल के पूर्व अध्यक्ष अजय अग्रवाल, अपने व्हाट्सएप संदेश देखते हुए एक मार्मिक संदेश पर अटक गए थे। ये वीडियो था कैडबरी के विज्ञापन का जिसमें एक नन्ही बच्ची अपने छोटे भाई की कलाई पर राखी बाँध रही है।

इस दृश्य विशेष में फर्क सिर्फ इतना था कि एक छोटे लड़के ने अपनी बहन द्वारा अपनी कलाई पर प्रेम के इस धागे को बंधने के रोमांच का अनुभव पहली बार किया है, क्योंकि हाल ही में उस बच्चे ने अपने दोनों हाथ गँवा दिए थे, जिसके बाद उसे कृत्रिम हाथ लगाए गए ताकि वो अपनी बहन से राखी बंधवा सके। इतना ही नहीं, उस बच्चे ने कृत्रिम हाथ पर लगे सेंसर से राखी के कोमल धागे के स्पर्श की अनुभूति का रोमांच भी महसूस किया था।

कैडबरी ने एक संगठन 'सोशल हार्डवेयर' के साथ करार किया है, यह संगठन वंचित समाज के लोगों को सहायक उपकरण और पुनर्वास सेवाएं प्रदत्त करने के लिए समर्पित है ताकि एक सेंसर-आधारित विलक्षण कृत्रिम हाथ विकसित किया जा सके जिसे लगा कर व्यक्ति को स्पर्श का अनुभव कर सकता है।

अग्रवाल कहते हैं, ''वीडियो देखकर मुझे जोश आ गया था क्योंकि हम अच्छी तरह जानते हैं कि जब हमारे हाथ की हड्डी टूट जाती है, फ्रोजन शोल्डर (कंधे की अकड़न), कंधा उतर जाने के भयंकर दर्द से हम कितने हताश और चिड़चिड़े हो जाते हैं और अपने दुर्भाग्य को कोसने लगते हैं।''

इस रोटेरियन ने उन लोगों के बारे में सोचना शुरू कर दिया, जो किसी बीमारी, दुर्घटना की वजह से अपने हाथ गँवा चुके थे या जिनके जन्म से ही हाथ नहीं हैं। ''हालाँकि, उन के प्रति हम सहानुभूति महसूस करते हैं, जिनके हाथों के नाम पर केवल ठूंठ बचा हैं या जो उन्हें पूरी तरह से गँवा चुके हैं, वास्तव में तो हम सोच भी नहीं सकते कि अपने रोज़मर्रा के काम करने में उन्हें कितनी तकलीफ से गुजरना पड़ता होगा। ये कुछ ऐसा है जिसे हम नियति मान के चलते हैं। यह विकलांगता उन्हें आश्रित बना देती है जिसका असर सम्पूर्ण परिवार पर पड़ता है।''

रोटरी क्लब जामनगर (RID 3060) के सदस्य शरद शेठ एक लाभार्थी को एलएन4 हाथ से लिखने के लिए उत्साहित करते हुए।

एक कृत्रिम (प्रोस्थेटिक) हाथ पर शोध करते हुए, जो प्रभावित व्यक्ति को लगभग सामान्य जीवन जीने में सहायक हो सकता है, अग्रवाल को एक एलएन 4 कृत्रिम हाथ मिला, जो कम लागत वाला, हल्का, टिकाऊ, लगाने और हटाने में आसान है और क्रियाशील है। ''मैंने पाया कि एर्नी मीडोज, जिन्होंने माइकल मेंडोंका और मौरिस लेब्लांक, एक पुरुस्कृत विजेता मैकेनिकल इंजीनियर के साथ मिल कर सहायक तकनीक पर अपना ध्यान केंद्रित कर, विशेषकर कृत्रिम हाथ विकसित करने हेतु अथक प्रयास किया, एक ऐसा हाथ जो बहुत महंगा न हो, लेकिन गुणवत्ता से समझौता किये बिना।''

'एलएन4' का नाम एर्नी की बेटी एलेन के नाम पर रखा गया है, जिसकी मृत्यु एक मोटर दुर्घटना में हो गई थी और तब वो सिर्फ18 साल की थीं।

(एर्नी ने तब 'एलएन4 हैंड प्रोजेक्ट' की स्थापना की हर व्यक्ति को कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, चाहे उनकी भुगतान करने की क्षमता, सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। हम बिजली के उपकरणों के बिना एक टिकाऊ लेकिन मूलभूत कृत्रिम हाथ का निर्माण करते हैं, और अपने भागीदारों की सहायता से, पूरी दुनिया में इसका वितरण करते हैं। हम विकासशील देशों में संगठनों और व्यक्तियों के साथ सहभागिता करते हैं जिनकी पहुँच कृत्रिम अंगों तक नहीं है, ये उनकी वेबसाइट में वर्णित है।)

एलेन मीडोज प्रोस्थेटिक हैंड फाउंडेशन 2005 से दुनिया भर में रोटरी के ज़रिये हाथ लगा रहा है। लगभग ₹25,000 की लागत वाला कृत्रिम हाथ रोटरी क्लबों को बिना हाथ के लोगों की मदद करने के लिए पूरी तरह से मुफ्त लगाया जाता है। दुनिया भर में लगाए गए 65,000 से अधिक हाथों में से लगभग 24,000 भारत को उपहार में दिए गए हैं।

शीघ्र ही उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ बैंगलोर (रो ई मंडल 3190) के सदस्य मोहन कुमार से संपर्क किया और बात की, जो इस धर्मार्थ संगठन के माध्यम से, अमेरिका से एलएन4 हाथों को मुफ्त उपलब्ध करने वाले प्रमुख व्यक्ति थे। 2008-09 में, शोलापुर, पुणे, जयपुर और जामनगर के रोटरी क्लबों ने एलएन4 परियोजना को उत्साहपूर्वक आरम्भ किया। अग्रवाल का कहना है कि उन सभी की पहल, रुचि और कड़ी मेहनत को धन्यवाद, एलएन4 प्रोस्थेटिक लिम्ब

प्रोजेक्ट भारत के हर कोने में संचालित किया जा रहा है।

इसलिए उनके क्लब ने, और उनके क्लब द्वारा प्रायोजित रोटरी क्लब राउरकेला क्वींस के साथ मिल, दोनों क्लब रो ई मंडल 3261 से हैं, राउरकेला में लगभग 200 लोगों में एलएन 4 हाथ लगाने के लिए एक महत्वाकांक्षी शिविर आयोजित करने का निर्णय किया। ''शिविर में सहायता करने के लिए रोटरी क्लब ऑफ जामनगर (रो ई मंडल 3060) ने, इस कार्य में सिद्धहस्त अपने कुछ सदस्यों को सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए राउरकेला शिविर में भेजा।'' उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि कैडबरी विज्ञापन में दिखाए सेंसर युक्त कृत्रिम हाथ के विपरीत, उन्हें लगाए गए हाथ एलएन 4 के मौलिक संस्करण हैं, इनमें सेंसर नहीं हैं।

इस काम के लिए 28 नवंबर की तारीख निश्चित हो जाने के बाद, पहला काम प्राप्तकर्ताओं की पहचान करना था। शिविर की जानकारी विभिन्न माध्यमों से प्रसारित की गई जिसमें सांसद जुएल ओरम, राउरकेला विधायक शारदा प्रसाद नायक, राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, रो ई मंडल 3261 से डीजी सुनील फाटक और मंडल के कई पीडीजी ने शिविर के बारे में संदेश भेजने में सहायता की। इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया, दोनों ने हमारे प्रचार अभियान में सहयोग किया। पोस्टर लगाए गए, पर्चे बांटे गए और ऐसे विकलांग लोग जिन्होंने अपनी बांह या हाथ गँवा दिए थे, उन की जानकारी प्राप्त करने के लिए हमने स्थानीय प्रशासन और क्षेत्रीय अनुसंधान और पुनर्वास केंद्र से सहायता ली। हमारा उद्देश्य था कि ओडिशा राज्य में पहली बार आयोजित इस शिविर का लाभ अधिक से अधिक लाभार्थी उठाएं,'' रोटरी क्लब राउरकेला क्वींस की उत्साहित अध्यक्ष रश्मि अग्रवाल कहती हैं।

परियोजना के तहत एक मुख्य टीम का गठन किया गया और रोटेरियन लाभार्थियों तक पहुँचने लगे। ये जान कर वे खुश थे कि जिन लोगों को मदद की जरूरत थी उनमें अधिकाँश व्यक्ति ओडिशा राज्य

कृत्रिम हाथ फिट करने की कला सिखाई और शीघ्र ही उन्होंने भी हाथ लगाने शुरू कर दिए।

जब इसके कारणों की जांच की गई तो रोटेरियनों ने पाया कि औद्योगिक दुर्घटनाएं, बिजली का झटका इस के लिए ज़िम्मेदार थे और जबकि कुछ व्यक्ति इन विकृतियों के साथ ही पैदा हुए थे। ''कुछ के तो दोनों हाथ नहीं थे जबकि अधिकाँश ने अपना प्रमुख हाथ गँवा दिया था। उनमें लगभग सभी अपनी ज़िन्दगी घर की चारदीवारी के अंदर में गुजारने के लिए मजबूर थे।''

शिविर में, जेपी अस्पताल, एक स्थानीय प्रतिष्ठित अस्पताल की नर्सों ने जामनगर टीम और स्थानीय रोटेरियन के साथ मिल कर लाभार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए काफी समय दिया और उन्हें सिखाया कि सब्जी छीलना, रोटी बेलना, पेंसिल पकड़ना जैसे रोजमर्रा के काम किस तरह करने हैं। उनमें से कइयों ने अपने नए कृत्रिम हाथ

के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों से थे। हालाँकि कृत्रिम हाथ मुफ्त में लगाए गए थे, लेकिन शिविर के लिए उन्हें लगभग ₹4.5 लाख की व्यवस्था करनी पड़ी थी, जिसमें रत्न शरद शेठ के नेतृत्व में जामनगर से आने वाले रोटेरियनों का खर्च और दूर-दराज के इलाकों से सुबह जल्दी निकले प्राप्तकर्ताओं को नाश्ता और दोपहर का भोजन कराने की लागत शामिल थी।

वास्तव में तो हम सोच भी नहीं सकते कि अपने रोज़मर्रा के काम करने में उन्हें कितनी तकलीफ से गुजरना पड़ता होगा।

अग्रवाल ने बताया कि इस उपकरण की सफलता के लिए, प्राप्तकर्ता के पास इस कृत्रिम उपकरण का उपयोग करने के लिए कोहनी से नीचे 14 सेमी का अवशिष्ट अंग होना आवश्यक है ताकि हाथ में इसकी पकड़ मजबूत हो सके। इसके अतिरिक्त, शेष बची उंगलियां, अंगूठा या कलाई नहीं रह सकती, क्योंकि ये कलाई के संचालन में बाधक रहेंगी। अंत में, बांह को लचीला होना चाहिए और बिना किसी घाव या पट्टियों के बिलकुल ठीक होना चाहिए नहीं तो उपकरण नहीं लग पाएंगे। ''एक अभिनव वैकल्पिक समाधान को कोहनी बढ़ाना कहा जाता है, जिसमें उन लोगों को भी एलएन 4 हाथ लगाए जा सकते हैं जो इन मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। कोहनी से ऊपर लगाए जाने वाले कृत्रिम उपकरण का यह आविष्कार ऊपरी अंग में अधिक से अधिक लोगों को विभिन्न प्रकार से लगाया जा सकता है, उन्हें भी जिनके हाथ ही नहीं हैं,'' वे कहते हैं।

अंततः आयोजक 200 लोगों की सेवा करने के लिए तैयार थे, लेकिन LN4 कृत्रिम हाथ केवल 110 व्यक्तियों को ही लग पाए, क्योंकि उपकरण बिठाने के लिए आवश्यक विकृति मानदंडों के अभाव में, कुछ लोगों के हाथ नहीं लगाए जा सकते थे। ''पहली बार, ओडिशा में दो क्लब इस आकार की विशाल परियोजना करने के लिए एक साथ आगे आए हैं। और हमें जो मीडिया कवरेज मिला है, वो निश्चित ही रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करेगा।''

जिस दिन शिविर का आयोजन किया गया, उस दिन की तस्वीर शब्दों से खीचते हुए, अजय अग्रवाल, जो परियोजना के प्रमुख भी हैं, कहते हैं, नवंबर की उस सर्द सुबह, हम सब अपने 'हेल्पिंग हैंड' परियोजना के लिए तैयार थे। शरद शेठ के नेतृत्व में जामनगर से आई टीम और दो स्थानीय क्लब के सदस्य हरे रंग की रोटरी टी शर्ट पहने थे। लाभार्थियों की जाँच की गई, उन्हें मास्क और सैनिटाइज़र दिए गए और उनका विवरण लिखने के बाद उन्हें LN4 हैंड फिटिंग टेबल की ओर भेजा गया।'' इस कार्य में अनुभवी जामनगर के सदस्यों ने अपना काम शुरू कर दिया साथ ही राउरकेला के रोटेरियनों को

से एक्सप्रेशन बोर्ड पर हस्ताक्षर किए तो कुछ ने कृतज्ञता के शब्द लिखे। उनमें से कुछ लाभार्थियों को अपने एलएन4 हाथ से नाश्ता और दोपहर का भोजन करते हुए देख बड़ी आत्म संतुष्टि हुई,'' उन्होंने कहा।

संभवतः रोटेरियनों के लिए सबसे ज्यादा खुशी का क्षण वो था, ''जब उन्होंने, गीता का अपने बच्चे को गोद में खिलाते देखा, जब वो हाथ लगवाने आई थी तो उसका शिशु उसके साथी की गोद में था, एलएन4 हाथ का मुफ्त उपहार मिलने के बाद, अपने बच्चे को पहली बार अपनी बांहो में झुलाया था। केवल वो ही नहीं बल्कि हम में से जिन्होंने भी वो दृश्य देखा, उन सभी के लिए ये बहुत ही हृदयस्पर्शी दृश्य था,'' अग्रवाल कहते हैं।

संतुष्टि का एक और पल एक हॉकी खिलाड़ी को देख के आया, जिसमें खेल के प्रति जबरदस्त जुनून था, अभी तक वह एक हाथ से खेलता था। वो (प्रशिक्षण के लिए रखे) मॉप के डंडे को दोनों हाथों से हॉकी स्टिक की तरह पकड़ के बहुत उत्साहित था। उसे आशा है की अब वो अपने खेल में सुधार कर सकेगा।

लेकिन हाथ लगाने के बाद उनका काम खत्म नहीं हो जाता। ''जिन लोगों को हाथ लगाए गए हैं, हमें उन लोगों का अनुसरण करना होगा, उन्होंने किस तरह से इसे अनुकूलित किया है और उनका उपयोग सही प्रकार से कर रहे हैं या नहीं। हो सकता है छह महीने या एक साल बाद हम एक और शिविर आयोजित करें। हम इसे स्थायी परियोजना बनाने की उम्मीद करते हैं,'' रश्मि कहती हैं, इस बात पर जोर देते हुए कि यह शिविर, सिर्फ कृत्रिम हाथों की फिटिंग से कहीं अधिक था। इसमें प्रशिक्षण के साथ ये परामर्श भी शामिल था कि अब उनकी ज़िन्दगी में किस तरह के बदलाव आएंगे।

कृत्रिम हाथ की मदद से शिविर में एक महिला पहली बार अपने बच्चे को गोद में लेती हुयी।

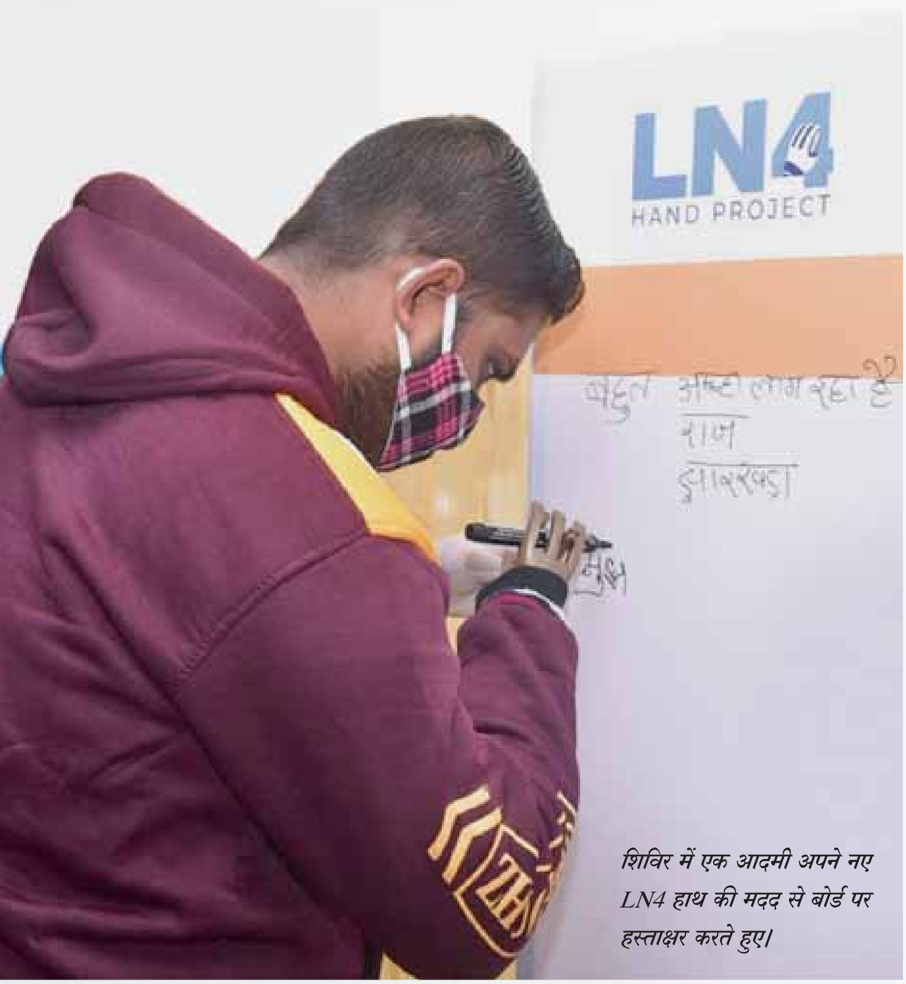

शिविर में एक आदमी अपने नए LN4 हाथ की मदद से बोर्ड पर हस्ताक्षर करते हुए।

उद्घाटन सत्र के लिए जब शिविर में गणमान्य व्यक्ति पधारे, तब तक काफी लाभार्थी नए लगाए गए एलएन4 हाथों के साथ उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

उद्घाटन समारोह में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट निखिल पवन कल्याण, एडीएम राउरकेला, कमिश्नर दिव्य ज्योति परिदा और एसपी राउरकेला मुकेश कुमार भामू उपस्थित थे और उन्होंने समाज को दी जा रही इस सेवा की भरपूर प्रशंसा की। गौरतलब है, कुछ लाभार्थी पड़ोसी राज्यों झारखंड और छत्तीसगढ़ से भी आए थे।

शिविर के समापन सत्र में राउरकेला के विधायक नायक और डीजीएन मंजीत सिंह अरोड़ा ने भाग लिया।

इन रोटेरियनों ने इस साल की रो ई थीम का स्वाद वास्तव में चखा है- *जीवन परिवर्तित करने के लिए सेवा* करें। ''हमने महसूस किया, अभी तक हम मंडल के अलग अलग क्लबों द्वारा किए गए कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे हैं लेकिन उनमें इस तरह से जीवन में परिवर्तन लाने वाला एक भी नहीं था। हम साफ़ साफ़ देख सकते थे कि लाभार्थियों के जीवन पर, इस परियोजना का दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा और इसी बात ने शिविर को विशिष्ट श्रेणी में ला खड़ा किया है,'' अग्रवाल का कहना था। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब कलकत्ता, दार्जिलिंग के एक सुदूर गांव में स्कूल का निर्माण करता है

रशीदा भगत

रोटरी क्लब कलकत्ता, रो ई मंडल 3291, जिसने 2019 में न केवल क्लब की शताब्दी का, बल्कि रोटरी के भारत आगमन के 100 वर्ष पूरे होने का भी जश्न मनाया, द्वारा कल्पित प्रमुख परियोजनाओं में से एक इसके ऐतिहासिक वर्ष के दौरान दार्जिलिंग, रो ई मंडल 3240, के बारामंगवा के तकलिंग गांव में रोटरी क्लब कलकत्ता सेंटेनियल चिंतन अकादमी की स्थापना करना था जिसका उद्घाटन 25 नवंबर को किया गया।

''हमने इसे ₹50 लाख (लगभग 70,000 डॉलर) की लागत से स्थापित किया और इस परियोजना के लिए धन क्लब के सदस्यों, अन्य परोपकारी दानकर्ताओं के साथ-साथ जर्मनी के रोटरी क्लब बुचलो, रोटरी क्लब मेनबर्ग, रोटरी क्लब वीसेनहॉर्न, रोटरी क्लब कॉफ़बेउरेन और रोटरी क्लब वीर्सन-श्वाल्म-नेटे जैसे दानवीर रोटरी क्लबों से एकत्रित हुआ,'' रोटरी क्लब कलकत्ता की अध्यक्ष सुजाता पायने ने कहा।

क्लब के हस्तक्षेप से पहले, इस पहाड़ी इलाके पर स्थित मौजूदा प्राथमिक विद्यालय, जिस पर 40 से अधिक बच्चे किसी न किसी तरह की शिक्षा के लिए निर्भर थे, ''जर्जर स्थिति में था जिसमें वास्तव में कोई कमरा नहीं था, न ही बच्चों को चट्टान से गिरने से बचाने के लिए कोई कमरा, दीवार या परकोटा मौजूद था।'' जैसा कि भारत के कई दूरस्थ इलाकों में होता है, ''बच्चों को स्कूल तक पहुंचने के लिए पहाड़ी इलाकों से ऊपर नीचे होते हुए 10 किमी चलना पड़ता था, जिसमें अधिकांश बच्चे किसान, टैक्सी चालकों या मैकेनिकों के परिवारों से आते है और प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थी है,'' उन्होंने कहा।

रोटरी क्लब कलकत्ता के शताब्दी वर्ष अध्यक्ष पूर्णेंदु रॉय चौधरी के लिए, ''यह दार्जिलिंग ज़िले के दूरदराज क्षेत्रों में स्थित लेपचा और गोरखा समुदायों के बच्चों की मदद करने का एक व्यक्तिगत सपना था, जो निरपवाद रूप से अक्सर स्कूल आना बंद कर देते है क्योंकि खराब मौसम में वहाँ पहुंचना मुश्किल

बाएं से: रोटरी क्लब कलकत्ता की सचिव श्रीरंजनी जोशी, मंडल 3291 के AG पूर्णेंदु रॉयचौधरी, रोटरी क्लब कलकत्ता की अध्यक्ष सुजाता पाइन, DG 3240 डॉ मोहन श्याम कोंवर, लेप्चा बोर्ड के अध्यक्ष लियांगसोंग तमसांग लेप्चा)

हो जाता है और पूरी तरह से जर्जर इमारत एवं अल्प सुविधाएं भी मुश्किलों में इजाफा करती है,'' वह कहते है।

यह नवीन स्कूल भवन 2,100 वर्ग फुट की एक प्रभावशाली जगह में निर्मित है और इसने बांस के खंभों, छप्परों और टूटी-फूटी टिन की चादरों, घास-फूस आदि से निर्मित जीर्ण-शीर्ण संरचना की जगह ले ली जिसमें बच्चे प्राकृतिक संकटों से जूझने को मजबूर रहते थे। यह स्कूल अब एक उचित, रंगीन और जीवंत कंक्रीट की इमारत है जिसमें उचित प्रकाश व्यवस्था और वेंटिलेशन के साथ कक्षाएँ है और जहाँ बच्चे अब सही ढंग से डेस्क-बेंचों पर बैठकर गरिमा के साथ अपनी शिक्षा प्राप्त कर सकते है।

सुजाता ने आगे कहा कि उद्घाटन समारोह रंगारंग एवं प्रभावशाली था, जिसमें दो मंडल गवर्नरों - रो ई मंडल 3291 के DG प्रबीर चटर्जी और रो ई मंडल 3240 के DG मोहन श्याम कोंवर - ने भाग लिया। सुजाता के साथ, क्लब सचिव श्रीरंजनी जोशी, कोषाध्यक्ष देबजानी घोष, पूर्व अध्यक्ष पूर्णेदु रॉय चौधरी और क्लब के अन्य सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए। भाग लेने वाले अन्य लोगों में पश्चिम बंगाल लेप्चा बोर्ड के अध्यक्ष लियांगसोंग तमसांग लेप्चा और इसकी सचिव रीना तारगेन शामिल थे।

यहाँ दी जाने वाली शिक्षा को अगले स्तर तक ले जाने के लिए रोटेरियनों ने पांच कंप्यूटरों वाला एक कंप्यूटर सेक्शन भी उपलब्ध कराया है जिसका उद्घाटन भी किया गया था। ''इस रोटरी वर्ष 2021-22 में इस स्कूल में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की भी योजना है। जहाँ लेपचा बोर्ड के अध्यक्ष ने स्कूल के लिए शिक्षकों और संकाय सदस्यों के साथ-साथ बच्चों को नि:शुल्क किताबें उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता की, वहीं ऊक्र चटर्जी ने लेपचा बोर्ड के तहत सभी 249 स्कूलों के सभी जरूरतमन्द बच्चों को नि:शुल्क चश्मे प्रदान करने का वादा किया,'' रोटरी क्लब कलकत्ता के अध्यक्ष ने कहा।

बाद में, उसी शाम को दार्जिलिंग में तीन क्लबों की एक ''ऐतिहासिक बैठक'' हुई जिसमें दो गवर्नरों, रॉयचौधरी और अन्य सदस्यों ने ज़ूम लिंक

के माध्यम से भाग लिया। अम्बिलिकल कनेक्ट शीर्षक वाली इस बैठक में रोटरी क्लब कलकत्ता (102 वर्षीय दादी जिन्होंने रोटरी क्लब दार्जिलिंग को प्रायोजित किया था); रोटरी क्लब दार्जिलिंग (मां); और रोटरी क्लब दार्जिलिंग हिमालय (बेटी) की भागीदारी थी। दोनों गवर्नरों - चटर्जी और कोंवर - ने क्लबों और दोनों मंडलों के मिलकर काम करने की आवश्यकता को दोहराया। एक बार ऐसा करने के बाद, रोटरी वास्तव में दुनिया को जोड़ सकती है, जैसा कि दार्जिलिंग के एक दूरस्थ गांव, तकलिंग में एक स्कूल के निर्माण के लिए जर्मन क्लबों से धन प्राप्त होने पर देखा गया था, ''यह स्कूल उन गोरखा और लेप्चा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बनाया गया था जो अपनी दुर्गमता और खराब मौसम की स्थिति में स्कूल छोड़ देते है।''

सुजाता ने आगे कहा, ''उन्होंने यह भी बताया कि साक्षरता रोटरी का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और रो ई मंडल 3291 से आगे निकलकर जरूरतमंद लोगों एवं समुदायों की मदद करने का दृष्टिकोण रखने के लिए उन्होंने रोटरी क्लब कलकत्ता एवं रॉयचौधरी के नेतृत्व को बधाई दी।'' रॉयचौधरी ने बाद में *रोटरी न्यूज़* को बताया: ''मैं बस किसी एक भौगोलिक स्थान पर अपनी सेवा परियोजनाएं केंद्रित करने के बजाए हमेशा ऐसी परियोजनाएं करता हूँ जहाँ जरूरत होती है। अब मैं कश्मीर के दो क्लबों की मदद से अनाथ कश्मीरी बच्चों को गोद लेने की कोशिश कर रहा हूँ। वे पढ़ेंगे और अपने परिवारों के साथ रहेंगे लेकिन दुनिया भर के रोटेरियन उनके पढ़ने और रहने की लागत का खर्च उठाएंगे और इस परियोजना का निरीक्षण हमारे द्वारा किया जाएगा।''

बच्चों को स्कूल तक पहुंचने के लिए पहाड़ी इलाकों से ऊपर नीचे होते हुए 10 किमी चलना पड़ता था, जिसमें अधिकांश बच्चे किसान, टैक्सी चालकों या मैकेनिकों के परिवारों से आते है और प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थी है।

क्लब अध्यक्ष सुजाता ने आगे कहा: ''युवा छात्रों के बीच खुशी और आशा को देखना भावनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक था, जिन्होंने हमारे साथ बातचीत करके और अपनी प्रस्तुति के माध्यम से अपार क्षमता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया और हम रोटेरियनों को ऐसी ही सेवा परियोजनाओं के माध्यम से बहुत कुछ करने हेतु प्रोत्साहित किया।'' ■

कार्बन फुटप्रिंट कैलकुलेटर के अधिक उपयोग की आवश्यकता

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब बॉम्बे पियर मीट में रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, जयदीप मालवीय से बात करते हुए। चित्र में दक्षिण एशिया ESRAG अध्यक्ष मीनाक्षी वेंकटरमन (दाएं) भी मौजूद हैं।

रोटरी क्लब बॉम्बे पियर, रो ई मंडल 3141 द्वारा आयोजित पर्यावरण पर एक कार्यक्रम में, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने रोटरी साउथ एशिया के पहले क्लब-विशिष्ट कार्बन फुटप्रिंट कैलकुलेटर के विकास की सराहना की और सभी रोटेरियन से इसका व्यापक रूप से उपयोग करने का आग्रह किया। जलवायु परिवर्तन एक गंभीर मुद्दा है और रोटरी में नए फोकस क्षेत्र की शुरुआत के साथ - 'पर्यावरण का समर्थन' - जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं, जो हमें उत्सर्जन पैदा करने वाली मानवीय गतिविधियों को विनियमित करने में सक्षम बनाते हैं।

कार्बन फुटप्रिंट कैलकुलेटर रो ई जिला 3131 में अक्षय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के अध्यक्ष जयदीप मालवीय की पहल थी। वह रोटरी क्लब पुणे कैंप के पूर्व अध्यक्ष हैं। यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की मात्रा की गणना करता है जो एक विशिष्ट क्लब-बैठक या एक परियोजना में शामिल विभिन्न गतिविधियों के परिणामस्वरूप होता है जैसे कि यात्रा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों की संख्या, उपयोग की जाने वाली बिजली की मात्रा, परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ, आदि, वह कहते हैं।

यहाँ पर पहुँचा जा सकता है *https://cfc-environment2122rid3131.vercel.app*

मालवीय का कहना है कि अनुरोधित आवश्यक डेटा भरने के बाद, ऐप कार्बन उत्सर्जन को पॉप अप करता है जो उस विशेष रोटरी गतिविधि के लिए निकलता है। उन्हें हाल ही में एक वैश्विक मतदान प्रक्रिया के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा सोसायटी (ISES) के निदेशक मंडल के लिए चुना गया था। ■

रोटरी ने एक और बच्चे को बचाया

टीम रोटरी न्यूज़

जब चिंतित ज़ैनब और हुज़ेफ़, 10 महीने के शिशु हादिया के माता-पिता ने 21 अगस्त को CHD से पीड़ित अपने प्यारे बच्चे के इलाज में मदद करने के लिए रोटरी क्लब ऑफ़ मुंबई पार्लेश्वर, रो ई मंडल 3141 का दरवाजा खटखटाया, तो क्लब अध्यक्ष उन्मेश और सचिव मोनिका इतनी तेजी से हरकत में आये कि बच्चे को दो दिन बाद ही कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया और 26 अगस्त को सफलतापूर्वक सर्जरी कर दी गई। आज, रोटरी को जीवन-रक्षक हस्तक्षेप के लिए धन्यवाद। छोटी हादिया जीवन से भरी है और उसके माता-पिता बहुत ही ज्यादा ख़ुशी के साथ दुनिया के सबसे ऊंचाई पर हैं।

हादिया का जन्म उसके दिल के निलय कक्ष में एक छेद के साथ हुआ था और हर बार जब वह जोर से हंसती या रोती थी, तो वह नीली हो जाती थी। उसका वजन कम था और उसे सांस लेने और कुछ खाने-पीने में कठिनाई हो रही थी। डॉक्टरों ने उसके दिल की स्थिति को ठीक करने के लिए एक आपातकालीन सर्जरी की सिफारिश की। लेकिन अड़चन अस्पताल का भारी बिल था - ₹2.35 लाख - जो उस जोड़े के लिए अकल्पनीय था जो सांताक्रूज के गोलिबार मार्केट में एक प्लास्टिक के सामान और क्रॉकरी स्टॉल से जीवन यापन कर रहे थे।

''मदद के लिए पूछताछ ने उन्हें हमारे क्लब की प्रशासनिक निदेशक सुनीता के पास पहुँचाया, जिन्होंने मोनिका के अनुरोध को पारित किया। वहां से, डीजी राजेंद्र अग्रवाल के मार्गदर्शन में, हमने इसे संभाला और देखा कि बच्चा बच गया है,'' क्लब के सदस्य पीडीजी सुभाष कुलकर्णी ने कहा। जबकि जिले ने अस्पताल के बिलों का 50 प्रतिशत भुगतान किया, क्लब के सदस्यों ने बकाया राशि का निपटान करने के लिए पिच किया।

''यह केवल बिलों का भुगतान करने के बारे में नहीं है, लेकिन हम हतोत्साहित माता-पिता और बीमार बच्चे के लिए समय पर सहायता और व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करके खुश हैं। 3 सितंबर से बच्चे को छुट्टी मिलने तक मोनिका लगातार परिवार के संपर्क में थी।''

हादिया की मां ज़ैनब ने रोटरी के हीलिंग टच को संक्षिप्त करते हुए कहा, ''आप सभी के समर्थन ने न केवल मेरे बच्चे की मदद की बल्कि हमें इतना आत्मविश्वास भी दिया कि हमें लगा कि हम अकेले नहीं हैं। जब भी हम हादिया को हंसते, खेलते या नखरे करते देखते हैं, तो हम कृतज्ञता के साथ रोटरी के बारे में सोचते हैं क्योंकि रोटरी ने हमारे बच्चे को हमें वापस कर दिया है।'' ■

अपनी मां ज़ैनब के साथ छोटी हादिया। चित्र में रोटरी क्लब मुंबई पार्लेश्वर की सचिव मोनिका टंडन (दाएं) और रोटेरियन सुनीता (बाएं) भी शामिल हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

ग्रामीण महाराष्ट्र, गुजरात में महिलाओं को राहत प्रदान कर रहे जलचक्र

जयश्री

महाराष्ट्र और गुजरात के सूखाग्रस्त क्षेत्रों की सैकड़ों महिलाओं के सिर का बोझ अभिनव जलचक्र उठा रहे है। हाल ही में ऐसी एक पहल के तहत, मुंबई के छह रोटरी क्लबों और तीन इनर व्हील क्लबों, रो ई मंडल 3141, ने 315 जलचक्र वितरित किए है - जो लंबी दूरी तक पानी ले जाने वाली ग्रामीण महिलाओं के बोझ को कम करने का एक सरल उपाय है।

भारत में ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू जरूरतों के हिसाब से अपने सिर पर 1-3 बर्तन ढोना पड़ता है और हर दिन गर्मी या बारिश के मौसम में भी 2-5 किमी की 2-3 बार यात्राएं करनी पड़ती है। रो ई मंडल 3141 के रोटरी वाटर प्रोजेक्ट्स एवेन्यू के अध्यक्ष अमरीश दफ्तरी कहते है, उन्हें रीढ़ और पीठ की समस्या होने का खतरा होता है क्योंकि वे अपने सिर पर इतना अधिक भार उठाती है।

जलचक्र निकटतम पेयजल स्रोत से पानी लाना आसान बनाता है। यह एक बेलनाकार, उच्च घनत्व वाला प्लास्टिक ड्रम होता है जो 45 लीटर से अधिक पानी धारण कर सकता है और इसमें धातु का हैंडल फिट किया गया है ताकि उपयोगकर्ता इसका वजन उठाए बिना इसे ट्रॉली की तरह सड़क पर लुढ़काते हुए ले जा सके। ''यह सिर, कंधों और कमर पर जल के बर्तन ले जाने के शारीरिक तनाव को समाप्त करता है और इसकी 45-लीटर की क्षमता होने से इसने यात्राओं की संख्या में भी कमी की है।''

इस परियोजना में अपनी यात्रा को याद करते हुए दफ्तरी कहते है कि उन्होंने ''2016 में एक अमेरिकी महिला सिंथिया कोएनिग द्वारा विकसित इस अनूठे उत्पाद को देखा। उन्होंने मुझे जलचक्र के अधिकृत निर्माताओं, नीलकमल प्लास्टिक्स, से इसे प्राप्त करने में मदद की।'' यह यंत्र अफ्रीका में भी लोकप्रिय है, जहाँ इसे 'हिप्पो व्हील' कहा जाता है और उसकी क्षमता 100 लीटर होती है।

1988 से एक रोटेरियन और रोटरी क्लब बॉम्बे हैंगिंग गार्डन के एक सदस्य होने के नाते, वह महाराष्ट्र के डिग्रास, कर्जत, पालघर और अकोला तालुकों और गुजरात के घरों में जलचक्र की खरीद और वितरण में सक्रिय है। मार्च 2016 से उनकी टीम ने विभिन्न गांवों में 4,000 से अधिक जलचक्र वितरित किए है। प्राप्तकर्ताओं की पहचान करना महत्वपूर्ण है, वह कहते है। जलचक्र केवल उन्हीं परिवारों को दिए जाते है जिनके आस-पास पानी का कोई स्रोत मौजूद नहीं है और उन्हें हर दिन पानी लाने के लिए घर से कम से कम 1.5-2 किमी दूर जाना पड़ता है। हम स्थानीय गैर सरकारी संगठनों की मदद से ऐसे लाभार्थियों की पहचान करते है और क्लब जलचक्रों को प्रायोजित करते है। प्रत्येक डिवाइस की कीमत लगभग ₹2,200 प्लस जीएसटी होती है। लेकिन रोटरी को यह ₹2,100 की विशेष दर पर मिलता है। ''हम स्वामित्व की भावना के लिए प्रत्येक प्राप्तकर्ता से 100 लेते है और यदि कोई इसे वहन नहीं कर सकता तो हम इसे मुफ्त में देते है,'' वह कहते है। न्यू जर्सी के कुछ क्लबों, जिनसे सिंथिया ने उनका परिचय करवाया था, ने भी इस परियोजना के लिए योगदान दिया था।

''महिलाओं के विपरीत गाँव के पुरुष बर्तनों का उपयोग करके पानी लाने से हिचकिचाते है। जलचक्र के साथ अब पुरुषों के साथ-साथ बच्चे भी परिवार की आवश्यकता हेतु पानी लाने

यह यंत्र भगवान ने हमारे पास भेजा है। अब मुझे पानी लाने नहीं जाना पड़ता। पानी लाने वाले जलचक्र को लुढ़काने को लेकर मेरे बेटे और पोते के बीच झगड़े भी हो जाते है।

DG राजेंद्र अग्रवाल (बाएं से तीसरा) एक गांव में एक महिला को जलचक्र देते हुए। रोटरी वाटर प्रोजेक्ट्स एवेन्यू चेयर अमरीश दफ्तरी उनके बाईं ओर है।

के लिए आगे आए है, जिससे महिलाओं के सिर का बोझ अब बीते समय की बात हो गई है,'' दफ्तारी मुस्कुराते है।

पालघर की एक लाभार्थी लक्ष्मीबाई (65) बहुत खुश है। ''पहले यह बहुत कठिन काम हुआ करता था जब मुझे अपने सिर पर तीन घड़े ढोने पड़ते थे और अपने परिवार को पानी उपलब्ध कराने के लिए रोजाना कई चक्कर लगाने पड़ते थे। मुझे गर्दन में दर्द होता था और मैं थक जाती थी। कई बार मैं गिर जाती थी या मेरे मटके मेरे सिर से गिर जाते थे। यह यंत्र भगवान ने हमारे पास भेजा है। अब मुझे पानी लाने नहीं जाना पड़ता। पानी लाने वाले जलचक्र को लुढ़काने को लेकर मेरे बेटे और पोते के बीच झगड़े भी हो जाते है। उन्हें इसे लुढ़काने में मजा आता है। अब दूरी भी कोई मायने नहीं रखती,'' वह कहती है। ■

ADVT.

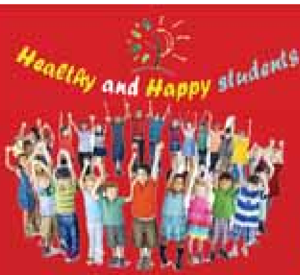

Rotary

SERVE TO CHANGE LIVES

Rotary
RID 3212

Act and Activate
Care and Share
Enhance and Empower

Best Wishes from JMJ Group of Companies

Rtn. Jacintha Dharma
District Governor
RI. Disrtict 3212

Rtn.A.I.Dharma

Rtn.Mohinth Dharma

DGS Rtn.Alexander Manuel

JMJ SURGICALS

59A, South Car Street, Nagercoil - 629 001

JMJ AGENCIES

G-5, Raja Tower, 75, Trivandrum Road
Palayamkottai, Tirunelveli - 627002

JMJ DISTRIBUTORS

HIG 4G, 80 Feet Road, Madurai - 625 020

JMJ SURGICAL ENTERPRISES

A-10, Thillai Nagar, 1-24, 20th Street
11th Cross Further West Extention
Thillai Nagar, Trichy - 620 018

AUTHORISED DISTRIBUTOR

J. Mitra & Co. Pvt. Ltd
Johnson & Johnson Ltd
3M India Ltd
Diamond B.P. Apparatus
Anaesthatics (1) Pvt. Ltd
Romson Group of Companies
Surgiwear
Remi Sales & Engineering Limited
General Surgical Company India Pvt. Ltd
Kanam Latex Industries Pvt. Ltd
Span Diagnostics Limited

HOSPITECH INDUSTRIES
ALPHA SURGICAL EQUIPMENTS

WENCY HOSPITAL EQUIPMENTS

AUTHORISED DEALER OF BIONET
59, (UPSTAIRS), SOUTH CAR STREET, NAGERCOIL - 629 001
Ph: OFF: 453026/ 222026/ 223329, Cell: 9443395493
E-mail: jmjsurgicals@gmail.com
Cell: 9842122026, 9443322026

जेनिफर जोन्स ने 2022-23 प्रेसिडेंशियल थीम का अनावरण किया

रायन हाइलैंड

RIPE जेनिफर जोन्स की अभिलाषा है कि रोटरी सदस्य, उन संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करें जिनसे वे इस दुनिया में परिवर्तन ला सकते हैं।

रोटरी क्लब विंडसर-रोज़लैंड, ओंटारियो, कनाडा की सदस्य जेनिफर ने 2022-23 के अध्यक्षीय विषय (प्रेसिडेंशियल थीम), *इमेजिन रोटरी* की घोषणा की, साथ ही उन्होंने लोगों से बड़े सपने देखने का व उन सपनों को हकीकत में बदलने के लिए अपने संपर्क और रोटरी की ताक़त का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

उन्होंने आगामी मंडल अध्यक्षों से कहा, ''इस दुनिया के बारे में विचार करें जो हमारा सर्वश्रेष्ठ पाने की हकदार है, वो दुनिया जहां हर रोज़ हम इस बोध के साथ अपनी आँखें खोलते हैं कि हम परिवर्तन कर सकते हैं।''

1 जुलाई को रोटरी की पहली महिला अध्यक्ष बनकर इतिहास रचने वाली जेनिफर ने रोटरी के वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम इंटरनेशनल असेंबली से पूर्व, दुनिया भर के भावी मंडल अध्यक्षों को एक सीधे प्रसारण के माध्यम से ऑनलाइन सम्बोधित किया। कोविड -19 महामारी के कारण असेंबली का समय पुनर्निर्धारित किया गया है और अब यह 7-14 फरवरी को आभासी रूप से आयोजित होगी।

उन्होंने आगामी गवर्नरों को एक संयोग के बारे में बताया जब पिछले साल अमेरिकी सेना की वापसी के दौरान एक सदस्य ने, एक युवा शांति कार्यकर्ता को अफगानिस्तान से बाहर निकालने में उनसे सहायता मांगी थी। पहले तो ये समझ नहीं आया कि वह कैसे मदद कर सकती थी, खैर उन्होंने ''रोटरी के उस जादू'' पर भरोसा कर एक पूर्व रोटरी पीस फेलो से संपर्क किया जिससे कुछ साल पहले मुलाकात हुई थी। 24 घंटे से भी कम समय में, उस कार्यकर्ता का नाम एक निकासी सूची में दर्ज हो गया और वह यूरोप के लिए रवाना हो गई।

सार्थक जिम्मेदारी के साथ सदस्यों को जोड़ना

सदस्यों को बेहतर तरीके से शामिल करने के लिए, रोटरी को आवश्यकता है ''सामंजस्य स्थापित करने और पुनर्गठन की,'' उनका कहना था, अपने गृहनगर का उदाहरण देते हुए बोली, विंडसर शहर कभी कनाडा का ऑटोमोटिव हब हुआ करता था। लेकिन प्लांट बंद होने के बाद हजारों लोग बेरोज़गार हो गए थे, शहर को पुनर्गठन की आवश्यकता थी, उसी प्रकार जैसे एक नए ऑटो प्लांट का निर्माण, नए कल पुर्जों या एक नए ढांचे के साथ किया जाता है। आज, जेनिफर ने कहा, विंडसर शहर कृषि व्यवसाय और चिकित्सा और एरोस्पेस प्रौद्योगिकी में अग्रणी है।

सदस्यों को जोड़े रखने के लिए सदस्यों को क्लब के कार्यक्रमों में शामिल करना महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा, ''हमें सदस्यों से पूछना चाहिए कि उनकी रोटरी से क्या अपेक्षाएं हैं और उन्हें सार्थक जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए।

यह हमारी व्यावहारिक सेवा, व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व विकास और आजीवन मित्रता है जो उनमें उद्देश्य और जोश का संचार पैदा करती है,'' उन्होंने कहा।

परिवर्तन को स्वीकार करने का तात्पर्य क्लब के नए मॉडल को अपनाना भी है, जेनिफर ने कहा, उन्होंने आगामी गवर्नरों को अपने कार्यकाल के दौरान कम से कम दो नए अभिनव या कारण-आधारित क्लब बनाने के लिए कहा। आइए सुनिश्चित करें कि हम अपने सदस्यों शामिल करेंगे ताकि वे उनके क्लब और उनके रोटरी अनुभव को पसंद करें, उनका कहना था।

उन्होंने एक रोटारेक्ट सदस्य को रोटरी पब्लिक इमेज कोऑर्डिनेटर नियुक्त करने की घोषणा की और कहा कि उन्होंने रोटारेक्टर्स को कई समितियों में सम्मिलित किया है और कुछ रोटारेक्टर्स की नियुक्ति अध्यक्ष के प्रतिनिधियों के रूप में भी की जायेगी।

''हमें इस महान संगठन का नेतृत्व सौंपा गया है। अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम साहस पूर्वक अपने कार्यों की शुरुआत करें जिससे लोग प्रोत्साहित हो कर नेतृत्व में हमारी मदद करें।''

इस दुनिया के बारे में विचार करें जो हमारा सर्वश्रेष्ठ पाने की हकदार है, वो दुनिया जहां हर रोज़ हम इस बोध के साथ अपनी आँखें खोलते हैं कि हम परिवर्तन कर सकते हैं।

RIPE **जेनिफर जोन्स**

RIPE ने ध्यान दिलाया कि 2023 तक, रो इ बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का लक्ष्य, रोटरी में 30 प्रतिशत महिला सदस्य, प्राप्त करने के लिए अब रोटरी के पास समय नहीं बचा है। 110 से अधिक देशों में रोटरी ने इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है, वो बोली, लेकिन मंज़िल अभी भी बहुत दूर है। उन्होंने विशेष उल्लेख किया कि रोटारेक्ट 50 प्रतिशत महिला सदस्य का लक्ष्य हासिल कर चुके हैं।

रोटरी का विस्तार बढ़ाने के लिए, वह एक वैश्विक प्रभाव यात्रा आयोजित करने की योजना बना रही है जिसमें दुनिया की सबसे ज़रूरी चुनौतियों का समाधान ढूढ़ने के लिए साथ मिल कर काम करने के बारे में, नेताओं के साथ चर्चा करना शामिल होगा। ''रोटरी इन दरवाजों को खोलती है और हमें इन संबंधों को और प्रगाढ़ करने और नई सहभागिता करने के लिए अपने संपर्कों का उपयोग करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा। और सबसे बढ़िया बात तो यह है कि यह कार्य नेतृत्व के हर स्तर पर संभव है।''

जेनिफर ने अपना संबोधन यह कहकर समाप्त किया कि जब रोटरी जैसी संस्था पोलियो खत्म कर शांति स्थापित करने करने जैसे बड़े सपने देखती है, तो फिर उसे पूरा करना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है।

''आप बीते हुए कल की नहीं सोचते, आप आने वाले कल की कल्पना करते हैं, जेनिफर का कहना था।''

Rotary International

2022 कन्वेंशन

ह्यूस्टन का स्वाद

मियोकी वॉकर

जब आप 2022 रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन 4-8 जून के लिए ह्यूस्टन में होंगे, तब इन स्थानों पर व्यंजनों का नमूना लेने का प्रयास करें, बस शहर से एक छोटी कैब की सवारी की जरुरत होगी।

'ओरिजिनल निनफा ऑन नेविगेशन' सर्वोत्कृष्ट टेक्स-मेक्स प्रदान करता है, जो दक्षिणी अमेरिकी और मैक्सिकन सामग्री का मिश्रण है। 1973 में 'मामा' निनफ़ा लॉरेन्ज़ो द्वारा स्थापित, ह्यूस्टन के इस बुनियादी खाद्य पदार्थ को राष्ट्रीय मंच पर फजिट्स को रखने में मदद करने का श्रेय दिया जाता है। उनके प्रसिद्ध क्वेसो फ्लेमैडो और टैकोस अल कार्बन को आज़माना सुनिश्चित करें, और एक अगुआ फ्रेस्का के साथ ठंढे हों।

'ह्यूस्टन के ब्रेनन' एक अद्वितीय बढ़िया भोजन के अनुभव के लिए प्रामाणिक 'क्रियोल व्यंजन' और दक्षिणी आतिथ्य परोसते हैं। उनके 'सिग्नेचर टर्टल सूप' और स्थानीय रूप से खट्टे 'माटागोर्डा

बे-ऑयस्टर' का आनंद लें। न्यू ऑरलियन्स में प्रसिद्ध कमांडर पैलेस के लिए यह बहन रेस्तरां सप्ताहांत पर जैज़ ब्रंच भी प्रदान करता है, जो 'बीगनेट या झींगा' और ग्रिट्स के लिए बिल्कुल सही है।

नोबीज, फार्म-टू-टेबल डाइनिंग, आरामदेह वातावरण प्रदान करता है। तरह-तरह मेन्यू अक्सर बदलता रहता है, लेकिन आप चिकन-फ्राइड बटेर या स्टेक टाटरी जैसे नए व्यंजनों की उम्मीद कर सकते हैं, जो डिवेल-एग क्रीम के साथ सबसे ऊपर हैं। जब आप एक शिल्प कॉकटेल या व्यापक शराब सूची से एक भेंट की चुस्की लेते हैं, तो पार्टी के माहौल में भीग जाते हैं।

उत्तम दर्जे का अभी तक कैजुअल रोज़ी कैननबॉल एक इतालवी स्पिन के साथ यूरोपीय आराम भोजन परोसता है। फ़ोकैसिया डि रेको या ब्लू क्रैब कार्बनारा से शुरू करें, फिर पिज्जा, भुने हुए ऑक्टोपस, या लकड़ी से बने ओवन और ग्रिल से बने अन्य प्रसाद में गोता लगाएँ। आप ऐसा महसूस करते हुए इस जगह से अलग जैसे आप सबसे अच्छे इतालवी से गर्मजोशी से गले मिले हैं और जिससे आपजल्द ही मिलने की उम्मीद करेंगे।

अधिक जानने और रजिस्टर करने के लिए *convention.rotary.org* पर देखें।

Source: *Rotary*

एक संदेश देते हुए

एक क्लब की छवि उसके कार्यों और परियोजनाओं एवं समुदाय में उसकी भागीदारी से निर्मित होती है। रोटरी क्लब भरूच, रो ई मंडल 3060, में हम ऐसे लोगों के रूप में लोकप्रिय होना चाहते है जो पर्यावरण और नियमित व्यायाम के माध्यम से फिट एवं स्वस्थ रहने की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील हो, क्लब की सचिव रचना पोद्दार कहती है।

स्थानीय समुदाय पर क्लब की इस छवि को अंकित करने और जीवन के दो बहुत ही महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जन जागरूकता फैलाने के लिए, 145 सदस्यों के साथ रो ई मंडल 3060 के सबसे पुराने (78 वर्ष) और सबसे बड़े क्लबों में से एक रोटरी क्लब भरूच ने 10 किमी की एक साइक्लोथॉन का आयोजन किया ताकि स्वास्थ्य और फिटनेस के साथ हमारे पर्यावरण से कार्बन उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, क्लब अध्यक्ष डॉ विक्रम प्रेमकुमार कहते है। स्वयं एक चिकित्सक होने के नाते, उन्होंने महसूस किया कि उनके वर्ष के दौरान क्लब की परियोजनाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

क्लब के सदस्यों के अलावा भरूच के रोटरेक्ट क्लब और इंटरेक्ट क्लब के रोटरेक्टरों एवं इंटरेक्टरों ने दिसंबर में आयोजित की गई इस 30 किमी साइकिल रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसमें लगभग 300 साइकिल चालकों की भागीदारी देखी गई।

क्लब के अध्यक्ष कहते है कि पिछले दो वर्षों से व्याप्त कोविड महामारी के कारण यह दिलचस्पी देखने को मिली है क्योंकि अब आम जनता में बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। ''स्वास्थ्य असमानताओं ने अधिकांश लोगों को प्रभावित किया है। बहुत से लोग, जो अब स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो गए है और अब उन्हें अपने फिटनेस स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वो पहले ही साइकिल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना चुके है और साइकिल चलाना एक नए शौक के रूप में उभरा है क्योंकि यह न केवल मजेदार है, बल्कि यह आसानी से किसी की भी दिनचर्या में फिट हो सकता है, फिर चाहे आपकी उम्र कितनी भी क्यों ना हो।''

'राइड यूर वे टू गुड हेल्थ' नामक इस साइक्लोथॉन के लिए क्लब ने भरूच के दो साइक्लिंग समूहों – GJ 16 पेडलर्स और भरूच साइक्लिस्ट एसोसिएशन – के

साइकिल चलाना

रशीदा भगत

साथ साझेदारी की। अपेक्षित रूप से इस आयोजन में इसके रोटरेक्ट (45 सदस्य) और इंटरेक्ट (35 सदस्य) क्लबों के साथ-साथ रोटरी 'सामुदायिक कॉर्पस, भरूच' की भी उत्साही भागीदारी थी।

प्रतिष्ठित, प्राचीन पुल

साइकिल चालकों ने उस प्रतिष्ठित और प्राचीन पुल से गुजरकर अपना रास्ता तय किया जिसे गोल्डन ब्रिज कहा जाता है जो नर्मदा नदी के तट पर स्थित दो शहरों - भरूच और अंकलेश्वर (बोरभाटा) को जोड़ता है। यह पुल 1881 में ब्रिटिश काल के दौरान बनाया गया था क्योंकि उन्हें बंबई से गुजरात आने वाले साम्राज्य के अधिकारियों के लिए व्यापार एवं प्रशासन पहुंच का मार्ग निर्मित करने के लिए नर्मदा नदी पर एक पुल की आवश्यकता थी। इस पुल को नर्मदा पुल भी कहा जाता है, लेकिन कुछ वर्षों से भारी यातायात को संभालने के लिए एक नया समानांतर पुल बनाया गया है। रचना आगे कहती है कि उस समय दोपहिया वाहनों को उस पुराने गोल्डन ब्रिज को पार करने की अनुमति थी ताकि उनकी साइकिल रैली इस ब्रिज से होकर गुजर सके जिससे फोटो खिंचवाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त हो।

पुल को पार करने के बाद बोरभाटा के पास साइकिल चालक हमारे पर्यावरण की रक्षा की आवश्यकता को चिन्हित करने हेतु उस जगह को साफ करने के लिए रुके और पॉलीथिन बैग, प्लास्टिक की बोतलें और अन्य कचरे को साफ किया जिसे लोग बेपरवाही से यहाँ-वहाँ फेंक देते है। उन्होंने आगे कहा, ''इस कार्यक्रम को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों में अच्छी तरह से कवर किया गया था और साइक्लोथॉन ने पर्यावरण और स्वास्थ्य एवं फिटनेस दोनों पर जागरूकता बढ़ाने के अपने उद्देश्य को हासिल किया और रोटरी की सार्वजनिक छवि में भी वृद्धि की।''

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कई साइकिल चालकों, विशेष रूप से रोटरेक्टरों और अन्य युवा प्रतिभागियों ने भी, सप्ताह में कम से कम एक यात्रा दिवस के दौरान आवागमन के अपने साधन के रूप में साइकिल का उपयोग करने का संकल्प लिया और यह प्रयास भले ही

रोटरेक्टरस धनुष और हेमंत जो बेंगलुरु से 25,000 किमी साइक्लोथॉन पर हैं, रोटरी क्लब भरूच के सदस्यों के साथ।

छोटा हो, पर शहर में प्रदूषण को कम करने में यह रोटरी का योगदान है,'' डॉ प्रेमकुमार ने आगे कहा।

''हम उम्मीद कर रहे है कि अपनी यात्रा हेतु केवल एक दिन कार के बजाए साइकिल चलाने का हमारा छोटा सा कदम कार्बन के प्रभाव को वार्षिक तौर पर लगभग 0.5 टन प्रति व्यक्ति तक कम कर देगा और यदि इसे बड़े स्तर पर देखा जाए तो यह एक प्रभावशाली संख्या दिखाई देती है,'' रचना कहती है।

क्लब ने इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब बैंगलोर व्हाइटफील्ड सेंट्रल, रो ई मंडल 3190, द्वारा प्रायोजित रोटरेक्ट क्लब ऑफ शिशु मंदिर के दो रोटरेकटरों, धनुष और हेमंत, की भी मेजबानी की जो किसी एक देश में साइकिल से सबसे लंबी यात्रा का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 25,000 किमी के साइकिल यात्रा पर है। उन्हें 11 जुलाई को बैंगलोर से रो ई मंडल 3190 के ऊ़फजल महमूद द्वारा हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा पर रवाना किया गया था और वे अपनी 25,000 किमी की यात्रा में से 15,000 किमी की यात्रा पहले ही पूरी कर चुके है। ''हमने एक शाम के लिए उनकी मेजबानी की और फिर वे सूरत के लिए रवाना हो गए,'' रचना ने आगे कहा। ■

District Wise TRF Contributions as on December 2021

(in US Dollars)

District Number	Annual Fund	PolioPlus	Endowment Fund	Other Funds	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	90,803	1,044	15,000	183,814	290,662	139	2.6
2982	29,258	5,633	0	3,449	38,340	140	4.3
3000	3,890	611	0	31,104	35,604	9	0.2
3011	8,949	5,272	0	120,445	134,666	20	0.5
3012	19,993	3,811	25,041	247,096	295,941	17	0.5
3020	57,605	8,388	30,596	4,620	101,208	159	3.8
3030	24,125	444	41,360	15,704	81,633	63	1.3
3040	29,079	270	0	21,361	50,711	6	0.2
3053	3,150	1,811	27	0	4,988	5	0.2
3054	2,955	1,016	0	200,756	204,727	13	0.2
3060	46,744	1,442	0	83,520	131,706	771	16.0
3070	10,483	27	0	27,601	38,111	44	1.4
3080	9,524	4,389	1,000	6,281	21,193	62	2.0
3090	17,192	0	29,000	0	46,192	72	3.5
3100	19,843	0	0	2,537	22,380	67	3.0
3110	9,708	355	0	0	10,063	64	1.8
3120	54,712	1,000	0	0	55,712	87	2.6
3131	312,289	30,884	26,000	362,601	731,774	1,536	32.8
3132	22,954	1,326	5,000	9,619	38,899	42	1.3
3141	243,851	4,200	89,865	384,327	722,242	414	7.0
3142	241,471	2,229	8,145	24	251,869	568	16.8
3150	39,495	8,925	91,000	43,120	182,540	471	11.9
3160	56,840	3,387	17,264	0	77,491	31	1.3
3170	43,249	10,078	1,710	31,217	86,254	222	3.8
3181	16,529	4,447	203	0	21,179	98	3.0
3182	17,520	8,469	0	15,274	41,263	60	1.9
3190	121,753	15,664	30,411	36,518	204,346	426	6.9
3201	53,431	54,738	0	212,532	320,700	258	4.5
3203	26,220	16,273	7,086	183,841	233,420	156	3.8
3204	19,091	4,522	0	1,036	24,649	22	1.1
3211	21,404	380	0	18,263	40,047	32	0.7
3212	20,479	1,625	1,036	4,561	27,701	52	1.0
3231	10,478	7,913	0	2,851	21,242	125	3.6
3232	42,818	55,108	32,601	400,505	531,032	95	1.3
3240	73,255	11,913	0	69,381	154,549	280	8.6
3250	12,157	2,763	1,036	17,151	33,108	181	5.0
3261	4,435	304	300	114,587	119,627	9	0.3
3262	5,412	457	0	0	5,869	21	0.6
3291	76,977	1,901	11,171	13,554	103,603	192	5.1
India Total	**1,920,123**	**283,017**	**464,850**	**2,869,250**	**5,537,241**	**7,029**	**4.5**
3220 **Sri Lanka**	37,908	6,661	1,510	1,000	47,079	108	4.7
3271 **Pakistan**	5,240	622	0	17,343	23,204	8	0.4
3272 **Pakistan**	16,832	10,633	0	2,117	29,582	15	0.8
3281 **Bangladesh**	37,558	5,125	16,000	163,012	221,695	110	1.4
3282 **Bangladesh**	25,608	7,199	1,000	27,193	61,000	61	1.6
3292 **Nepal**	59,279	6,063	0	86,597	151,938	492	8.4
South Asia Total	**2,102,548**	**319,319**	**483,360**	**3,166,512**	**6,071,739**	**7,823**	**4.3**

Annual Fund (AF) includes SHARE, Areas of Focus, World Fund and Disaster Response.

Source: RI South Asia Office

रोटरी क्लब पुत्तूर सेंट्रल

युवाओं को शिक्षा प्रदान कर रहा हैं

रशीदा भगत

शिक्षित युवाओं को सार्थक रोजगार प्राप्त करने के लिए शैक्षिक ज्ञान के आलावा उनमें आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण गुणों की आवश्यकता होती है पर देखा ये गया है कि अधिकाँश शिक्षित युवाओं में इन गुणों का अभाव रहता है। इसलिए, RILM के TEACH कार्यक्रम द्वारा प्रदत्त अवसर का उपयोग करते हुए और इस कार्यक्रम के प्रशिक्षण पहलू के मद्दे नज़र, RID 3181 में तीन वर्ष पूर्व स्थापित, अपेक्षाकृत एक नए क्लब, रोटरी क्लब पुत्तूर सेंट्रल ने दक्षिण कर्नाटक के पुत्तूर में एक महत्वाकांक्षी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में, जो प्री-यूनिवर्सिटी छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित है।

अरिवु' (कन्नड़ में ज्ञान) नामक, इस परियोजना का उद्देश्य युवाओं को पर्याप्त प्रशिक्षण व जीवन मे विभिन्न प्रकार के तकनिकी या व्यावहारिक कौशल में भी प्रवीण करने के साथ-साथ आत्मविश्वास, बोलचाल और संचार क्षमता में दक्ष करना है ताकि वे सक्षम हो सार्थक रोजगार प्राप्त कर सकें। क्लब के अध्यक्ष नवीनचंद्र नाइक ने इसका ब्यौरा दिया कि छात्रों का सर्वांगीण विकास करने के लिए शुरू की गई यह परियोजना एक दीर्घकालिक उद्यम है और यह व्यापक कार्यक्रम, छात्रों में अध्ययन, ग्रेड, प्रतियोगिता, प्रतिस्पर्धा पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने से उपजे तनाव को सम्बोधित करेगा, इन तत्वों के कारण, आज के छात्र अपने आप को अन्तहीन दौड़ में फंसा पाते हैं। आज, युवाओं में जीवन कौशल की सामान्य जानकारी और समझ की सबसे अधिक आवश्यकता है जो ज्ञान प्राप्त करने के साथ साथ उन्हें बुद्धिमान भी बनाएगी।

अंततः इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना है। उन्होंने समझाया जीवन कौशल सकारात्मक योग्यता है, इसका तात्पर्य है लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण, देश के कानून का सम्मान करना, और समाज कल्याण के लिए अपना योगदान देने के प्रति संवेदनशील होना है, जिस समाज ने उन्हें इतना कुछ दिया है। इसमें नैतिकता का मूल्य, पर्यावरण की सुरक्षा में गहन रुचि और अपने मूल्यों और अधिकारों के लिए खड़े होने का आत्मविश्वास है और जो छात्र इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पूरा करेंगे तो वह अपने जीवन में चुनौतियों का सामना कर सकते हैं.उन में उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए अपेक्षित मानसिकता होगी और उनके द्वारा चयनित व्यवसाय में वे कुशाग्र बनेंगे, उन्होंने आगे जोड़ा।

परियोजना के उद्भव के बारे में बताते हुए, इसके समन्वयक और क्लब के चार्टर सचिव सनथ राय कहते हैं कि इसकी बुनियाद में, कोरोना महामारी के दौरान दो वर्षों की महत्वपूर्ण पढ़ाई से वंचित रह गए कर्नाटक के छात्र हैं। वे सभी कक्षा 8 और 9 से उत्तीर्ण हुए छात्र थे और उन्हें कक्षा 10 में पदोन्नत कर दिया गया था, पर उनकी नींव कच्ची थी, क्योंकि कक्षाएं केवल ऑनलाइन ही आयोजित की गई थीं और इसमें शिक्षक-छात्र संवाद का महत्वपूर्ण घटक लुप्त था। बच्चों को कक्षा 8 और 9 में मिलने वाली शिक्षा का महत्त्व हम सभी जानते है, वह महत्वपूर्ण है क्योंकि अगले वर्ष वे बोर्ड की परीक्षा देते हैं। इसलिए ऐसे छात्रों की मदद के लिए कर्नाटक राज्य के रोटरी क्लबों द्वारा

क्लब के सदस्य के रामचंद्र शहर के एक कॉलेज में अरिवु के तहत एक सत्र का संचालन करते हुए।

दिग्विजय न्यूज और *विजयवाणी कन्नड़ दैनिक,* विज्ञापनों के माध्यम से प्रायोजकों और राज्य भर में उदार रोटेरियनों की सहायता से विद्या *सेतु-विद्याभियान* कार्यक्रम शुरू किया गया था।

परियोजना के तहत कन्नड़ भाषाई सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 10 के छात्रों को कन्नड़ भाषा में दो पुस्तकों का एक सेट मुफ्त में वितरित किया गया था। इन पुस्तकों में कक्षा 8 और 9 में पढ़ाए जाने वाले विषय अंग्रेजी, गणित और विज्ञान की पाठ्यक्रम सामग्री के सरलीकृत संस्करण हैं। इन पुस्तकों को विद्वान् और अनुभवी शिक्षकों द्वारा अनुमोदित किया गया है, वे आगे कहते हैं। ₹250 की किताबें रोटरी क्लबों को ₹100 की रियायती कीमत पर उपलब्ध कराई गईं और एक मोटे अनुमान के अनुसार सम्पूर्ण कर्नाटक में लगभग पांच लाख पुस्तकों का वितरण किया गया था।

राज्य स्थित अन्य रोटरी क्लबों के साथ, जब रोटरी क्लब पुत्तूर सेंट्रल के सदस्यों ने अपने क्षेत्र के स्कूलों में मार्गदर्शक पाठ्य पुस्तकों के इस सेट को वितरित करना शुरू किया, कई माता-पिता और शिक्षकों ने हमें बताया कि महामारी की वजह से बच्चों की नियमित पढाई बुरी तरह से प्रभावित हुई थी, उनके बच्चों में ज्ञान, अध्ययन के लिए आवश्यक अनुशासन और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी कम थी। उन्होंने हमसे अनुरोध किया कि यदि हमारे पास कोई सुझाव या कोई ऐसा कार्यक्रम हो जिसके अंतर्गत छात्रों को आगे किस तरह की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए, जो इस सम्बन्ध में बच्चों का मार्गदर्शन कर सके तो यह उनके भविष्य के निर्माण में सहायक होगा।

(बाएं से) क्लब सचिव राजेश बेजंगला, TEACH चेयरमैन भारती सनथ राय, गवर्नमेंट पीयू कॉलेज के लेक्चरर धरनप्पा गौड़ा, क्लब के अध्यक्ष नवीनचंद्र नाइक, कॉलेज के प्रिंसिपल सुरेश कुमार और रोटेरियन ऑस्कर आनंद की उपस्थिति में पुत्तूर नगर पार्षद जगननिवास राव अरिवु परियोजना का उद्घाटन करते हुए।

और इसके साथ ही क्लब को *अरिवु* परियोजना का विचार आया और अपने क्लब में शिक्षा, वित्त, सार्वजनिक प्रशासन, कानून आदि क्षेत्रों में कुशल और अनुभवी विशिष्ट सदस्यों की पहचान की गई जिनमें रोटेरियन टी रमेश बाबू (तहसीलदार), चंद्रहासा राय बी (कर्नाटक तुलु साहित्य अकादमी के पूर्व रजिस्ट्रार), राजेश बेजजंगला (शोध प्रोफेसर, श्रीनिवास विश्वविद्यालय मैंगलोर), रामचंद्र के (शारीरिक शिक्षा निदेशक और प्लेसमेंट अधिकारी, गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज), शिवराम एमएस (सहयोगी प्रोफेसर, विवेकानंद इंजीनियरिंग कॉलेज), चिदानंद राय (वकील), राकेश पी शेट्टी (परामर्शदाता) और भारती एस राय (विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, सेंट फिलोमेना कॉलेज) शामिल हैं।

अरिवु के अंतर्गत, पुत्तूर के सरकारी कॉलेजों में एक घंटे का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जहां 45 मिनट के लिए विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण देने के साथ छात्रों से 15 मिनट के लिए पारस्परिक संवाद भी किया जाता है।

कुल मिलाकर, परियोजना के पहले चरण में, पुत्तूर में लगभग 17 कॉलेजों के लगभग 4,700 छात्रों को सम्मिलित किया जाएगा। दिसंबर के अंत तक, 28 सत्र आयोजित किए गए हैं। इस रोटरी वर्ष के फोकस क्षेत्र, लड़कियों के सशक्तिकरण, के तहत इस कार्यक्रम में लड़कियों की सहभागिता के बारे में पूछने पर राय ने बताया, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि इन 28 सत्रों में, 50 प्रतिशत से अधिक संख्या छात्राओं की थीं, क्योंकि कर्नाटक के ग्रामीण कॉलेजों में लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या अधिक है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण सत्रों में *अरिवु* संकाय जिन दो विषयों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है, वो द्विभाषी हैं, ये सत्र कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में आयोजित किए जा रहे हैं, वे विषय हैं - किशोरावस्था से जुड़ी समस्याएं और भारतीय रक्षा सेवाओं में उपलब्ध करियर के अवसर हैं।

TEACH के क्लब अध्यक्ष भारती एस राय ने कहा, इस परियोजना की सफलता के आधार पर, TEACH की टीम इस परियोजना को डिग्री कॉलेजों के छात्रों तक ले जाने की योजना भी बना रही है। *अरिवु* के अंतर्गत पढ़ाये जा रहे, क्लब के प्रशिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विषयों में, सफलता की कल्पना और लक्ष्य निर्धारण, मार्ग निर्देशन, किशोरों की समस्याएं, प्रतियोगी परीक्षाएं, सामाजिक उत्तरदायित्व और रक्षा सेवाओं में कैरियर के अवसर सम्मिलित हैं।

भविष्य में आवश्यकता के अनुसार इसमें अन्य विषयों को भी जोड़ा जा सकता है और आवश्यकतानुसार संस्थान अपनी रुचि के विषयों का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। नाइक ने कहा। ■

ओमीक्रोन की जानकारी

रशीदा भगत

संक्रमक रोग विशेषज्ञ डॉ वी रामसुब्रमण्यन।

कोविड की तीसरी लहर की शुरुआत कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट या म्यूटेंट के प्रवेश के साथ हुई है। हम किन विषम परिस्थितियों से गुजर रहे हैं, ये "एक व्हाट्सएप संदेश से साबित होता है। संदेश में, पिछले दो सप्ताह में भोजन पर किये गए खर्च का ग्राफ दिखाया गया है; भेल पुरी 10 प्रतिशत, सेव पुरी 15 प्रतिशत; दोसाई 20 प्रतिशत; दही चावल 30 प्रतिशत और डोलो 650, 85 प्रतिशत," संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ वी रामसुब्रमण्यन ने रोटरी क्लब ऑफ मद्रास, RID 3232 की बैठक को संबोधित करते हुए ये तथ्य उजागर किये, वो इस क्लब के सदस्य भी हैं।

कोरोना महामारी का संक्षिप्त विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में करीब 30 करोड़ से ज़्यादा लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं और ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि 6 करोड़ से अधिक की मौत हो गई है। "हमें ज्ञात हो गया है कि इस वायरस में बार-बार परिवर्तित होने का सामर्थ्य है, जिसे नियमित उत्परिवर्तन कहा जाता है और ओमीक्रोन इसका नया रूप है।"

स्वास्थ्य सेवा बिरादरी में बड़ी चिंता का विषय ये है कि यह संस्करण पहले की तुलना में बहुत तेजी से फैलता है "और टीके लगने के कारण या पिछले संक्रमण की वजह से उत्पन्न हुई हमारी प्रतिरक्षा और प्रतिरोधक प्रणाली से बच निकलने की ताकत रखता है। शुरू में आशंका थी कि यह पहले से और भी घातक, उग्र और भयानक साबित होगा लेकिन सौभाग्य से ऐसा नहीं हुआ है। बस इतना ही है कि ये वायरस उपचार के कुछ तरीकों की पकड़ से बच निकल कर संक्रमण फैला सकता है।"

ओमीक्रोन म्यूटेंट "इतनी तेजी से फैलता है कि हमने इसकी तुलना चिकनपॉक्स वायरस से की है जो प्रत्यक्षतः एक से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है," ये कहना था विशेषज्ञ का, जो कैपस्टोन मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक के चिकित्सा निदेशक हैं।

एक उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा, "यदि आप एक ही कमरे में किसी ऐसे व्यक्ति के साथ हैं जिसे चिकन पॉक्स है और आपको नहीं है और आप इसके प्रति अतिसंवेदनशील हैं,अगर आप सिर्फ 15 मिनट के लिए कमरे में उसके साथ रहेंगे तो इसकी 90 प्रतिशत संभावना है कि आपको चिकन पॉक्स हो जाएगा। ओमिक्रॉन संस्करण शायद उतना बुरा नहीं था, लेकिन धीरे - धीरे उस स्तर पर पहुंच रहा है। लेकिन इसकी पॉजिटिव बात ये है कि ओमिक्रॉन की वजह से ज्यादातर लोग हलके फुल्के बीमार पड़ते हैं और डेल्टा संस्करण के विपरीत, जो मृत्यु का कारण बना या जिसकी वजह से बहुत से लोगों में गंभीर बीमारी और कई प्रकार की जटिलताएं पैदा हुईं, इसकी तुलना में ओमिक्रॉन से मृत्यु और गंभीर जटिलता केवल अंश मात्र हैं, जो राहत की बात है।"

लक्षण

डॉ राम सुब्रमण्यन ने बताया, शुरू में ठंड लगने लगती है छींक, गले में खराश और शरीर में दर्द और तेज़ बुखार का बढ़ना, ये इसके लक्षण हैं। लेकिन कोरोना वायरस के इस म्युटेंट में दस्त, स्वाद और गंध की कमी जैसे शुरूआती लक्षण कम नज़र आते हैं। सबसे आम शिकायत है सर्दी और गले में खराश ... कुछ गंभीर रोगी गले के दर्द की शिकायत करते हैं जिसके लिए पैरासिटामोल के आलावा भी दवाओं की आवश्यकता पड़ती है।

एक और फर्क यह है कि जहां पहले बच्चे इस वायरस से पूरी तरह बच गए थे, "आज छोटे बच्चों को भी बुखार आ रहा है - 101 या 102 डिग्री सेल्सियस तक; लेकिन सौभाग्य से, यह केवल 1-2 दिन ही टिकता है फिर वे ठीक हो जाते हैं। तो अच्छी खबर यह है कि अगर आप चौथे या पांचवे दिन बेहतर महसूस करते हैं, तो संभवतः यह ओमीक्रोन ही है और आपको सिर्फ 4-5 दिन अलग रहने की जरूरत है।"

उपचार के बारे में, उन्होंने कहा कि मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कॉकटेल, जिसे कभी ट्रम्प दवा के रूप में संदर्भित किया गया है, ओमीक्रोन में इसकी कोई भूमिका नहीं है। लेकिन हाँ, स्टेरॉयड अभी भी काम करते हैं, और ये उन बुजुर्गों को दिया जाता है जिन्हें कई तरह की वायरल बीमारियां हैं या वायरल निमोनिया हो सकता है और जिनमें ऑक्सीजन संतृप्ति 95 प्रतिशत से कम है। "तब स्टेरॉयड दिया जा सकता है और उनसे फायदा होता है।"

टीकाकरण की भूमिका

"हमने देखा है कि टीके से उपजी प्रतिरक्षा तीन महीने के बाद धीरे-धीरे कम होने लगती है और एंटीबॉडी का स्तर भी गिरने लगता है। हम अभी भी ये नहीं जानते कि एंटीबॉडी का सुरक्षित स्तर क्या है, इसका मतलब है कि हम सहज ज्ञान के साथ चल रहे हैं, और ये

ध्यान रखने योग्य

- ओमीक्रोन होने के बाद, वैक्सीन का बूस्टर शॉट लगवाने के लिए कम से कम 2-3 महीने प्रतीक्षा करें, क्योंकि संक्रमण भी एक वैक्सीन की तरह ही होता है। 3 महीने बाद एंटीबॉडी का स्तर कम हो जाता है, तब बूस्टर ले सकते हैं।
- बुखार होने पर टीका न लगवाएं; एक दो दिन प्रतीक्षा करें। हल्की सर्दी लगने पर बूस्टर लगवा सकते हैं, अगर ये यह कोविड से संबंधित नहीं है।
- विभिन्न तरह के संक्रमण के बीच अंतर - जैसे डेल्टा या ओमीक्रोन में अंतर करना संभव नहीं है क्योंकि RT-PCR आपको विशेष रूप से ये नहीं बता सकता, और बाजार में व्यावसायिक रूप से जीनोम अनुक्रमण नहीं किया जाता। लेकिन बच्चों में तेज बुखार जैसे लक्षण ओमीक्रोन की संभावना के संकेत है। 5-6 दिन से अधिक समय तक रहने वाला बुखार और साथ में स्वाद और गंध का गायब होना डेल्टा की संभावना दर्शाता है। निष्कर्ष: आप स्पष्ट रूप से अंतर नहीं बता सकते।
- सिर्फ इसलिए कि ओमीक्रोन हलकी बीमारी है, पुराने जमाने की चिकन पॉक्स पार्टियों की तरह, जब बच्चों को किसी संक्रमित बच्चे के साथ एक ही कमरे में रखा जाता था ताकि वो सभी संक्रमित हो कर प्रतिरक्षित हो जायेंगे, इस सम्बन्ध में मेरी हिदायत है, ऐसा बिलकुल ना करें। वो इसलिए क्योंकि चिकनपॉक्स से तो बच्चों में बहुत हल्का संक्रमण हुआ था, जबकि एक से अधिक बीमारी वाले लोगों को ओमीक्रोन गंभीर हानि पहुंचा सकता है
- पॉजिटिव संक्रमण वाले बुजुर्गों के लिए उपचार। उच्च जोखिम वाले लोग जिन्हें बीमारियों की वजह से अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता पड़ सकती है - 60 से ऊपर के सह-रुग्णता वाले लोग जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली गुर्दा प्रत्यारोपण की वजह से प्रभावित हो सकती है या प्रतिरक्षा प्रणाली सम्बंधित बीमारियों के रोगी - और अगर डॉक्टर जानते हैं कि उनमें डेल्टा वैरिएंट है, इन को मोनोक्लोनल कॉकटेल पहले भी दिया जा सकता है। ऐसे रोगियों के लिए 3 दिन का रेमडेसिविर का कोर्स भी उपलब्ध है।
- एक उपयोगी मंत्र - टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद एकांतवास में चले जाएं, पौष्टिक आहार लें और सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। सकारात्मक मानसिकता एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली के निर्माण में सहायक होती है और संक्रमण से निजात पाने में मददगार होती है।
- जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है उन को जोखिम बहुत ज़्यादा है। टीके न केवल अस्पताल में भर्ती होने से रोक सकते हैं बल्कि संचरण को भी कम करते हैं क्योंकि एक टीकाकृत व्यक्ति के गले में गैर-टीकाकृत व्यक्ति की तुलना में एक छोटा वायरल लोड होता है, इसलिए उसके संक्रमित होने की संभावना बहुत कम होती है।
- ये माना जाता है कि सरफेस कॉन्टैक्ट ट्रांसमिशन से संक्रमण फैलने का खतरा अब नहीं है जैसी महामारी के शुरुआती दिनों में धारणा बनी थी। आज हम जानते हैं कि यह या तो बूँद के अणुओं से फैल सकता है या बिना हवादार बंद कमरे में हवा में तैरते कणों की वजह से छह फीट से ज़्यादा दूरी में भी फैल सकता है। सतहों को छूने से बीमारी की संभावना लगभग नगण्य है। लेकिन हाथ हमेशा धोते रहो!
- लंबी उड़ान में सवार होने से कुछ घंटे पहले तक किसी व्यक्ति का पहले नेगेटिव और लैंडिंग के बाद पॉजिटिव पाया जाना चिकित्सकीय रूप से संभव हैं, और इसमें कोई ''धोखाधड़ी'' नहीं है जैसा कि कुछ वायरल हुए वीडियो संदेश दावा करते है। अधिक संभावना ये है कि यात्री उड़ने से पहले ही वायरस से संक्रमित हो गया हो या ये भी संभव है कि पहले परिक्षण के दौरान शरीर में वायरस पनप रहा हो और उसके उतरने के बाद ही सामने आया हो।
- कोई भी परीक्षण 100 प्रतिशत सही या संवेदनशील नहीं होता है। डॉक्टरों ने देखा है कि एक ही परिवार में पत्नी बिना किसी लक्षण के कोरोना पॉजिटिव पायी गई जबकि पति में लक्षण दिख रहे है फिर भी परीक्षण में वो कोरोना नेगेटिव घोषित हुए। RT-PCR परीक्षण 99 प्रतिशत सही है, लेकिन यह अधिक से अधिक 70 प्रतिशत संक्रमण ही पकड़ सकता है। परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि सैंपल कैसे लिया गया है, स्क्रैपिंग कहाँ होती है, प्रक्रिया कैसे की जाती है। इसलिए यदि परिक्षण के उपरान्त परिणाम पॉजिटिव दिखाता है, तो यह व्यक्ति निश्चित रूप से पॉजिटिव है, लेकिन संक्रमित होने के बावजूद कभी-कभी नेगेटिव की गलत रिपोर्ट भी संभव है।
- यात्रा; यूके और सिंगापुर जैसे देशों ने निर्णय किया है कि अगर किसी व्यक्ति को टीका लग चुका है और उसकी प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है, तो यात्रा से पूर्व और बाद जांच की आवश्यकता नहीं है। मेरा ख़याल है कि अगले कुछ महीने तक या फिर एक या दो साल तक हमें इसी प्रकार चलना पड़ेगा।
- जीनोम अनुक्रमण अभी व्यावसायिक नहीं हुआ है। टाटा डायग्नोस्टिक्स की ओर से एक नया टेस्ट आ रहा है जिसका नाम है ओम्नीश्योर (Omnisure), यह टेस्ट कुछ ही घंटों में बता देगा कि यह डेल्टा है या ओमिक्रोन। ये दिलचस्प है।

कह रहे हैं कि अगर ये स्तर नीचे गया तो बूस्टर की ज़रुरत पड़ेगी ... इसे बूस्टर कहें या टीके की तीसरी खुराक। यदि आपकी उम्र 60 से अधिक है आपकी स्थिति ऐसी है जिसमें आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को हानि पहुंच सकती है तो तीसरी खुराक फायदेमंद है।''

ओमिक्रॉन संक्रमित व्यक्ति को कितने समय एकांत में रहना चाहिए, इस विषय पर संदेह दूर करते हुए, विशेषज्ञ का कहना था कि विभिन्न देश अलग-अलग समय सीमा निर्धारित करते हैं; अमेरिका का कहना है कि परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद पांच दिनों का अलगाव, और यदि आप बाहर जाते हैं तो अनिवार्य रूप से मास्क के साथ पांच दिन का, जबकि यूके, जापान और फ्रांस ने 10 दिनों का अलगाव कर दिया है। जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन 14 दिनों की सिफारिश करता है वहीं भारत सरकार का कहना है कि परीक्षण परिणाम पॉजिटिव होने की स्थिति में 7 दिनों का एकांतवास।

लक्षणों के बाद कार्रवाई

शरीर में दर्द, गले में खराश, बुखार और बहती नाक जैसे लक्षण दिखाई देने पर क्या करना चाहिए, इन

चिंताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, सबसे पहले रोगी को एकांतवास में भेज दें, और घबराएं नहीं। यदि आप युवा हैं, और टीका लगा लिया है, तो 7 दिनों का एकांतवास करें और उसके बाद ही बाहर निकलें। लेकिन अगर आप पुष्टि करना ही चाहते हैं कि यह क्या है और सात दिन तक इंतजार नहीं करना चाहते, तो दो या तीन दिनों के बाद RT-PCR परीक्षण करवा लें और फिर 5 दिनों के बाद एकांतवास से बाहर आ जाएँ। यदि आपका परीक्षण परिणाम पॉजिटिव आया है, तो बिलकुल घबराएं नहीं... मुझे रात 9 बजे के बाद संदेश मिलता है कि मैं पॉजिटिव हूँ, अब क्या करूँ। घर पर आराम करें, घबराने की जरूरत नहीं है, तुरंत या एक रात में कुछ नहीं होता है। बड़ों से दूर रहें; उपचार में सर्दी के लिए पेरासिटामोल पूरी तरह से सहायक है और खांसी-दबाने के लिए एंटी-हिस्टामाइन और शायद सिरप लाभदायक है। मुझे नहीं लगता कि किसी विटामिन की आवश्यकता होती है लेकिन हम विटामिन ज़रूर देते हैं क्योंकि इससे रोगी बेहतर महसूस करता है। सौभाग्य से, ओमीक्रोन में, 4-5 दिनों के भीतर लोग अच्छा महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर आपकी खांसी और बुखार बना रहता है तो चौथे या पांचवें दिन के बाद डॉक्टर से दुबारा मिलें और जांच करवा लें कि सब ठीक है या नहीं।

क्या कोविड-पॉजिटिव परीक्षण करने वाले को 11-12 दिन के बाद फिर से परीक्षण करवाना चाहिए, अन्यथा उसका नाम पॉजिटिव सूची में बना रहेगा, इस प्रश्न का उत्तर देते हुए डॉ रामसुब्रमण्यम बोले, ''नहीं, दोहराने की आवश्यकता नहीं है। ध्यान रखें कि ये परीक्षण रैपिड एंटीजन टेस्ट से 10 दिनों के बाद भी एंटीजन का पता लगा लेगा। संभव हैं ये मृत वायरस हो जो आरटी पीसीआर टेस्ट में नज़र आ जाएगा। परीक्षण इतना संवेदनशील है कि आप 10-12 सप्ताह तक भी पॉजिटिव दिख सकते हैं। इसलिए कृपया दोबारा परीक्षण ना करवाएं।''

उन्होंने कहा, जो लोग 15-20 दिन की छुट्टी के बाद यूएस या यूके लौटना चाहते हैं, पॉजिटिव आये हैं और उन्हें वापस जाना है, तो कई उड़ान कंपनी के अधिकारियों ने डॉक्टरों के पत्र मान्य किए हैं जो ये प्रमाणित करते हैं कि उड़ने वाला व्यक्ति निर्धारित अवधि का एकांतवास पूर्ण कर चुका है, स्वस्थ है और अब उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं।

डॉक्टरों की दुविधा

इस महामारी के दौरान उन जैसे डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती के बारे में पूछने पर, उन्होंने कहा कि यह सूचनाओं का अधिभार था; ''लोगों के पास इतनी ज़्यादा जानकारी है कि ज्यादातर लोग डॉक्टरों से भी ज्यादा जानते हैं।'' अभी पिछले हफ्ते ही एक मरीज का परिचारक उनके पास दवाओं का डिब्बा लेकर आया था, बोला, 'मैं इसे यह गोली अभी दे दूँ या फिर 10 मिनट के बाद आप देंगे?' तरह- तरह की जानकारियों से लैस ये लोग अपने-अपने निष्कर्ष के साथ आते हैं इसलिए इलाज करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए जब तक आप अपने निर्णय के बारे में पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाते, तब तक इस भारी भरकम जानकारी को झेलना बहुत मुश्किल होता है। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी जॉब फेयर ने सेलम में 500 लड़कियों को किया आकर्षित

टीम रोटरी न्यूज़

जॉब फेयर में DG के सुंदरलिंगम।

रोटरी क्लब सेलम, रो इ मंडल 2982, ने लड़कियों के लिए एक मेगा जॉब फेयर आयोजित करने के लिए 'स्किलसोनिक एचआर ग्रुप' के साथ हाथ मिलाया। क्लब के अध्यक्ष जे सेंथिलकुमार ने कहा, 18-21 आयु वर्ग के 500 से अधिक उम्मीदवारों ने वॉक-इन इंटरव्यू में भाग लिया।

इन वॉक-इन में से 130 उम्मीदवारों का चयन किया गया। उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा और होसुर में नए स्थापित टाटा कारखाने में उपयुक्त नौकरी प्रदान की जाएगी। उम्मीदवारों ने या तो कक्षा 12 पूरी की थी या इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, ऑटोमोबाइल, टूल और डाई मेकिंग और मेक्ट्रोनिक्स में डिप्लोमा धारक थे। वे तमिलनाडु, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल के विभिन्न हिस्सों से आए थे।

उनके प्रदर्शन के आधार पर, चयनित उम्मीदवारों को ₹18,000 से ₹23,000 के बीच शुरुआती वेतन मिलेगा। डीजी के सुंदरलिंगम ने रोजगार मेले का दौरा किया और रोटेरियन को ऐसी और परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। क्लब द्वारा प्रायोजित तीन रोटरैक्ट क्लबों के रोटरैक्टर्स ने जॉब फेयर में स्वेच्छा से भाग लिया। ■

उदारता का उत्सव

वी मुत्तुकुमारन और किरण ज़ेहरा

अपने जीवनसाथी पर जब बात समाज सेवा की हो या रोटरी फाउंडेशन में आप जिस तरह से देना चाहते हैं। इन दोनों रोटेरियनों - निकुंज झावेरी रोटरी क्लब क्वीन्स नेकलेस मुंबई और नितिन मेहता रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट रो ई मंडल 3141- को अपनी पत्नियों पर अटूट विश्वास था, और चेन्नई में आयोजित महाब्स 21 इंस्टिट्यूट के दौरान, ये दोनों AKS के नए सदस्य बन कर सुर्ख़ियों में थे।

झावेरी अपने क्लब के पहले एकेएस सदस्य हैं, जबकि मेहता वर्तमान क्लब अध्यक्ष (20-21) मंडल के पहले अध्यक्ष हैं जिन्होंने गत वर्ष अपनी प्रतिबद्धता दी थी। दोनों ने टीआरएफ के सर्वोच्च क्लब में सम्मिलित होने का फैसला IPDG सुनील मेहरा के कार्यकाल में किया था, जो सदस्यों को फाउंडेशन में उदारता पूर्वक देने के लिए प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। उनके रोटरी सफर के किस्से बड़े दिलचस्प है और इन दोनों के उद्देश्य भी समान हैं, 'समाज से जो हमें मिला है उसे लौटाने का।' झावेरी का एकेएस सदस्य बनना तय था, बस वक़्त की बात थी क्योंकि मैं क्लब, मंडल और वैश्विक परियोजनाओं में लगातार देता रहा हूँ। अपने जीवन में 'समाज सेवा के' लक्ष्य को पूरा करने के लिए, 2015 में रोटरी में शामिल होने के बाद उन्होंने पाया कि समान विचारधारा वाले अन्य लोगों के साथ नेटवर्किंग कर के और उनके अनुभव, ज्ञान और संपर्क से लाभ उठा कर फाउंडेशन के लिए कई गुना राशि एकत्रित कर सकते हैं, वे कहते हैं।

इसके साथ ही, मुंबई स्थित कई गैर सरकारी संगठनों (प्राइड इंडिया, लायन ताराचंद बापा अस्पताल, एक्सेस लाइफ, इत्यादि) के बोर्ड में रहने के कारण उन्हें अपने स्वप्न 'समाज को लौटाने' को साकार करने में सहायता मिली। ''रोटरी में, वैश्विक अनुदान की अवधारणा ने मुझे बहुत प्रभावित किया, क्योंकि आपके द्वारा दान की जाने वाली राशि पूरी दुनिया के जरूरतमंद लोगों में बांटी जाती है। मैं एकेएस सदस्य बन गया क्योंकि इसकी राशि (250,000 डॉलर) वार्षिक कोष में जाएगी, जो टीआरएफ की सम्पन्नता की कुंजी है।''

झावेरी को प्रेरणा अपने दिवंगत ससुर पीडीजी ज्योतिंद्र वकील से मिली थी, जो एशिया से पहले AKS सदस्य थे और उन्होंने टीआरएफ में बड़ा योगदान दिया था। इसके अलावा, उनकी पत्नी कानन सबसे पहले उन्होंने ही नवंबर 2020 में पहली प्रतिबद्धता देने के लिए कहा था। उस समय बीएसई सेंसेक्स ने आकाश की नई ऊंचाइयां छुई थीं और शेयर बाजार से प्राप्त हुए उस अप्रत्याशित लाभ का एक भाग मैं फाउंडेशन में देना चाहता था।

बाएं से: कानन्न और निकुंज झावेरी, IPDG सुनील मेहरा, नितिन और हर्ष मेहता।

वी मुत्तुकुमारन

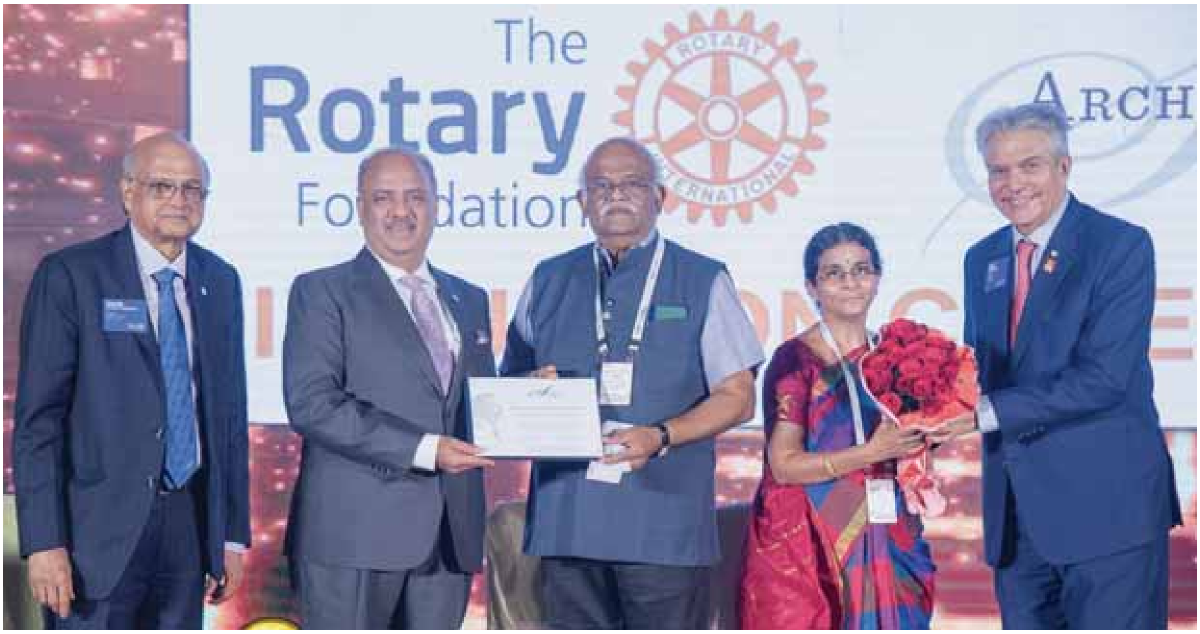

श्रीधर भारती

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और टीआरएफ ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन ने संस्थान में RID 3212 के DGE वी आर मुत्तु और उनकी पत्नी मलारविली को सम्मानित किया। ट्रस्टी गुलाम वाहनवती (बाएं) भी चित्र में मौजूद हैं।

वह सिस्टम्स प्लस टेक्नोलॉजीज के अधिष्ठाता हैं, जिसके कार्यालय मुंबई, पुणे सहित अन्य देशों में भी स्थित हैं। अपने दो बेटों और उदार हृदयी जीवनसंगिनी के साथ, ''मैं आगामी वर्षों में भी फाउंडेशन को देना जारी रखूंगा,'' वह मुस्कुराते हैं।

सिर्फ एक RTGS

रोटेरियन के रूप में अपने 25 वर्ष पूरे होने तक, स्टॉक ब्रोकर नितिन मेहता ने टीआरएफ में सिर्फ 1,525 डॉलर दिए थे। लेकिन फरवरी 2021 में, वैलेंटाइन डे के अगले दिन उनकी पत्नी हर्षा ने उन्हें एकेएस प्रतिबद्धता का सुझाव दिया। उसी दिन एक ही आरटीजीएस के माध्यम से, उन्होंने टीआरएफ को 250,000 का भुगतान कर दिया। ''अब पूर्व अध्यक्ष के रूप में, मैं क्लब को जीजी परियोजना और सामजिक पहल करने का सुझाव दे रहा हूं,'' वे कहते हैं। उनके क्लब अध्यक्ष रहते शुरू की गईं ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने वाली दो जीजी परियोजनाएं - नवी मुंबई और पलवल (हरियाणा) में - पूर्ण होने के अंतिम चरण में हैं। क्लब अध्यक्ष के रूप में मेहता की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं - ठखऊ 3141 में क्लबों से 4,35,000 डॉलर (20-21) का सर्वाधिक टीआरएफ संग्रहन, एशिया में दूसरा; और किसी भी क्लब द्वारा एक वर्ष में सर्वाधिक राशि का ऋञ्ञ प्रोजेक्ट (4,33,000 डॉलर) उन्ही के क्लब द्वारा किया गया है।

हर्षा ने बताया कि उनकी एक पुत्रवधु, बेंगलुरु में एक एनजीओ, कडल्स फाउंडेशन की प्रमुख हैं और वो कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए सराहनीय काम कर रही है।

समाज को देने और और सहयोग करने वाले रोटरी के डीएनए ने दुनिया भर में लाखों की ज़िन्दगी को प्रभावित किया है, कहना था आईपीडीजी सुनील मेहरा का जो टीआरएफ डिनर में रो इ अध्यक्ष मेहता द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद बेहद उत्साहित थे।

पैसा तो बहुत लोगों के पास है, पर देने के लिए दिल चाहिए। AKS बड़े दिल वालों की जगह है।

DGE रो ई मंडल 3212
वीआर मुत्तु

उन्होंने बताया कि रो ई मंडल 3141 में 36 AKS सदस्य हैं, जो दुनिया भर के रोटरी मंडलों में सबसे ज्यादा है; रोटरी क्लब बॉम्बे में 11 एकेएस सदस्य हैं, जो किसी भी रोटरी क्लब की तुलना में सबसे ज्यादा हैं; और गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने रो ई मंडल 3040 में, एक कार्यकाल में 7 AKS सदस्य बनाने के 10 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए इस वर्ष 8 AKS सदस्यों को शामिल करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। ''हालाँकि कोविड एक स्वास्थ्य सम्बन्धी आपदा है, हमने इन सदस्यों को प्रेरित किया जो एकेएस क्लब में शामिल हुए और अन्य वे सदस्य जिन्होंने टीआरएफ में उदारतापूर्वक योगदान दिया। इस महामारी ने, एक प्रकार से, हमारे लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं,'' मेहरा मुस्कुराते हुए कहते है।

एंडोमेंट फंड में निवेश बुद्धिमानी है

जब उन्होंने पहली बार फाउंडेशन में दान दिया था ''उस वक़्त मैं बीएमडब्ल्यू नहीं चला रहा था या समुद्र की ओर खुलने वाली संपत्ति का मालिक नहीं था। जब आप दिल खुले मन से देते हैं तो बदले में

आपको अपेक्षा से कहीं अधिक मिलता है।'' कहते हैं, रो ई मंडल3131 के पीडीजी विनय कुलकर्णी 1994 में एक कार दुर्घटना में जीवित बचने के बाद मैं मृत्यु के द्वार से लौटा था, ''मुझे लगा जैसे भगवान ने दुनिया में भलाई करने और जरूरतमंदों की मदद के लिए मुझे दूसरा जीवन दिया है,'' उन्होंने कहा।

वह उस समय को याद करते हैं जब PRIP कल्याण बनर्जी रो इ अध्यक्ष थे और अफ्रीका में एक स्वास्थ्य परियोजना करना चाहते थे। ''पूर्वी और पश्चिम अफ्रीका में माँ और बच्चे के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाएँ निम्न स्तर की थीं। हमने 100 इन्क्यूबेटर को दान किये थे और इसके बाद मैं विचार करने लगा कि मैं और क्या - क्या कर सकता हूं?''

कुलकर्णी को लगता है कि रोटरी एंडोमेंट फंड में निवेश करना एक समझदारी भरा कदम है ''क्योंकि यह फंडिंग का एक दीर्घकालिक और स्थायी स्रोत है। निवेश की गई आय का उपयोग फाउंडेशन के कार्यक्रमों में सहयोग हेतु एक स्थायी आय का स्रोत उपलब्ध करवाने के लिए किया जाता है और ये धन रोटेरियनों की भावी पीढ़ियों के लिए उपलब्ध अतिरिक्त संसाधन है, जिसकी आवश्यकता उन्हें स्थायी परियोजनाओं की परिकल्पना और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए आगामी वर्षों में पड़ सकती है। साथ ही, आपके निवेश पर मिलने वाले प्रतिफल के साथ और भी बहुत कुछ किया जा सकता है।''

500,000 डॉलर का दान करने के बाद, विनय और IPDG रश्मि कुलकर्णी AKS ट्रस्टी चेयर सर्कल का हिस्सा बन गए हैं; ''हमारे लिए, रोटरी एक कार्यभार या पदनाम ही नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की ज़िन्दगी का हिस्सा है,'' वे कहते हैं। 140,000 डॉलर के एक और दान के साथ, दंपति भारत में 10,000 मोतियाबिंद सर्जरी करने के लिए पूरी तरह तैयार है और टीआरएफ को डायरेक्ट गिफ्ट के रूप में महाराष्ट्र के महाड के एक अस्पताल को 30,000 डॉलर मूल्य की तीन डायलिसिस यूनिट दान की है।

उनका उद्देश्य है पोलियो उन्मूलन

इस दृष्टांत से प्रेरित हो कर, आगामी मंडल अध्यक्ष (रो ई मंडल 3212) वीआर मुत्तु, कहते हैं, जिन्होंने रोटरी फाउंडेशन को 300,000 का दान दिया है। वह अपनी मां वीआर जगतंबल से प्रेरित हैं, जिन्होंने पिछले साल डायरेक्ट गिफ्ट्स फंड में 30,000 डॉलर का दान दिया था। वे रो ई मंडल 3212 के पहले एकेएस सदस्य बनकर बहुत खुश हैं।

जब आप दिल खुले मन से देते हैं तो बदले में आपको अपेक्षा से कहीं अधिक मिलता है।

''मेरे द्वारा किये गए कार्य, मेरे मंडल में रोटेरियन को प्रेरित करने के सबसे अच्छे उदाहरण हैं । वह गर्व से बताते हैं कि जून 2020 में, जब अपने मंडल में उन्हें टीआरएफ फंड एकत्रित करने की ज़िम्मेदारी दी गई थी, हमने सिर्फ 10 दिनों में ₹1 करोड़ इकट्ठे कर टीआरएफ में दान किये थे।''

बाद में उन्होंने अपने परिवार को विश्वास में ले कर 'एंड पोलियो फंड' में दान करने के लिए मना लिया, एक अभियान जो उनके दिल के करीब है। वे कहते हैं, ''दुनिया को अशक्त कर देने वाली इस बीमारी से छुटकारा दिलाने और प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित रखने का दायित्व हमारा है.'' वह वार्षिक फंड में भी देने के लिए उत्सुक हैं ''वार्षिक फंड आपको यह चुनाव करने की स्वतंत्रता देता है कि आप कितना और कितनी बार दान करना चाहते हैं। बड़ा और महत्वपूर्ण प्रभाव डालने का यह एक सरल और सुरक्षित उपाय है।''

₹1,800 करोड़ के वार्षिक व्यवसाय करने वाले एक परिवार - संचालित व्यवसाय के अध्यक्ष के रूप में उन्हें लगता है कि फाउंडेशन में देना तो सरल है। लेकिन देने के लिए दूसरों को प्रेरित करना बहुत मुश्किल है। पैसा तो बहुत लोगों के पास है, पर देने के लिए दिल चाहिए। AKS बड़े दिल वालों की जगह है।''

उनकी वर्तमान रुचि RYLA पहल में है। उनका क्लब - रोटरी क्लब विरुधुनगर - मासिक तीन दिवसीय RYLA कार्यक्रम आयोजित करता है जिसमें पूरे तमिलनाडु से आये प्रतिभागियों को उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित और प्रशिक्षित किया जाता है। हर महीने पूरी तरह से वित्त पोषित 4-दिवसीय उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए दो विजेताओं को सिंगापुर भेजा जाता है। ■

श्रीधर भारती

RID 3131 के PDG विनय और PDG रश्मि कुलकर्णी।

रोटरी क्लब दिल्ली अनंता के अध्यक्ष अमितांसु सत्पथी और उनकी पत्नी सूर्यशिखा अस्पताल के उद्घाटन समारोह में।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब दिल्ली अनंता ने ₹8.5 करोड़ की परियोजना शुरू की हैं

रशीदा भगत

एक 21 माह के युवा क्लब द्वारा प्रदान की जाने वाली उल्लेखनीय सेवा का एक प्रभावशाली उदाहरण देते हुए, रोटरी क्लब दिल्ली अनंता, रो ई मंडल 3012, ने ₹8.5 करोड़ की लागत से एक विशाल अस्पताल, प्रशिक्षण एवं कौशल परियोजना शुरू की है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र, जिसमें कई गरीब परिवार रहते है, में रिकॉर्ड समय में भूमि अधिग्रहण से लेकर चार मंजिल की सुविधा वाले रोटरी अनंता चैरिटेबल अस्पताल, जो मूल रूप से वंचितों की सेवा करेगा, का उद्घाटन हाल ही में DG अशोक अग्रवाल द्वारा किया गया।

इस तरह की विशाल परियोजना की कल्पना करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए 50 सदस्यों वाले इस युवा क्लब की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में सराहनीय है कि क्लब के सदस्यों ने इस महामारी के समय में बहुत ही ध्यान केंद्रित होकर समर्पण के साथ काम किया ताकि रिकॉर्ड समय में NCR में वंचित लोगों को एक प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल और कौशल सुविधा प्रदान की जा सके।''

इस परियोजना का विवरण देते हुए क्लब अध्यक्ष अमितांशु सत्पथी कहते है कि जैसे ही क्लब अस्तित्व में आया ''हम रक्तदान या टीकाकरण शिविर जैसी नियमित परियोजनाओं की तुलना में कुछ अधिक यादगार करना चाहते थे। हमने कहा कि हम साल-दर-साल जारी रहने वाली एक स्थायी परियोजना करेंगे जो एक या दो क्लब अध्यक्षों के कार्यकाल से अधिक समय तक चलेगी।''

क्लब के मूल समूह का दूसरा संकल्प था कि वे स्वास्थ्य और शिक्षा/प्रशिक्षण दोनों के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेंगे। सबसे पहले सदस्यों ने एक ऐसे क्षेत्र में लगभग 1,000 वर्ग मीटर भूमि के एक भूखंड को चुना जहाँ कोई सस्ती नैदानिक सुविधाएं मौजूद नहीं थी और वहाँ लोगों को अपनी आजीविका की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए कौशलों की आवश्यकता थी। इस जमीन को करीब ₹1.7 करोड़ में खरीदा गया था।

योजना एक चार मंजिला इमारत बनाने की थी जिसमें एक मंजिल युवा छात्रों को कंप्यूटरों में प्रशिक्षित करने हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने, और महिलाओं की आय में सुधार लाने के लिए नर्सिंग, सिलाई, कढ़ाई आदि जैसे कौशल पाठ्यक्रम चलाने के लिए आरक्षित की जाएगी।

DG अशोक अग्रवाल की पत्नी अरुणा (बीच में) और क्लब के सदस्य अस्पताल में आउट पेशेंट से बातचीत करते हुए।

यह पूछे जाने पर कि क्लब 8 करोड़ से अधिक की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए धन कैसे जुटा रहा है, सत्पथी कहते है, कुल ₹8.5 करोड़ की लागत में से हम पहले ही अपने क्लब के सदस्यों से लगभग ₹4.82 करोड़ जुटा चुके है। इस कहावत में विश्वास करते हुए कि देने की शुरुआत घर से होती है, उन्होंने स्वयं ₹22 लाख का दान दिया; दूसरों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता के आधार पर ₹10, 20, 33 या 50 लाख का दान दिया। कई सदस्यों ने ₹11 लाख दिए क्योंकि हमने तय किया था कि जो व्यक्ति ₹11 लाख या इससे अधिक देगा उसे स्थायी न्यासी बनाया जाएगा। बाकि पैसा हम कंपनियों के CSR कोष के जरिए जुटाने की कोशिश कर रहे है।

इस स्थायी विशाल परियोजना के माध्यम से हमारा क्लब हर साल कम से कम 100,000 लोगों की सेवा करने हेतु प्रतिबद्ध है; और यह संभव है क्योंकि यह एक दिन में 300 से अधिक जझी को देख सकता है।

अनंता सत्पथी
अध्यक्ष, रोटरी क्लब दिल्ली अनंता

यह पूछे जाने पर कि उन्होंने वैश्विक अनुदान का रास्ता क्यों नहीं चुना, वह कहते है कि विकल्प तलाशे गए थे और ''हाल ही में एक नेत्र अस्पताल के लिए एक वैश्विक अनुदान स्वीकृत किया गया था जिसकी लागत लगभग ₹1 करोड़ थी।'' लेकिन उन्होंने वैश्विक अनुदान स्वीकृत होने को लेकर क्लब के सदस्यों की की निराशा को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा: ''हमें वैश्विक अनुदान की प्रक्रिया बहुत कठिन लगी, काफी सारे सवाल पूछे गए, हमने धन स्वीकृत कराने के लिए दो साल तक संघर्ष किया (नेत्र अस्पताल के लिए)। यही कारण है कि हमने अपना पैसा लगाने का फैसला किया और ₹4.82 करोड़ एकत्रित किए।''

नए साल के दिन, DG अग्रवाल ने अस्पताल में ₹20 लाख की लागत से एक एक्स-रे सुविधा का भी उद्घाटन किया जिसे क्लब के सदस्य सुरिंदर अरोड़ा ने अपने विरगों प्लाई/लैमिनेट निर्माण समूह के माध्यम से दान किया था।

क्लब के प्रथम अध्यक्ष राकेश जैन बताते है की दूसरी मंजिल विशेष रूप से गरीब परिवारों के युवाओं की कंप्यूटर शिक्षा के लिए आरक्षित की गई है क्योंकि वे किसी भी प्रकार का डिजिटल ज्ञान न होने के कारण ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा से वंचित है। इसलिए युवाओं को कंप्यूटर और टैबलेट दोनों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस कंप्यूटर सुविधा के अलावा NCR के 12-15 स्कूलों में, विशेष रूप से उत्तरप्रदेश के गांवों में लगभग ₹8 लाख की लागत से कंप्यूटर केंद्र स्थापित किए जाएंगे, साथ ही क्लब को इस

परियोजना पर ₹1 करोड़ अतिरिक्त खर्च करने की उम्मीद है, सत्पथी आगे कहते है।

क्लब के पूर्व अध्यक्ष मनोज अग्रवाल बताते है कि यह धर्मार्थ अस्पताल बीमारियों के इलाज से ज्यादा आउट पेशेंट (OP) के लिए है जो नि:शुल्क दवाएं दे रहा है और सीटी स्कैन एवं अन्य महंगी जांच जैसी नैदानिक सुविधाएं प्रदान करेगा जिसे गरीब लोग वहन नहीं कर सकते। यहाँ पर ये जांच बहुत ही कम कीमत पर की जाएंगी, जैसे सीटी स्कैन के लिए मात्र ₹100 चार्ज किए जा रहे है या एक्स-रे के लिए मात्र 50। जल्द ही एक डायलिसिस सुविधा भी शुरू की जाएगी।

''हम MRI सहित उच्च-स्तरीय नैदानिक सुविधाएं भी लाना चाहते है। उद्घाटन के दिन ही लगभग 100 OP आए और उनमें से लगभग 50 को नि:शुल्क दवाएं दी गईं,'' वह कहते है।

क्लब अध्यक्ष सतपथी (दाएं) की मौजूदगी में अस्पताल का उद्घाटन करते हुए DG अशोक अग्रवाल। चित्र में (बाएं से) AG राकेश जैन, प्रज्ञान अग्रवाल, मीना जैन, मनोज अग्रवाल, अरुणा और सूर्यशिखा सतपथी भी शामिल हैं।

सत्पथी आगे कहते है, इस स्थायी विशाल परियोजना के माध्यम से हमारा क्लब हर साल कम से कम 100,000 लोगों की सेवा करने हेतु प्रतिबद्ध है; और यह संभव है क्योंकि यह एक दिन में 300 से अधिक जझी को देख सकता है।

यह उनके लिए गर्व का दिन था जब रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने गाजियाबाद के दौरे पर उन्हें एक प्रमुख दानकर्ता के रूप में सम्मानित किए जाने के दौरान, ''हमारी अस्पताल परियोजना को चुनकर इसकी स्थायी प्रकृति की सराहना करते हुए कहा कि ये उस तरह की परियोजनाएं है जिन्हें वे रोटरी जगत के माध्यम से देखना चाहते है।'' ■

Rotary at a glance

Rotary clubs	:	37,092
Rotaract clubs	:	10,859
Interact clubs	:	16,971
RCCs	:	11,994
Rotary members	:	1,189,608
Rotaract members	:	237,990
Interact members	:	390,333

As on January 19, 2022

Membership Summary

As on January 1, 2022

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians (%)	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	134	6,152	7.39	46	52	238
2982	76	3,563	7.10	47	98	73
3000	137	5,455	9.21	93	262	214
3011	125	4,654	26.97	73	118	36
3012	148	4,135	25.04	65	77	61
3020	78	4,772	7.17	30	166	350
3030	97	5,162	15.34	119	251	360
3040	102	2,604	13.90	55	81	196
3053	71	2,831	18.13	34	49	118
3054	184	7,469	20.16	104	177	563
3060	110	5,165	14.99	63	71	146
3070	124	3,305	14.97	47	37	59
3080	98	4,161	13.38	137	159	115
3090	90	2,313	5.64	41	73	123
3100	106	2,395	10.14	11	21	146
3110	142	3,739	11.84	14	17	106
3120	90	3,671	16.07	62	32	55
3131	139	5,566	23.86	110	234	138
3132	90	3,618	10.86	32	125	166
3141	117	6,463	27.01	138	185	102
3142	101	3,798	21.16	79	145	80
3150	115	4,311	13.33	78	142	118
3160	78	2,640	8.63	29	20	82
3170	139	6,335	14.92	83	243	169
3181	87	3,510	8.72	33	194	115
3182	85	3,500	9.57	42	126	104
3190	162	6,752	18.39	162	207	70
3201	153	6,022	9.51	112	95	70
3203	93	4,796	7.91	74	233	36
3204	62	2,071	6.61	21	24	13
3211	148	4,870	7.57	7	24	133
3212	143	5,284	12.64	75	204	153
3231	99	3,760	8.54	29	81	419
3232	162	7,562	18.30	118	213	99
3240	102	3,576	15.78	62	405	216
3250	108	4,017	20.10	63	73	185
3261	92	3,237	17.59	15	24	44
3262	125	4,137	14.47	69	79	105
3291	169	4,272	23.20	133	96	651
India Total	**4,481**	**171,643**		**2,605**	**4,913**	**6,227**
3220	76	2,391	15.38	88	132	75
3271	132	2,253	17.39	97	185	25
3272	161	1,961	17.23	70	22	47
3281	326	8,413	17.86	265	149	208
3282	186	3,991	11.27	199	47	47
3292	154	6,062	17.20	170	130	128
S Asia Total	**5,516**	**196,714**		**3,494**	**5,578**	**6,757**

Source: RI South Asia Office

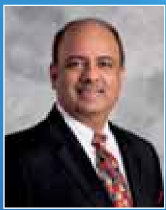

Rtn Shekhar Mehta
RI President

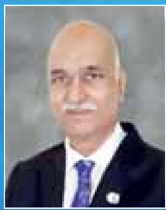

Rtn Ramesh Meher
District Governor

GLIMPSES OF

Rotary Club of Chandrapur imparted self-defence lessons to 30 girls at the Jubilee High School. The program is in District 3030's agenda DG Ramesh Meher is of the view that girls should be able to protect themselves, take care of themselves and do excellent work in the society to create a better and healthier society and to fulfil their dream, our club should also have a share, said club president Shrikant Reshimwale. The training was provided by the Martial Arts and School Games Association. All the girls were adorned with 'Yellow Belt' and a certificate by DG Meher on November 12, 2021. Project Director of the event was Uttam Dakre and Suraj Wagh. Club Secretary Avinash Uttarwar delivered the vote of thanks.

Rotary Chandrapur imparted self-defence lessons for girls

Rotary Nagpur Ishanya brings Muskaan on the faces of children

For Rotary Nagpur Ishanya, muskaan has a deeper meaning than just a smile. The club's flagship project — Muskaan — is an attempt to uplift and inspire the under privilegedchildren of the society. This was the 10th edition of 'Muskaan'.

And, it was different this time. For the first time the club hosted 227 children for two days. For the 227 children from the Baba Amte's Hemalkasa Anand Ashram, it was a unique, novel experience in many aspects. It was their first ever outing outside the Ashram, first ever bus journey, first ride on the Metro and their interaction with the outside world.

The participation this year was bigger with

- 107 children from Katol road Vidhyalaya
- 10 children from Bal Sadan Anath Ashram
- 227 tribal children from Baba Amte's Hemalkasa
- 59 children from Nutan Bharat
- 150 children from Pandit Nehru Hajaripahad

The children had a fun-filled day at Divya Nirmal Dham Ashram (Sudhanshu Maharaj Ashram), Suraburdi where they played many games organised by the entire team of Muskaan. The dance session was full on Masti for them and our members too. The kids were amused by the aero-modelling show.

It was heartening to note how they asked for serving food in small quantities; in the process, spreading a message to avoid food wastage. All the children were excited to receive their goodie bags when they were dropped off at their respective homes. .

All Covid protocols such as wearing masks and frequent use of hand sanitiser were followed by the students, caretakers, accompanying staff and the club members. Club members, led by president Pritesh Chandak, worked tirelessly towards the success of the project.

ADVT.

DISTRICT 3030

जीवन RID 3030 RY 2021- 22
LIVE LIFE.... GIVE LIFE

SERVE TO CHANGE LIVES

Rotary Club Nasik & Magnum Heart Institute help save lives of 14 children: courtesy TRF's Global Grant

Congenital anomalies in heart occurs at birth. It can lead to stunted growth, poor health of the child and can lead to premature death. However if diagnosed and treated in time, this is fully curable and children can then lead a healthy life.

These anomalies in medical terms are called PDA, VSD, ASD, RSOV and MAPCA.In layman's terms, they mean some problems in the chambers of the heart. The effect is lack of supply of oxygenated blood to different parts of body which manifests as stunted growth. Even though curable through surgery, the medical equipment needed for treatment are expensive, and so the cost of surgeries become unaffordable for the underprivileged. costs in corers. End result

RC Nasik decided to establish such facilities in Nashik through GG to enable cost-free treatment to children of marginalised families. TRF was most helpful and approved the Magnum Cath Lab Project under GG1642528. ".

Despite the Covid pandemic, work continued diligently and orders were placed with a Japanese manufacturer. The equipment arrived in Mumbai and was finally installed at the Magnum Heart Institute in Nashik. DG Meher inaugurated the facility on 27 August '21.

Now the task was to identify children with congenital heart disorder. From the initial health check up to ECG and more tests, children have to undergo various screening. Then starts the counselling process of their parents. Experts explain them the issues at hand, possible treatment and prospects of healthy life for their children. All this process was going on simultaneously in the many adivasi padas around Nashik while the equipment was getting installed. A batch of 14 children aged between 2 to 17 years was selected for this bloodless surgical procedure with the help of the newly commissioned machine.

A team led by renowned cardiac surgeon of Nashik, Dr Manoj Chopda, carried out the pinhole surgeries on these 14 selected children on Oct 5 and 6. Within a week, all the children were discharged and post operative visit confirmed that these children are now leading a very healthy and happy life!

Twenty-five such free surgeries will be carried out every year, bringing not only smiles on the faces of parents but helping these children become healthy and happy citizens of India.

टीआरएफ अनुदान एक अभिशाप या वरदान

रशीदा भगत

जो न इंस्टिट्यूट महाब्स 21 में रो ई निदेशक महेश कोटबागी की अध्यक्षता में संचालित एक सत्र में टीआरएफ अनुदान को ले कर उठे संशय को दूर करने और इस की पेचीदिगीयों और बारीकियों पर रौशनी डालने का अनुरोध किया गया।

ऐसे टीआरएफ सत्रों में जीजी से सम्बंधित अक्सर पूछे जाने वाला एक सवाल, जीजी की स्वीकृति देने से पहले रो ई कर्मचारियों द्वारा पूछे जाने वाले कई सवालों के सन्दर्भ में था जिस के जवाब में आगामी टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या ने कहा : ''जब आप बैंक में ऋण आवेदन करने के लिए जाते हैं, तो वे आपसे 50 तरह के सवाल पूछते हैं; एक गारंटर, घर को गिरवी रखने के लिए ज़रूरी दस्तावेज, इत्यादि। जबकि फाउंडेशन तो बिना कुछ मांगे आपको पैसे देता है, सिर्फ कुछ सवालों को छोड़कर, जो मैं समझता हूँ कि प्रासंगिक हैं। और हाँ, टीआरएफ किसी तरह का ब्याज नहीं लेता।''

इसके अलावा, उन्होंने कहा, ''और यह तो ऋण भी नहीं है; सिर्फ 'रोटेरियन' होने के नाते वे आपको पैसा दे रहे हैं। इसलिए, रोटेरियन नाम की पुष्टि करने के लिए, अगर वे पांच, दस सवाल पूछते भी हैं तो हमें शिकायत नहीं होनी चाहिए।''

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता से एक प्रश्न पूछते हुए, कोटबागी बोले : ''अनुदान से सम्बंधित बहुत सारे प्रश्न हैं, फाउंडेशन में विभिन्न प्रकार के अनुदानों को ले कर भ्रामक की स्थिति बनी हुई है । आपका अपना क्लब - रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर - एक साथ 10 जीजी करता है, जो मुझे लगता है कि किसी एक क्लब द्वारा एक साथ की जा रही संख्या जीजी में ये निश्चित ही सर्वोपरि है। तो एक क्लब के पास इतने सारे अनुदान यह किस प्रकार संभव है और आपके सदस्य इसे कैसे करते हैं?''

इसके उत्तर में, मेहता ने कहा कि यह देखकर वो अक्सर हैरान रह गए, जब वो कुछ एक मंडलो के दौरे पर गये थे, ''वहां पिछले पांच वर्षों में पूरे मंडल ने मिल कर सिर्फ चार अनुदान किये थे। तो, मैं उनसे कहता हूँ कि जब मेरा क्लब, अकेले ही 10 अनुदान कर सकता है, तो पूरा मंडल एक बड़ी संख्या में अनुदान क्यों नहीं कर सकता?''

मेहता ने आगे कहा कि सामुदायिक सेवा परियोजनाएं करने को आतुर किसी भी क्लब में, अध्यक्ष और क्लब के पदाधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती फंड इकठ्ठा करने की होती है। ''और धन प्राप्त करने का सबसे आसान तरीका है टीआरएफ अनुदान।'' हल्के-फुल्के अंदाज में, उन्होंने कहा कि दो चीजें जो हमेशा विफल रहीं, एक तो पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन जो आती नहीं और धन एकत्रित करने के प्रयास। क्लबों में, ''नब्बे प्रतिशत मामलों में धन जुटाने की शानदार योजना के उपरान्त भी संभवतः आप सफल नहीं होंगे। लेकिन टीआरएफ अनुदान की सहायता से आप किसी भी परियोजना को निष्पादित करने में अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर सकते हैं।''

उनका सुझाव था कि जो मंडल 15 से कम वैश्विक अनुदान करते हैं, उस क्षेत्र में, टीआरएफ ट्रस्टी मंडलों के लिए जीजी प्राप्त करने सम्बन्धी एक कार्यशाला आयोजित कर सकते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह भाग्यशाली रहे क्योंकि गवर्नर बनने से पहले, ''उनके मंडल में पूर्ववर्ती गवर्नरों द्वारा वैश्विक अनुदान करने की परिपाटी शुरू हो चुकी थी और मुझे इसका फायदा मिला था। हमने एक साल में 100 GG किए थे। और सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि हम प्रयास करने के लिए तत्पर थे।''

मेहता ने हॉल में उपस्थित रो ई अधिकारियों की ओर इंगित कर कहा कि वे सभी किसी न किसी पद पर रहते हुए आर्थिक प्रबन्धन से जुड़े रहे हैं और ''आपको भली भांति अनुदान प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। हां, इसके अलावा प्रबंधन से संबंधित, आदि कई और मसले हैं, लेकिन GG करना बेहद आसान है। इन अनुदानों के माध्यम से आप न केवल अपने समाज की सेवा कर रहे हैं, बल्कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों के रोटरी क्लब, जिनके पास सामजिक सेवा करने के अवसर नहीं है, उन को भी उसी भांति सेवा कार्यों से जुड़ने का अवसर दे रहे हैं जिस प्रकार से हम दुनिया के इस भाग में सेवा कार्य करते है।''

पांड्या ने कहा कि जीजी करने में जिस प्रकार मेहता का क्लब माहिर था, ''इसी तरह मंडल की

यात्रा के दौरान कई बार तो मुझे भी आश्चर्य होता था कि पूरे मंडल ने सिर्फ एक RYLA आयोजित किया था जब्कि मैं आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि रोटरी के शताब्दी वर्ष में, रो ई मंडल 3140 में मंडल अध्यक्ष ने 100 RYLA संपन्न करने का लक्ष्य रखा था और हमने 101 किये थे। इसलिए शेखर ने बिलकुल सही कहा, सवाल आपकी सोच, मानसिकता और प्रशिक्षण का है।''

कोटबागी का अगला प्रश्न पांड्या से रोटरी के विभिन्न कैडरों से सम्बंधित था और जीजी करने में वे मंडलों को किस प्रकार की सहायता और विशेषज्ञता उपलब्ध करा सकते थे। ''हालांकि इस विषय पर, पिछले साल रोटरी कैडरों का नेतृत्व कर रहे PRID मनोज देसाई, अधिक प्रकाश डाल सकते हैं, फिर भी मेरा मानना है कि वैश्विक अनुदानों की जांच और निगरानी में कैडर की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्णहोती है। केवल निगरानी ही नहीं बल्कि प्रशिक्षण भी। हमारे जोनों में लगभग 129 कैडर हैं, जो न केवल नियंत्रण और निगरानी करने में दक्ष हैं बल्कि वे लोगों का मार्गदर्शन कर उन्हें अनुदान के लिए सलाह भी देते हैं। यहां मंडल की - वर्तमान, भूत पूर्व और भविष्य की नेतृत्व टीम से - मेरा अनुरोध है, कैडरों के इस उत्कृष्ट संसाधन का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।''

उन्होंने RISAO के संजय परमार से वर्तमान और मंडल के आगामी नेताओं के साथ कैडरों का विवरण साझा करने का अनुरोध किया। इन कैडरों के ज्ञान और अनुभव का उपयोग अनुदानों की रूपरेखा बनाने में भी किया जा सकता था।

पैनल में बैठे टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने कहा: ''प्रत्येक मंडल के कैडर सदस्यों की जानकारी हमने पहले से ही प्रसारित कर दी है और डीजी से उनकी संपर्क जानकारी मंडल निर्देशिका में छापने का अनुरोध किया है। पिछले साल संजय ने मेरे साथ इस पर काम किया था, अब इसे और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।''

उन्होंने पांड्या और सभी आगामी डीजीयों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया क्योंकि कैडर बहुत उपयोगी संसाधन साबित हो सकते हैं, जो अनुदान पूर्व की योजना में भी सम्मिलित हो सकते हैं। अध्यक्ष मेहता ने कहा कि यह जानकारी उनके मंडल के नाम के साथ *rotaryindia.org* पर भी उपलब्ध कराई जाए, हालांकि उनकी सेवाएं रोटरी के किसी मंडल विशेष तक ही सीमित नहीं हैं। ''कोई भी व्यक्ति अगर पानी का विशेषज्ञ है, वो कहीं भी, किसी को भी प्रशिक्षित कर सकता है।''

कोटबागी ने मंडलों और छोटे क्लबों की शिकायतों पर आगे वाहनवती से पूछा, कि उन्हें अनुदान और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार मिलने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ''कई छोटे क्लबों का मानना है कि हमारे जोन के ट्रस्टी को ये भूमिका निभानी चाहिए और छोटे क्लबों को एक साथ सम्मिलित करने का प्रयास करना चाहिए और उन्हें GG करने में सक्षम बनाना चाहिए, टीआरएफ में उनके योगदान पर ध्यान दिए बिना।''

वाहनवती ने जवाब दिया कि ''इसे सुनिश्चित करने के लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं कि जिन मंडलों में डीडीएफ की राशि बहुत कम है, उन्हें अधिक डीडीएफ वाले मंडलों का सहयोग प्राप्त हो। विशेषकर, वैश्विक अनुदान एक ऐसी चीज है जो समाज की आवश्यकताओं को पूरा करती है और छोटे मंडलों का सहयोग करने के लिए लोग भरपूर प्रयास करते हैं।''

बाएं से: *रो ई निदेशक महेश कोटबागी, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, और ट्रस्टी- इलेक्ट भरत पांड्या।*

जब आप बैंक में ऋण आवेदन करने के लिए जाते हैं, तो वे आपसे 50 तरह के सवाल पूछते हैं; एक गारंटर, घर को गिरवी रखने के लिए ज़रूरी दस्तावेज, इत्यादि। जबकि फाउंडेशन तो बिना कुछ मांगे आपको पैसे देता है, सिर्फ कुछ सवालों को छोड़कर, जो मैं समझता हूँ कि प्रासंगिक हैं। और हाँ, टीआरएफ किसी तरह का ब्याज नहीं लेता।

TRF ट्रस्ट-इलेक्ट **भरत पांड्या**

हमारे सामने बड़ी असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जब आपका पिछले कोई ट्रैक रिकॉर्ड नहीं उपलब्ध होता। ''उदाहरण के लिए अध्यक्ष शेखर के क्लब - रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर को ही लें; इसे कभी भी तकलीफ का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जब आपके पास हर साल 10 खुले अनुदान उपलब्ध होते हैं हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि आपने इन वर्षों में कभी भी प्रबंधन सम्बन्धी किसी समस्या का सामना नहीं किया। अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय क्लब आगे आएंगे और कहेंगे कि हम आपके साथ सहभागिता करना चाहते हैं। लेकिन जिन क्लबों के पास कोई ट्रैक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें सहायता की आवश्यकता है और मैंने पहले भी कुछ क्लबों और मंडलों को अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी प्राप्त करने में मदद की है। दुनिया भर में हम सभी के दोस्त फैले हुए हैं और हम इस में मदद कर सकते हैं।''

संस्थान में आये प्रतिभागियों को उन्होंने आश्वासन दिया कि वे अपने क्लबों को कह सकते हैं कि ''यदि आपके पास स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करने की कोई परियोजना है, तो आपको धन की कभी कमी नहीं होगी।''

अध्यक्ष मेहता ने कहा कि उनके गृह क्लब जैसे ''बड़े क्लबों को छोटे क्लबों तक पहुंचना चाहिए और यहां डीजी को एक समन्वयक के रूप में कार्य करना चाहिए जहां छोटे क्लब, बड़े क्लब के साथ मिल कर एक अंतरराष्ट्रीय भागीदार के साथ जीजी करते हैं। यह उनके लिए एक GG में प्रवेश करने का

अवसर होगा, वो इसका स्वाद चखेंगे, इसे समझेंगे और विदेशी भागीदारों के साथ संबंध बनाने के तरीके सीखेंगे। अगले चरण में वे स्वयं आगे बढ़ कर अपने दम पर जीजी कर सकते हैं।''

एक और सवाल मंडलों की उस परेशानी से संबंधित था कि जब वे अनुदान के लिए आवेदन करते हैं, तो रो ई अधिकारियों द्वारा, विशेष रूप से इवान्स्टन में, यह कहते हुए बहुत सारे प्रश्न पूछे जाते हैं कि इसका मूल्यांकन उचित नहीं है या लागत सही नहीं है। शिकायत ये थी, ''इवान्स्टन में बैठ कर कोई बीकानेर, कलकत्ता, झारखंड या ग्रामीण महाराष्ट्र के स्थानीय मसलों के गंभीरता और महत्व को कैसे समझ सकता है?''

प्रतिउत्तर में मेहता ने कहा कि ''यह बंगाल की एक कहावत के समान है जिसका अनुवाद है माँ को मौसी की कहानी सुनाना। अक्सर इस मुद्दे को मैं रोटरी स्टाफ (इवांस्टन में) के सामने उठाता रहा हूं कि हमें इन मुद्दों का क्षेत्रीयकरण करने की आवश्यकता है। रो ई मुख्यालय में बैठा कोई व्यक्ति अर्जेंटीना, अफ्रीका, भारत या बांग्लादेश में साक्षरता कार्यक्रमों और इन जरूरतों को कैसे समझ सकता है? निश्चित ही इसका क्षेत्रीयकरण किया जाना चाहिए और संजय परमार और उनके सहयोगियों को और अधिक सशक्त बनाया जाना चाहिए। अगर ज़रुरत पड़े, तो उन्हें प्रशिक्षित भी किया जा सकता है; आखिरकार हमारे पास साक्षरता के विशेषज्ञ उपलब्ध हैं, विशेष रूप से रो ई मुख्यालय में एक विशेषज्ञ उपलब्ध है जो विभिन्न क्षेत्रों की साक्षरता सम्बंधित समस्याओं को समझता है। लेकिन ऐसे व्यक्ति क्षेत्रीय कार्यालय में भी होने चाहियें; इसके लिए पहले से प्रयास हो रहे हैं और मुझे विश्वास है कि यह शीघ्र ही हो जाएगा।''

हॉल में उपस्थित रोटरी नेताओं को मेहता ने सलाह दी कि वे जीजी से संबंधित प्रश्नों के सम्बन्ध में संशय और चिंता न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ''और इसमें रूचि लेने के कई वर्षों, तीन साल पहले मैं GG के लिए एक संपर्क व्यक्ति बना था और मैंने बहुत सी नई चीजें सीखीआप को लग सकता है कि उनके प्रश्न प्रासंगिक नहीं हैं, अनावश्यक हैं, लेकिन ये इसलिए क्योंकि आप उस प्रश्न के प्रभाव को नहीं समझते हैं।''

वाहनवती ने बताया कि सीएसआर फंड के साथ क्षेत्रीयकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। RISAO के अधिकारीयों द्वारा किए गए प्रयासों को धन्यवाद है, ''आज सीएसआर अनुदान, विशेषकर भारत में, दक्षिण एशिया कार्यालय द्वारा पुनरीक्षित और मान्य हैं। परमार और उनके दो सहयोगी अब सीएसआर अनुदान को बहुत प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करते हैं।हम इस एक बात को भली भांति समझ लें कि उनके द्वारा उठाये गए प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।''

मैंने कई अफ्रीकी राष्ट्रों को वचन दिया है कि हम देने के लिए तैयार हैं, अब वो हमें बताएँगे कि उन्हें क्या चाहिए।

रो ई अध्यक्ष **शेखर मेहता**

वाहनवती ने कहा कि चूंकि वह प्रबंधन सम्बंधित मामलों में शामिल थे, ''मैं शेखर और भरत से पूरी तरह सहमत हूं कि जो पैसा आपको दिया जाता है ... कभी-कभी 100,000 डॉलर, सिर्फ आपके हस्ताक्षर पर, केवल इसलिए कि आप एक रोटेरियन हैं और वे आप पर भरोसा करते हैं। इसलिए, पूछे गए प्रश्न महत्वपूर्ण हैं, अनुदान की स्वीकृति से पहले ही नहीं बल्कि हमें सुनिश्चित यह भी करना होगा कि अनुदान का उपयोग रोटरी प्रबंधन की उच्चतम कोटि की स्वस्थ परंपराओं के अनुसार केवल परियोजना के लिए ही किया जाए।''

कोटबागी के अगले प्रश्न व्हिसलब्लोइंग पर था राजनीति की वजह से, जो गलत नहीं हैं उन्हें भी इसका खामियाज़ा उठाना पड़ता है, पांड्या ने कहा, सबसे पहले, अनुदान राशि का दुरूपयोग बिलकुल बर्दाश्त नहीं होगा और इसके लिए हमें शून्य सहनशीलता सुनिश्चित करनी पड़ेगी ... जिस उद्देश्य के लिए राशि दी गई है उसके अन्यत्र अन्य कार्यों में उस राशि का उपयोग बिलकुल नहीं होगा। हालांकि इस में काफी सुधार हुआ था, आइए हम निश्चित करें कि पांच प्रतिशत गलत काम भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि व्हिसलब्लोइंग पर और क्लबों में कुछ व्यक्तियों के पीड़ित होने को, एक ही तरह से नहीं ले सकते। ''लेकिन अगर मंडल या क्षेत्र का नेतृत्व तकलीफ में है क्योंकि बेवज़ह या गलत तरीकों से आवाज़ उठाई गई है तो ज़रूर हमें ठीक से जांच पड़ताल करनी होगी ताकि उस व्यक्ति के साथ अन्याय न हो।''

इसके साथ ही, वाहनवती ने कहा, ''जब कोई व्हिसलब्लोअर शिकायत भेजता है, तो स्वचालित रूप से यूँ ही उसे उस पर कार्यवाही नहीं की जाती। पहले इसे प्रबंधन अधिकारी के पास भेजा जाता है, शिकायत का सत्यापन करने के लिए वे खातों और दस्तवेजों की जांच करते हैं। अगर उन्हें लगता है कि इसमें ज़रा भी सच्चाई मिलती है, तो वे इस के लिए एक कैडर की नियुक्ति करते हैं। इसलिए, अगर किसी को लगता है की उसे परेशान किया जा रहा है तो यह तभी संभव है जब उसका औचित्य हो, अन्यथा लोगों का हम पर से विश्वास उठ जाएगा।''

भारतीय क्लबों द्वारा टीआरएफ में प्रति व्यक्ति अनुदान बढ़ाने के प्रश्न का उत्तर देते हुए पांड्या ने कहा, ''सबसे पहले, हमें ग्रांट को लोगों से प्राप्त होने वाले अनुदान से पृथक कर देना चाहिए। लोगों से हमें यह नहीं कहना चाहिए कि क्योंकि हमें इतना अधिक मिल रहा है इसलिए हमें और अधिक देना चाहिए। और इस साल चूँकि शेखर रो ई के अध्यक्ष हैं, इसलिए यह साल हमारे लिए दान देना आरम्भ करने का साल है, इसलिए नहीं क्योंकि हमें इतना अधिक मिल रहा है बल्कि इसलिए कि दान देना हमारा दायित्व और कर्तव्य दोनों है।''

''साथ ही, वार्षिक कोष में देना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अगर वह खाली हो गया तो मुझे नहीं लगता कि दुनिया के हमारे हिस्से में जो काम हो रहा है वह जारी नहीं रह पायेगा।''

वाहनवती ने आगे कहा, ''हाँ, पिछले साल एक परिवर्तन ज़रूर हुआ है; हमने उस फंड में 800,000 डॉलर एकत्रित किये थे। मुझे लगता है कि हमें इसके महत्व का अहसास हो रहा है, लेकिन हमें इस बात पर जोर देना होगा कि वार्षिक कोष में अंशदान ज़रूरी है।''

मेहता ने पुनः दोहराया कि इस वर्ष के दौरान, भारत के क्लब, ग्लोबल ग्रांट का 10 प्रतिशत भारत से बाहर के देशों में करेंगे। ''मैंने कई अफ्रीकी राष्ट्रों को वचन दिया है कि हम देने के लिए तैयार हैं, अब वो हमें बताएँगे कि उन्हें क्या चाहिए।'' ■

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

चंडीगढ़ में एलएन4 कैंप

एक युवा लड़के को LN-4 हाथ से सुसज्जित किया जा रहा है।

रोटरी क्लब चंडीगढ़ सेंट्रल, रो ई मंडल 3070 ने अपनी परियोजना ''एक हाथ आशा का'' के अंतर्गत, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय शिविर में 1,340 लाभार्थियों के लिए एलएन-4 कृत्रिम हथियार लगाए।

तिरुपुर में कोविड आईसीयू

रोटरी तिरुपुर वेस्ट कोविड ICU के उद्घाटन समारोह में DG के षणमुगसुंदरम के साथ क्लब अध्यक्ष एल नागराज।

रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट, रो ई मंडल 3203 ने 'पल्लडम सरकारी अस्पताल', तिरुपुर में एक कोविड आईसीयू की स्थापना की। ₹32.71 लाख की वैश्विक अनुदान परियोजना का उद्घाटन डीजी के षणमुगसुंदरम ने डीजीएन डॉ एस सुंदरराजन, पीडीजी ए कार्तिकेयन और क्लब अध्यक्ष एल नागराज की उपस्थिति में किया।

पॉलीक्लिनिक के लिए नवजात-देखभाल उपकरण

चिकित्सा उपकरणों के उद्घाटन के अवसर पर PDG ई के सगधवन, DG के सुंदरलिंगम, क्लब अध्यक्ष पीएल येगप्पन, AG डॉ राजेश, परियोजना अध्यक्ष वसंत और क्लब सचिव ए उदयप्पन।

रोटरी क्लब सलेम गैलेक्सी, रो ई मंडल 2982 ने 'सेलम पॉली क्लिनिक' को ₹11.5 लाख का चिकित्सा उपकरण प्रदान किया। यह मशीन, वेंटिलेटर में रखे गए, समय से पहले पैदा हुए शिशुओं को को थर्मल स्थिरता प्रदान करने में मदद करती है।

वस्त्र दान अभियान

आदिवासी महिला को कपड़े बांटे जा रहे हैं।

रोटरी क्लब विशाखापट्टनम, रो ई मंडल 3020 के सदस्यों ने आम जनता की मदद से एक महीने में कपड़े, सर्दियों के गर्म-कपड़े और चादरें एकत्र कीं और शहर के पास एक आदिवासी क्षेत्र पडेरू में 500 लोगों को वितरित किया।

Rotary PEOPLE OF ACTION

अमरावती के क्लब शानदार सेवा करते है

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी ईश्वरीय काम कर रही है और रोटेरियनों के पास दूसरों की ज़िंदगियों से जुड़ने और उन्हें परिवर्तित करने की शक्ति है जो एक बहुत बड़ा उपहार है। रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने अमरावती में रो ई मंडल 3030 के सदस्यता लक्ष्यों को पार करने वाले क्लबों एवं TRF दानकर्ताओं को सम्मानित करने हेतु आयोजित किए गए एक कार्यक्रम में कहा, ''तो आइए कुछ बड़ा करने और ज़िंदगियों को बदलने के लिए एक साथ आएं।''

अमरावती के सभी चार क्लबों द्वारा की जा रही स्वास्थ्य परियोजनाओं, ज्यादातर स्थायी परियोजनाओं और सामुदायिक पहलों, से चकित होकर उन्होंने क्लब अध्यक्षों और सचिवों से आग्रह किया कि वे ''बाकी बचें रोटरी वर्ष का सर्वोत्तम उपयोग करें'' क्योंकि यह जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है। DG रमेश मेहर बहुत अच्छा काम कर रहे थे और उनके बाद DGE आनंद झुनझुनवाला और DGN आशा वेणुगोपाल आएंगे इसलिए 'खुशी' मनाने और 'आशा' रखने के लिए बहुत सी चीजें है।

उन्होंने कहा, ''केवल 5-7 लाख की आबादी वाले इस छोटे से शहर अमरावती में PDG किशोर केड़िया और मेहर के नेतृत्व में कुछ सबसे उत्कृष्ट परियोजनाएं की गई है।'' रोटरी में अपने शुरुआती दिनों और जिस तरह से इसने उन्हें बदल दिया, को याद करते हुए मेहता ने दो विपरीत दुनियाओं का आत्मविश्लेषण करने का आह्वान किया। इन दो दुनियाओं में एक वो है जिसके पास सब कुछ है और दूसरे वो जिनके पास कुछ नहीं। ''हमें वंचितों के दर्द को समझना होगा और इसे कम करने का प्रयास करना होगा। रोटरी की खूबी यह है कि यह अपाहिज को चलने, नेत्रहीन को देखने और बीमारों को ठीक करके दुनिया को रहने लायक एक बेहतर जगह बनाने हेतु एक मंच प्रदान करती है।''

रक्तदान वैन के उद्घाटन समारोह में रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता (बाएं से) शारदा, DG रमेश मेहर, रोटरी क्लब अमरावती मिडटाउन के पूर्व अध्यक्ष विनायक कूडू, अध्यक्ष आनंद दशपुते, PDG किशोर केडिया और PDG महेश मोकलकरके अवसर पर।

क्लब के अध्यक्षों ने बाकि बचे वर्ष के लिए अपने कार्य तय कर लिए है। उन्होंने कहा, ''मैंने रोटरी में कई शीर्ष पदों पर काम किया है लेकिन मुझे अपने क्लब के अध्यक्ष के रूप में काम करके सबसे ज्यादा मजा आया क्योंकि आपके पास करने के लिए बहुत काम होता है।'' उनके जुड़वां मंत्र - *आगे बढ़ो, अधिक करो;* और *हर एक, लाए एक* - रोटरी को अपनी सदस्यता को 1.3 मिलियन तक बढ़ाने में सक्षम बनाएगा जिसमें हमारे जोन पर्याप्त योगदान देंगे।

अपने संबोधन में, DG मेहर ने मेहता को आश्वासन दिया कि उनका मंडल 30 जून, 2022 तक 1,000 नए सदस्यों को शामिल करने के लक्ष्य को पार कर जाएगा। ''हम चाहते है कि सभी 96 क्लबों (रो ई मंडल 3030 के) में से प्रत्येक क्लब 30 से अधिक नए सदस्यों, जिसमें नौ महिलाएं हो, को जोड़कर गोल्ड पिन प्राप्त करें।'' वीरांगना परियोजना के तहत मंडल एक लाख लड़कियों को आत्मरक्षा तकनीक का प्रशिक्षण देगा।

TRF दानकर्ता

पाच गोल्ड पिन PDG राजीव शर्मा और रश्मि, रो ई मंडल 3030, से नव-नियुक्त प्रथम -घड

दंपत्ति; DGN आशा वेणुगोपाल को उनके अक्षय निधि योगदान (25,000 डॉलर) के लिए; PDG किशाभाऊ गोडबोले (अक्षय निधि); AG राजेंद्र पवार और हेमलता (मुख्य दानकर्ता); और पूर्व अध्यक्ष उदयराज पटवर्धन और रेखा (मियादी उपहार: 30,000 डॉलर) को लगाए गए।

पॉल हैरिस सोसाइटी के अध्यक्ष अनिरुद्ध पालदीवाल को झक्ह की सदस्यता को 19 से

मैंने रोटरी में कई शीर्ष पदों पर काम किया है लेकिन मुझे अपने क्लब के अध्यक्ष के रूप में काम करके सबसे ज्यादा मजा आया क्योंकि आपके पास करने के लिए बहुत काम होता है।

रो ई अध्यक्ष, **शेखर मेहता**

रो ई मंडल 3030 की ओर से एक मानसिक स्वास्थ्य पहल

महाराष्ट्र के इस विदर्भ क्षेत्र में युवा शक्ति सबसे आगे है क्योंकि रोटरीस डिस्ट्रिक्ट एक्शन ग्रुप ऑन मेंटल हेल्थ इनिशिएटिव्स (DAGMHI) 500 सदस्यों और 11 निदेशक मंडल के साथ वेबिनार आयोजित करते हुए उन छात्रों, रोटरेक्टरों, वयस्कों और गैर-रोटेरियनों को ऑनलाइन परामर्श दे रहा है जो अवसाद और चिंता विकारों से ग्रसित है। ''हम अनेक ऑनलाइन सत्रों और कार्यशालाओं के साथ अखिल भारतीय स्तर पर काम करते है। हालांकि यह समूह 2015 में शुरू किया गया था, लेकिन हम रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसिटी की हमारी अध्यक्ष डॉ आभा पिंपरिकर और रोटरी क्लब नागपुर की सलाहकार डॉ रीता अग्रवाल के प्रयासों की वजह से जुलाई 2021 से सक्रिय हो पाए है,'' DAGMHI के कार्यकारी निदेशक पंकज अग्रवाल कहते है।

उनकी प्राथमिकताओं में से एक उचित परामर्श और सामयिक हस्तक्षेप के माध्यम से बाल स्वास्थ्य की देखभाल करना है। ''हमने 50 से अधिक वेबिनार, ऑनलाइन कार्यक्रम किए है जो तनावग्रस्त परिवारों और परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के सामान्य कल्याण हेतु परामर्श प्रदान करते है,'' वह समझाते है। DAGMHI अपने ऑनलाइन प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के लिए एक मनोवैज्ञानिक या एक विशेषज्ञ परामर्शदाता को आमंत्रित करता है। अब तक यह RAG पूरे भारत में 2,000 लाभार्थियों तक पहुँचा है। 15 वर्षों से एक रोटेरियन और रोटरी क्लब अचलपुर के IPP, अग्रवाल कहते है, ''आने वाले वर्षों में हम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे भारत में अपनी पहुँच का विस्तार करेंगे।''

मोबाइल दंत चिकित्सा क्लिनिक में रो ई अध्यक्ष मेहता के साथ (बाएं से) रोटेरियन गण गौरव वानखेड़े, आशीष हरकुट, रोटरी क्लब अमरावती अंबानगरी के अध्यक्ष संकेत मोहटा, रोटेरियन डॉ समीर केडिया, परियोजना प्रभारी सुरेश मेथी।

बढ़ाकर 39 करने हेतु सम्मानित किया गया; रोटरी क्लब नासिक के रोटेरियन रवि महादेवकर को दो उछ्ठ परियोजनाएं - एक सिंगर कंपनी के साथ सिलाई में ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देने के लिए; और दूसरा नेस्ले के साथ मानव दूध प्रतिबंध की एक अखिल भारतीय शुरुआत करने हेतु सम्मानित किया गया। एक 100 प्रतिशत PHF क्लब, रोटरी क्लब गांधीसिटी वर्धा और एक EREY क्लब, रोटरी क्लब नासिक सिटी को सम्मानित किया गया। DRFC और PDG महेश मोकलकर ने कहा कि मंडल TRF को देने के अपने 500,000 डॉलर के लक्ष्य को पूरा करेगा, जिसमें से आधा वार्षिक कोष में जाएगा।

सदस्यता अभियान

तीन क्लबों - रोटरी क्लब नासिक, रोटरी क्लब नागपुर ईशान्या, रोटरी क्लब नागपुर साउथ - को 30 से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने के लिए गोल्ड पिन प्राप्त हुई; चार नए क्लबों का गठन किया गया और छह क्लब प्रक्रियाधीन है। मंडल में 500 नए सदस्य शामिल हुए। DMC राजेश व्यवहारे ने कहा, हम 100 प्रतिशत अवरोधन पर ध्यान केंद्रित कर रहे है; हमारी सदस्यता 4,720 से बढ़कर 5,215 हो गई है। DG मेहर ने कहा कि रो ई अध्यक्ष के जन्मदिवस को चिह्नित करने के लिए पूरे मंडल में 15 दिनों के लिए 175 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए जिसमें क्लबों ने 3030 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया।

भव्य परियोजनाएं

रोटरी क्लब अमरावती मिडटाउन की एक परियोजना रक्तदान वैन (वैश्विक अनुदान: ₹32 लाख) का उद्घाटन मेहता ने किया। यह शहर और उसके आसपास के दानकर्ताओं के घर जाकर रक्त एकत्रित करेगी। मेहता ने डॉ पंजाबराव देशमुख मेमोरियल मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी दौरा किया जिसके साथ साझेदारी में क्लब अमरावती में स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाएं करते है।

मार्च 2016 में स्थापित मानव दुग्ध बैंक (वैश्विक अनुदान: ₹12 लाख) और इनक्यूबेटर वार्ड (वैश्विक अनुदान: ₹10 लाख) नवजात शिशुओं की देखभाल करता है। रोटरी क्लब अमरावती मिडटाउन के परियोजना प्रभारी डॉ राजेश बूब ने कहा, ''जहाँ दुग्ध बैंक 7,500 शिशुओं तक पहुंच गया है, वहीं NICU वार्ड ने 5,000 से अधिक बच्चों की सेवा की है। स्तनपान कराने वाली माताओं द्वारा दान किए गए अतिरिक्त दूध को छह महीने तक शीत संग्रहण में रखा जाएगा ताकि उन माताओं की मदद की जा सके जो अपने बच्चों का भरण-पोषण नहीं कर सकती।''

रोटरी क्लब अमरावती मिडटाउन द्वारा स्थापित श्मशान घाट का दौरा करते हुए रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और PDG किशोर केडिया (दाएं) के साथ (बाएं से) रोटेरियन गण आनंदीलाल डागा, पाली अरोड़ा, आर बी अटल और परियोजना प्रभारी राजू मुंधड़ा।

हालांकि नवंबर में स्थापित किया गया यह 20 बिस्तरों वाला उपशामक देखभाल केंद्र (₹30 लाख: सदस्य दान) दिसंबर के अंत तक कार्यरत हो जाएगा, उन्होंने कहा। मिडटाउन क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजू मुंधडा ने कहा, इसमें लाइलाज बीमारी, कैंसर के मरीज आदि लोगों को भर्ती रखा जाएगा। मैमोग्राफी बस (₹1 करोड़: क्लब निधीयन) द्वारा हर महीने लगभग 2,000 महिलाओं की सर्वाइकल और स्तन कैंसर के लिए जांच की जा रही है, जनवरी 2018 से 1 प्रतिशत की पहचान दर के साथ 20 महिलाओं की जांच सकारात्मक आई है। रोटरी क्लब अमरावती अंबानगरी द्वारा एक उच्च तकनीक वाली नेत्र

रो ई अध्यक्ष मेहता ने PDG केडिया और DG रमेश मेहर की उपस्थिति में नवनियुक्त AKS दंपत्ति PDG राजीव शर्मा और पत्नी रश्मि को सम्मानित किया।

जांच और दंत चिकित्सा क्लिनिक वैन चलाई जा रही है जिससे ग्रामीणों को अत्यधिक लाभ प्राप्त होता है।

मुंधड़ा ने कहा कि रोटरी डायलिसिस केंद्र - मार्च 2020 से क्लब निधियन के माध्यम से ₹30 लाख की लागत से स्थापित की गई तीन मशीनें - में किए जा रहे प्रत्येक डायलिसिस के लिए किडनी केयर सेंटर में "हमारा क्लब ₹700 और मरीज केवल ₹400 का भुगतान करता है। रोटरी हॉल में एक बढ़िया संग्रहण वाली ऑर्थोपेडिक लाइब्रेरी (₹10 लाख) जरूरतमंद मरीजों को 15 साल से अधिक समय से मेडिकल बेड, ऑक्सी कॉन्सेंट्रेटर, व्हीलचेयर आदि उधार दे रही है," उन्होंने कहा।

गैस शवदाहगृह

2014 में हिंदू श्मशान संस्थान के साथ साझेदारी में 1.5 करोड़ की लागत से एक गैस संचालित श्मशान घाट बनाया गया। कोविड के चरम समय पर दाह संस्कार के लिए दोनों तरफ शव रखे हुए थे और हमारे द्वारा इस इकाई को 24x7 चलाए जाने पर भी

कोविड के चरम समय पर दाह संस्कार के लिए दोनों तरफ शव रखे हुए थे और हमारे द्वारा इस इकाई को 24x7 चलाए जाने पर भी प्रतीक्षा अवधि 7-8 घंटे की थी। यह एक बुरे सपने जैसा था

प्रतीक्षा अवधि 7-8 घंटे की थी। यह एक बुरे सपने जैसा था," AG डॉ पी आर सोमवांची ने याद किया। बडेरना रेलवे स्टेशन पर एक RO इकाई (₹8 लाख) यात्रियों को पीने का पानी उपलब्ध करवाती है।

आगामी परियोजनाएं

दूरदराज के गांवों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए, "हम आगामी महीनों में आदिवासी बस्तियों और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 1,000 लोगों के लिए चार विशाल शिविर आयोजित करेंगे। इन शिविरों में सामान्य स्वास्थ्य और स्वच्छता प्राथमिकता होगी, रोटरी क्लब अमरावती मिडटाउन के अध्यक्ष आनंद दशपुते ने कहा। वह अमरावती जिले के धरणी तालुक के मेलघाट क्षेत्र के 300 गांवों की 2,000 गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक भोजन की राशन किटें प्रदान करने के लिए ISKCON, जिला कलेक्टर कार्यालय और RSS के साथ मिलकर काम कर रहे है।

धरणी तालुक के लगभग 100 छात्रों को 118 सदस्यों वाले अमरावती के सबसे बड़े क्लब, मिडटाउन क्लब, द्वारा स्कूली नोटबुक सहित स्वेटर और स्टेशनरी का सामान दिया जाएगा। नागपुर एन्क्लेव, रो ई मंडल 3030, के अध्यक्ष किशोर राठी ने कहा, "नागपुर में 1700 रोटेरियनों के साथ 16 क्लब मौजूद है, सीमित संसाधनों के साथ 300 अमरावती रोटेरियन समुदायों तक पहुंचकर एक उत्कृष्ट कार्य कर रहे है।"

चित्रः वी मुत्तुकुमारन

कैलिफोर्निया में एक मुलाक़ात

टीम रोटरी न्यूज़

बाएं से: रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, लायंस इंटरनेशनल प्रेसिडेंट डगलस अलेक्जेंडर, ऑपटिमिस्ट अंतर्राष्ट्रीय की अध्यक्ष पेटसी गार्नर और किवानिस अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष पीटर मैनकुसो।

चार सेवा संगठनों - रोटरी इंटरनेशनल, लायंस, ऑप्टिमिस्ट और किवानिस के नेता - एक स्थानीय रोटरी क्लब और 'रोज़ डे परेड कमेटी' द्वारा आयोजित एक बैठक में कैलिफोर्निया के पासाडेना में एक साथ आए।

इससे पहले रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशी ने 1 जनवरी को शहर में आयोजित 133 वें गुलाब परेड में रोटरी फ्लोट का नेतृत्व किया। रॉयस एसोसिएशन के गैर-लाभकारी पासाडेना टूर्नामेंट द्वारा निर्मित वार्षिक परेड, आमतौर पर नए साल के दिन आयोजित किया जाता है और हजारों दर्शकों द्वारा देखा जाता है। ■

मैंग्रोव वृक्षारोपण और अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान

जयश्री

“हम भारत में 3 करोड़ मैंग्रोव वृक्षारोपण करेंगे,” महाब्स 21 ज़ोन संस्थान में रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने मीनाक्षी वेंकटरमन, अध्यक्ष, ESRAG (एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी रोटरी एक्शन ग्रुप) – दक्षिण एशिया अध्याय के एक सुझाव के जवाब में कहा। उन्होंने कहा, “पिछले 50 वर्षों में दुनिया के 50 प्रतिशत मैंग्रोव वन गायब हो गए हैं,” उन्होंने कहा, मैंग्रोव वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में विशेष रूप से कुशल हैं। वे नीले कार्बन पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण प्रजातियों के घर हैं और तटीय क्षरण (कटाव) को रोकने में मदद करते हैं।

मीनाक्षी और मृदुला रमेश, संस्थापक, ‘सुंदरम क्लाइमेट इंस्टीट्यूट’ ने पर्यावरण स्थिरता पर एक पूर्ण सत्र प्रस्तुत किया, जिसे रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने एंकर किया था। उन्होंने पीआरआईडी सुशील गुप्ता को जल परियोजनाओं के प्रति उनके जुनून, जल स्तर को ऊपर उठाने, चेक डैम के निर्माण, शुष्क राजस्थान में कुओं और नहरों की सफाई के लिए याद किया।

मीनाक्षी ने पिछले नवंबर में ग्लासगो में आयोजित ‘COP26 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन’ में अध्यक्ष मेहता के भाषण को याद किया। उन्होंने ठीक ही घोषणा की थी कि मैंग्रोव की बहाली रोटरी के पर्यावरणीय फोकस के प्रमुख थ्रेड्स में से एक होगी। उन्होंने कहा था कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव समुद्र का बढ़ता हुआ स्तर, बवंडर और चक्रवात हैं और उष्णकटिबंधीय तटीय समुदायों में इनमें से सबसे अच्छे और पहले रक्षक मैंग्रोव हैं।”

उन्होंने बताया कि भारत में मैंग्रोव वनों का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा हैं। वे सुंदरबन (पश्चिम बंगाल), भितरकनिका (ओडिशा) और कच्छ की खाड़ी (गुजरात) में अधिक महत्वपूर्ण हैं। “हमें अपने मैंग्रोव को युद्ध स्तर पर बहाल करना चाहिए, और प्रत्येक क्षेत्र में कम से कम एक करोड़ मैंग्रोव प्रजातियां लगानी चाहिए। हम मियावाकी वन उगाते रहे हैं। लेकिन इन वनों से किसी भी कार्बन पृथक्करण को देखने में 40 साल लग जाते हैं। मैंग्रोव को बहाल करने से तीन साल में परिणाम मिलेगा।”

मैंग्रोव पौधों को सावधानीपूर्वक पोषित करने में छह साल लगते हैं जिसके बाद उन्हें मुहाना में दोबारा लगाया जा सकता है। “तो हमें इतने वर्षों की प्रतिबद्धता के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन

RID महेश कोटबागी, ESRAG (दक्षिण एशिया) अध्यक्ष मीनाक्षी वेंकटरामन और मृदुला रमेश, संस्थापक, सुंदरम जलवायु संस्थान।

जयश्री

प्रथम वर्ष में जीवित रहने की दर 40 प्रतिशत से कम है,'' उन्होंने चेतावनी दी।

क्लबों में परियोजनाओं की निरंतरता के निर्माण पर एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा, ''जिस तरह जिलों में टीआरएफ अध्यक्ष के लिए आपके पास तीन साल का कार्यकाल है, वैसे ही हर जिले में तीन साल की अवधि के लिए एक पर्यावरण कुर्सी होनी चाहिए।''

दिल्ली में रिचार्जेबल बैटरी पर चलने वाले ईएम वाहनों की सबसे अधिक संख्या के साथ, मीनाक्षी ने सिफारिश की कि रोटरी क्लब रणनीतिक स्थानों पर सौर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करें, जो आपकी सार्वजनिक छवि को भी बढ़ायेंगे। उन्होंने रोटेरियन से जो उपदेश दिया है उसका अभ्यास करने का आग्रह करते हुए कहा, ''यदि आप अपने पड़ोसी गांव में सौर ऊर्जा प्रदान करने में प्रसन्न हैं, तो इसके लिए ज़रूर करें। लेकिन पहले एक को अपने घर पर तो रखें।''

उन्होंने जंगलों में लैंटाना झाड़ियों की जंगली वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित किया। शहरों में रहने वाले लोगों के लिए ये हमारे यार्ड में उगने वाले शानदार दिखने वाले पौधे हैं, लेकिन ये हमारे जंगलों का संकट हैं। उन्होंने कहा कि इस आक्रमण ने जंगली जड़ी-बूटियों के लिए देशी चारा पौधों की वृद्धि को प्रभावित किया है।

अपशिष्ट प्रबंधन

हम जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव को उलट नहीं सकते हैं, लेकिन कम से कम इसे कुछ हद तक रोकने के लिए खुद को अनुकूलित कर सकते हैं। मृदुला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और कचरे के बीच महत्वपूर्ण कड़ी को समझकर इसे हासिल किया जा सकता है, उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की प्रतीक्षा करने के बजाय अपना काम करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि कैसे उनका घर पानी के सबसे बुरे संकटों में से एक से बच गया। ''2017 में मदुरै ने 140 वर्षों में सबसे खराब सूखा देखा और हम पानी नहीं खरीदने वाले एकमात्र घर थे। लेकिन इससे पहले जब 2013 में हमारा बोरवेल सूख गया था, तो हमें निजी टैंकरों से पानी खरीदने के लिए बहुत पैसा खर्च करना पड़ा था। तब मुझे एहसास हुआ कि यह व्यक्तिगत कार्रवाई का समय है। तभी आप खोज करना, काम करना शुरू करते हैं और स्वतंत्र और लचीला बन जाते हैं।''

'शून्य-कचरा अवधारणा की पैरोकार,' उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घर और कारखाने में अपशिष्ट (कचरा) उत्पादन को कम किया। ''हमें केवल यह दिखावा करने की ज़रूरत है कि हमारे पास कचरा सेवा नहीं है और फिर देखें कि हमारी पसंद और जीवन शैली कैसे बदलती है!''

लैंडफिल में भेजे जाने वाले अधिकांश रसोई और बगीचे के कचरे को ऊर्जा स्रोत या उर्वरक में बदल दिया जा सकता है। ''अपने समुदाय में अपशिष्ट पृथक्करण (कचरा अलग करने) की वकालत करें। अपने गीले कचरे के प्रबंधन से हमें महीने में एक बायोगैस का एक सिलेंडर मिलता है।''

पर्यावरण परियोजनाओं को करने के लिए उनका मंत्र: डेटा पर काम करें, अधिनियम और परियोजना के टिकाऊ होने के लिए आसान अवधारणाओं को डिजाइन करें। ''समुदाय के वास्ते मूल्य लाने के लिए अपनी परियोजना को परिवर्तित करें और लोग इसका पोषण करेंगे,'' उन्होंने कहा। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल

टीम रोटरी न्यूज़

पिछले 18 वर्षों से, रोटरी क्लब शंकरपुरा, रो ई मंडल 3182, कर्नाटक में उडुपी के एक छोटे से गांव शंकरपुरा में हर महीने नियमित रूप से मनोरोग चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर रहा है। जब हमने 2004 में कैंप शुरू किया था, तब हमने 20 मरीजों का इलाज किया था। आज हमें हर महीने लगभग 600 मरीज मिलते हैं, उनमें से कुछ आसपास के क्षेत्रों से भी आते हैं, मनोरोग शिविर क्लब के अध्यक्ष एडवर्ड मेंडोंका कहते हैं। हर महीने 30,000 रुपये की दवाएं वितरित की जाती हैं और उडुपी के मनोचिकित्सक डॉ पीवी भंडारी और मंगलुरु के डॉ श्रीनिवास भट, एक काउंसलर, तीन फार्मासिस्ट और एक नर्स की टीम के साथ शिविरों में मरीजों की देखभाल करते हैं।

यह एक चालू परियोजना है जिसमें कोई धन की कमी नहीं है। हमारे शुभचिंतकों और कुछ रोटेरियन ने अपने खाते के फिक्स्ड डिपाजिट में काफी राशि जमा कर दी है और ब्याज सीधे हमारे रोटरी ट्रस्ट खाते में भेज दिया जाता है। हम इन धन का उपयोग शिविरों को चलाने के लिए करते हैं, मेंडोंका कहते हैं। ■

‘महाब्स-21’
में मनोरंजन प्रचुर मात्रा में

किरण ज़ेहरा और जयश्री

आध्यात्मिक गुरुओं और मशहूर हस्तियों के साथ भव्य नृत्य प्रदर्शन, संगीतमय गायन और शक्ति-भरे सत्रों ने महाब 21 संस्थान को एक यादगार अवसर बना दिया। चेन्नई के ‘आत्मा फाउंडेशन कलाक्षेत्र’ के क्षात्रों ने विषयगत नृत्यों के साथ रोटेरियन का मनोरंजन किया। पारंपरिक पोशाक और शास्त्रीय नृत्य में उनके समूह प्रदर्शन ने सत्य, अहिंसा और शिक्षा जैसी चिरस्थायी अवधारणाओं की समृद्धि को चित्रित किया।

प्रसिद्ध संगीतकार और वीणा वादक राजेश वैद्य और उनके बैंड ने दर्शकों को बांधे रखा, क्योंकि उनकी जादुई उंगलियों ने रेट्रो, बॉलीवुड और क्रियात्मक तमिल गीतों से मधुर धुनें बनाईं। चाहे वह ब्लॉकबस्टर *रोजा* से एआर रहमान की मधुर धुन हो, या *पिया तू अब तो आजा, मेरे सपनों की रानी,* जैसे बॉलीवुड के हरे-भरे गाने हों। घाटम और तबला वादकों के बीच जुगलबंदी संगीत ने प्रतिनिधियों के पैर थिरकाए और तालियां बजवाईं।

एक सत्र को संबोधित करते हुए, आध्यात्मिक शिक्षक और आत्मयोग फाउंडेशन के संस्थापक आसानजी ने कहा, ‘‘आपके पास अपरिवर्तनीय को परिवर्तित करने की क्षमता है और यही वह शक्ति है जिसका आशीर्वाद भगवान ने आपको दिया है। उन्होंने बुद्धि को तेज करने के लिए नियमित ध्यान करने की सलाह दी।’’

लाइफस्टाइल कोच और मोटिवेशनल स्पीकर ‘गौर गोपाल दास’ ने चैरिटी के जरिए रोटेरियन्स की निस्वार्थ सेवा के लिए उनकी प्रशंसा की। हमारे समय का विरोधाभास यह है कि ‘‘जिनके पास सबसे अधिक है, वे अक्सर कम से कम संतुष्ट होते हैं,’’ उन्होंने कहा। ‘‘हमें तृप्ति की भावना तभी आती है, जब हम जीवन को बेहतरी के लिए बदल सकते हैं, उन्होंने बताया और रोटेरियन को सलाह दी कि वे यह न भूलें कि अच्छे मूल्य, परिवार और दोस्त सफलता की कुंजी हैं। सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हुए, पिछली यात्रा को मत भूलना। चाहे वह रिश्तों को मजबूत करने के बारे में हो, अपनी वास्तविक

संस्थान के अध्यक्ष एम मुरुगानंदम (बाएं) और पीडीजी ई के सगाधेवन (दाएं) की मौजूदगी में रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश एंड पोलियो बूथ पर पोलियो फ्लेम धारण करते हुए।

क्षमता की खोज करने के बारे में हो, या यह समझने के लिए कि काम पर कैसे अच्छा करना है या यहां तक कि दुनिया को कैसे वापस देना है। निःस्वार्थ रहें और आपसे जितना अपेक्षित है उससे अधिक करें, उन्होंने कहा।

नेतृत्व कोच प्रकाश अय्यर ने अपनी प्रस्तुति को घरेलू नेतृत्व के सबक जैसे कि चुस्त रहने, संकट के दौरान स्वामित्व लेने और टीम को श्रेय देने के लिए लघु-कथाओं के साथ जोड़ा। महान चीजें तब होती हैं, जब आप सभी छोटी चीजें सही करते हैं, उन्होंने कहा। अपनी जेब से एक टी-बैग निकालते हुए उन्होंने कहा, ''नेता टी-बैग्स की तरह होते हैं, उन्हें गर्म पानी (दबाव) में डाल दें और आपको पता चल जाएगा कि वे कितने मजबूत हैं। नेताओं को चुनौतियों से नहीं डरना चाहिए।''

रशीदा भगत

वीणा वादक राजेश वैद्य।

संस्थान के प्रतिनिधियों ने पोलियो उन्मूलन के लिए दोनों देशों के प्रयासों में पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के प्रति एकजुटता व्यक्त की। 'एंड पोलियो नाउ' चेयर, पीडीजी ई के सगादेवन ने संस्थान में एक विशेष 'एंड पोलियो बूथ' पर आगंतुकों से पोलियो लौ रखने और पोलियो मुक्त पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया ताकि दुनिया जल्द ही घातक वायरस से छुटकारा पा सके। ■

TRF की मदद से अच्छे कार्य

मदुरै के दो स्कूलों में बड़ा सुधार

टीम रोटरी न्यूज़

मदुरै के मेलूर तालुक में 'सरकारी कन्या उच्च माध्यमिक स्कूल' और 'सरकारी को-एड उच्च माध्यमिक स्कूल' को रोटरी क्लब मदुरै इनोवेटर्स, रो ई मंडल 3000 द्वारा कार्यान्वित 41 लाख रुपये की वैश्विक अनुदान परियोजना के माध्यम से एक मेगा फेसलिफ्ट दिया गया था।

एक स्कूल के उद्घाटन के अवसर पर डीजी आर जयक्कन (दाएं से पांचवे), तमिल नाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोली (डीजी के दाईं ओर), डीजीई आई जेराल्ड और डीजीएन आनंदता जोती।

कक्षाओं के नवीनीकरण, परिसर की दीवार, नए शौचालय ब्लॉकों के निर्माण और डिजिटल सुविधाओं की स्थापना के बाद, स्कूलों ने नए एडमिशन में 70 प्रतिशत की उछाल देखी है। फेसलिफ्ट के साथ, अधिक छात्रों को नामांकित किया गया है, जिससे आस-पास के गांवों के जीवन स्तर में सुधार करेगा, परियोजना-संपर्क रोटेरियन पी कुमारप्पन ने कहा।

उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में, तमिलनाडु के स्कूली शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा, जब लड़के अच्छी तरह से पढ़ते हैं, तो यह समाज के लिए एक वरदान है, जबकि अगर लड़कियां उत्कृष्ट हैं, तो यह पूरे समुदाय के लिए एक वरदान होगा।

क्लब ने रोटरी क्लब फ्रेशवाटर बे, रो ई मंडल 9455, ऑस्ट्रेलिया को स्कूल नवीकरण परियोजना के लिए अपने वैश्विक भागीदार के रूप में शामिल किया, जिसे नटराज ऑयल मिल्स के सीएसआर (CSR) फंडों और दानदाताओं, डॉ एन सेंथिल नाथन और डॉ जीएम भरत कुमार द्वारा समर्थित किया गया था। राज्य के वाणिज्यिक कर मंत्री पी मूर्ति, मदुरै के जिला कलेक्टर डॉ एस अनीश शेखर, डीजी डॉ आर जयक्कन, डीजीई आई जेराल्ड और डीजीएन आर आनंद जोथी ने स्कूलों के नवीनीकरण के लिए क्लब की सराहना की। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी उपहारों की मदद से उत्तराखंड में एक स्कूल दोबारा पटरी पर

किरण ज़ेहरा

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, संजय नगर, उत्तराखंड में छात्रों और कर्मचारियों के लिए यह एक सुखद आश्चर्य था जब रोटरी क्लब रूद्रपुर, रो ई मंडल 3110, ने उन्हें स्टेशनरी सामान, किताबें, फर्नीचर और स्कूल की अन्य आपूर्तियाँ उपहार में दी जो बाढ़ में बह गए थे क्योंकि बाढ़ से कक्षाएं और प्रशासनिक भवन जलमग्न हो गए थे। ''बाढ़ के दौरान स्कूल परिसर में पांच फीट तक पानी था। इसके परिणामस्वरूप रिकॉर्ड रूम, फर्नीचर और किताबों के संग्रह को अत्यधिक हानि पहुँची। जब हमें इस बारे में पता चला तो हमने छात्रों को उपहार देकर उन्हें चकित करने का फैसला किया जिससे उन्हें अपनी शैक्षणिक गतिविधियां फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी,'' क्लब अध्यक्ष विकास शर्मा कहते है।

कुछ दिनों बाद शर्मा और उनकी टीम को पता चला कि बारिश से इस स्कूल के 107 बच्चों के घरों में भी पानी भर गया था। बारिश की वजह से ''उन्होंने अपने स्कूल बैग, यूनिफ़ॉर्म और अध्ययन सामग्री खो दी। एक फटी हुई स्कूल यूनिफ़ॉर्म पहने हुए एक बच्चे की दुर्दशा को देखकर हमें महसूस हुआ कि इनमें से कई गरीब बच्चे अपनी यूनिफ़ॉर्म को घर पर भी पहनते है क्योंकि उनके पास कोई अन्य कपड़े नहीं है। उनका दुख और बढ़ गया था जब वे स्कूल नहीं जा पा रहे थे क्योंकि उनके पास किताबें नहीं थी और उनके माता-पिता स्कूल के आवश्यक सामान खरीदने में सक्षम नहीं थे।''

सामयिक, त्वरित कार्यवाही

एक हफ्ते से भी कम समय में क्लब के सदस्य ₹52,500 की लागत से नए स्कूल बैग, NCERT की नई पाठ्य पुस्तकें, नोटबुक, स्टेशनरी की आपूर्ति और खिलौने लेकर स्कूल पहुंच गए। क्लब के अध्यक्ष मुस्कुराते हुए कहते है, ''नई शैक्षिक

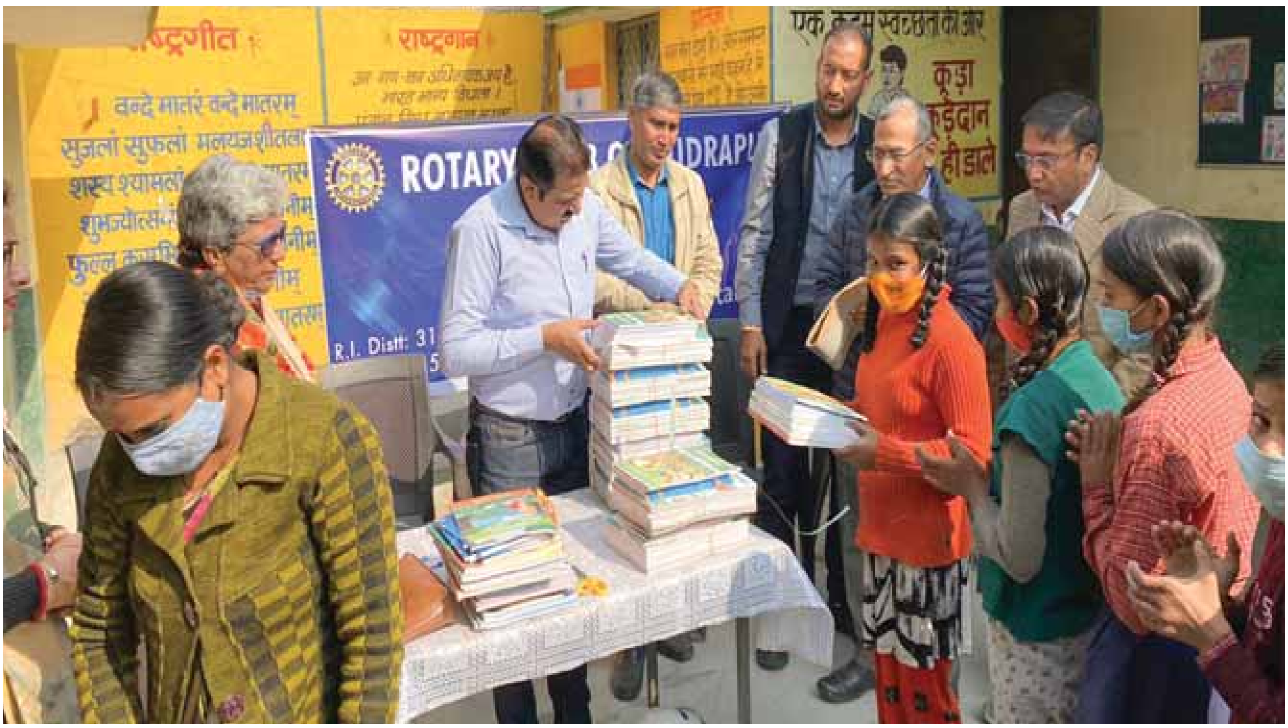

स्कूली बच्चों को पाठ्यपुस्तकें बांटी गयी।

किट मिलने पर छात्रों के चेहरे की मुस्कान और खुशी हमारे लिए सबसे संतोषजनक थी।''

स्कूल प्रबंधन और बच्चों को हुए नुकसान को याद करते हुए स्कूल की प्रिंसिपल चंचलेश कटारिया कहते है, ''लॉकडाउन के हटने के बाद बच्चों के स्कूल लौटेते ही बाढ़ ने उन्हें बुरी तरह प्रभावित किया। यद्यपि भरा हुआ पानी निकालकर परिसर को साफ कर दिया गया था, फिर भी हमें पटरी पर आने में कम से कम छह महीने लग जाते। लेकिन रोटेरियनों ने अपने उदार उपहारों से हमें चौंका दिया और हम इस आपदा से बहुत जल्दी उभर पाए।''

कक्षा 5 की छात्रा रश्मि खुशी से नाचते हुए कहती है, ''मैं और मेरी दोस्त एक ही पेंसिल साझा करते थे और शिक्षक द्वारा हमें दिए गए कागजों पर नोट्स बनाते थे। अब हमारे पास अपनी पेंसिलें है और पाठों का अनुसरण करना भी बहुत आसान हो जाएगा।''

रोटरी सहेली सेंटर में कुछ महिलाएं सिलाई का प्रशिक्षण सीखती हुयी।

ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण

रोटरी रूद्रपुर भवन में एक रोटरी सहेली केंद्र कौशल प्रवर्तन के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाता है। वर्तमान बैच में आसपास के गांवों की 30 महिलाओं को व्यावसायिक और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ''यह केंद्र आत्मनिर्भर हो गया है और जिन्होंने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, वे अपने गांवों की जरूरतमन्द महिलाओं को इस स्थान पर भेजती है। यह केंद्र उन्हें उपयुक्त प्रशिक्षण के माध्यम से नियमित आय अर्जित करने में मदद करता है,'' शर्मा कहते है। हाल ही में इस केंद्र ने यस बैंक के लिए 1,000 मास्क और एक स्थानीय राजनेता के लिए 5,000 मास्क का ऑर्डर पूरा किया, इस प्रक्रिया में प्रत्येक महिला को पांच दिनों की अवधि में ₹1,000 कमाने में मदद मिली।■

हिरियुर का एक छोटा क्लब बड़ी परियोजनाएं करता है

वी मुत्तुकुमारन

कर्नाटक के चित्रदुगरा जिले का एक छोटा शहर रोटरी गतिविधियों के एक केंद्र में तब्दील हो गया है और DG वी थिरुपति नायडू, रो ई मंडल 3160, की रोटरी क्लब हिरियूर के जरिए एक पार्क, थिएटर और सामुदायिक हॉल की स्थापना करने के साथ ही अपने लोगों, ज्यादातर किसानों, छोटे व्यापारियों और व्यवसायियों की मदद करने के लिए की गई सेवा परियोजनाओं हेतु प्रशंसा की गई।

अपने स्वर्ण जयंती वर्ष को चिह्नित करने के लिए, ''पहली बार हमने दो दिवसीय मंडल संगोष्ठी, *संभ्रामा* की मेजबानी की जिसमें 400 रोटेरियन शामिल हुए। हमने सदस्यता वृद्धि, साक्षरता और सार्वजनिक छवि निर्माण पर सत्र आयोजित किए जिसमें PDGगण रवि धोत्रे, राजेंद्र राय, दीपक शिकारपुर, मुनि गिरीश, श्री राम मूर्ति और चिन्नपा रेड्डी ने रोटरी के प्रमुख मुद्दों पर बात की, क्लब अध्यक्ष एच किरण कुमार कहते है। पिछले 50 वर्षों में हिरियूर तालुक के आसपास के गांवों में 600 से अधिक नेत्र और 300 स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए जिनके माध्यम से उन 45,000 लाभार्थियों तक पहुंचा गया जिनकी अस्पतालों या चिकित्सीय देखभाल तक पहुंच नहीं है, वह कहते है। हमने मोतियाबिंद के 10,000 ऑपरेशन किए है और हमारे स्वास्थ्य शिविरों में बीपी, शुगर, कैंसर और हृदय एवं गुर्दे की बीमारियों के लिए परीक्षण किए जाते है।''

प्रत्येक वर्ष 20-30 स्कूल और कॉलेज के छात्रों को एक स्मृति चिन्ह और नकद पुरस्कार (₹1,000-2,000) के साथ मेरिट पुरस्कार दिए जा रहे है। PUC (पूर्व-विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम) और कॉलेज के छात्रों के लिए वार्षिक युवा सेमिनार काफी लोकप्रिय है क्योंकि ''हम राष्ट्रीयता, अच्छी नागरिकता, करियर निर्माण और नेतृत्व कौशल पर दिलचस्प सत्र प्रदान करते है। अब तक हम हिरियूर में युवाओं के लिए ऐसे 30 कार्यक्रम आयोजित कर चुके है।'' वर्तमान में क्लब निधियन की मदद से पांच हैप्पी स्कूल संचालित किए जा रहे है; और ''हमने 6-7 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए है जिससे कम से कम 240 ट्यूटर लाभान्वित हुए है,'' कुमार कहते है।

रोटरी भवन

10,000 वर्ग फुट के निर्माण क्षेत्र वाली इस दो मंजिला भव्य इमारत के भूतल पर दो मीटिंग हॉल है और इसकी दूसरी मंजिल पर एक विशाल समारोह हॉल है जहाँ नियमित रूप से सामाजिक कार्यक्रम और सामुदायिक सभाएं आयोजित की जाती है। ''इस प्राथमिक भवन (₹30 लाख) का उद्घाटन 1997 में एच एस सुंदरराज के कार्यकाल में रोटेरियनों, दानकर्ताओं और शुभचिंतकों के उदार योगदान के साथ किया गया था। बाद में एम एस राघवेंद्र के नेतृत्व के दौरान हिरियूर विधायक पूर्णिमा श्रीनिवास द्वारा एक बड़ी राशि दान किए जाने पर

बाएं से: मंडल संगोष्ठी में PDG आर गोपीनाथ, DGN माणिक पवार, DG वी तिरुपति नायडू, DGE सतीश वोम्मिना, PDG राजेंद्र राय, क्लब अध्यक्ष किरण कुमार, RID 3190 DLCC गुरुनागेश, AG जी ए विश्वनाथ और इवेंट चेयर एच वेंकटेश। मंच के पास बाएं से : मंडल सचिव एम एस राघवेंद्र और क्लब सचिव ए राघवेंद्र।

एक खाद्य वितरण परियोजना में क्लब के सदस्य।

हमने 2018-19 में पहली मंजिल (₹20 लाख) खड़ी की,'' वह बताते है।

बड़ी सभाओं और सामुदायिक त्योहारों के लिए 1993 में एक खुला रंगमंच (₹13 लाख) बनाया गया जिसमें प्रमुख दानकर्ता सेतुराम ने अपने दिवंगत माता-पिता की याद में बड़ा योगदान दिया था। ''एक छोर पर बैठने की व्यवस्था एक खुले मैदान की ओर है और वहाँ से 2,000 से अधिक लोगों को धार्मिक त्योहारों या सामाजिक समारोहों के लिए इस स्थान पर इकट्ठा होते देखा जा सकता है।'' वह कहते है कि शहर के केंद्र में स्थित यह थिएटर हिरियुर के लोगों के लिए एक वरदान है क्योंकि यह विशेष अवसरों पर इकट्ठा होने और प्रदर्शन करने का एक सुविधाजनक स्थान है।

वेंकटरत्नम ने भवन के पास एक रोटरी पार्क प्रायोजित किया; जबकि एच वी श्रीनिवासन, दोनों रोटेरियनों ने बच्चों के पुस्तकालय के लिए दान दिया जिसे बाद में एक मीटिंग हॉल में परिवर्तित कर दिया गया। ''अगर कोविड संक्रमण में कमी आती है तो हम फरवरी में अपने मंडल RYLA का आयोजन करेंगे जिसमें हम PUC छात्रों को कैरियर परामर्श और नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। हमें इसमें कम से कम 50 युवाओं के भाग लेने की उम्मीद है।''

पहली वैश्विक अनुदान परियोजना

पहली बार क्लब अगले कुछ महीनों में सोलर स्ट्रीटलाइट और घरों में लैंप (₹30-40 लाख) लगाने की वैश्विक अनुदान परियोजना हेतु आवेदन कर रहा है। अगर अनुदान स्वीकृत होता है तो इससे हिरियुर तालुक के 2,000 से अधिक घरों एवं 20 गांवों को लाभ होगा। इसे स्वीकृत कराने के लिए DRFC और PDG के. मधुप्रसाद द्वारा हमारा मार्गदर्शन किया जा रहा है।

अपने 50वें वर्ष समारोह के अंतर्गत, क्लब हिरियूर के सामान्य अस्पताल में रोगियों और उनके परिचारकों को साल भर सप्ताह में दो दिन के लिए 300 पैकेट ताजा तैयार भोजन वितरित कर रहा है। ₹7 लाख की लागत वाली यह परियोजना एक पूर्व वार्ड पार्षद जी प्रेमकुमार द्वारा प्रायोजित की गई है। 35 पॉल हैरिस साथियों सहित 40 सदस्यों के साथ किरण कुमार 30 जून तक कम से कम आठ नए रोटेरियनों को शामिल करना चाहते है। ''हिरियूर एक बहुत छोटा शहर है और यह चुनौती बहुत बड़ी है। कोविड के चरम समय पर दो रोटेरियन इसके शिकार हुए और कुछ हमारे क्लब को छोड़कर चले गए जिसमें पहले 65 सदस्य थे,'' वह कहते है। DG नायडू का आभार व्यक्त करते हुए वह कहते है, ''हम अपनी सदस्यता बढ़ाने के लिए उनके द्वारा दिए गए सुझावों का पालन कर रहे है। उनका मार्गदर्शन हमें बड़ी परियोजनाएं शुरू करने में मदद करता है।'' ■

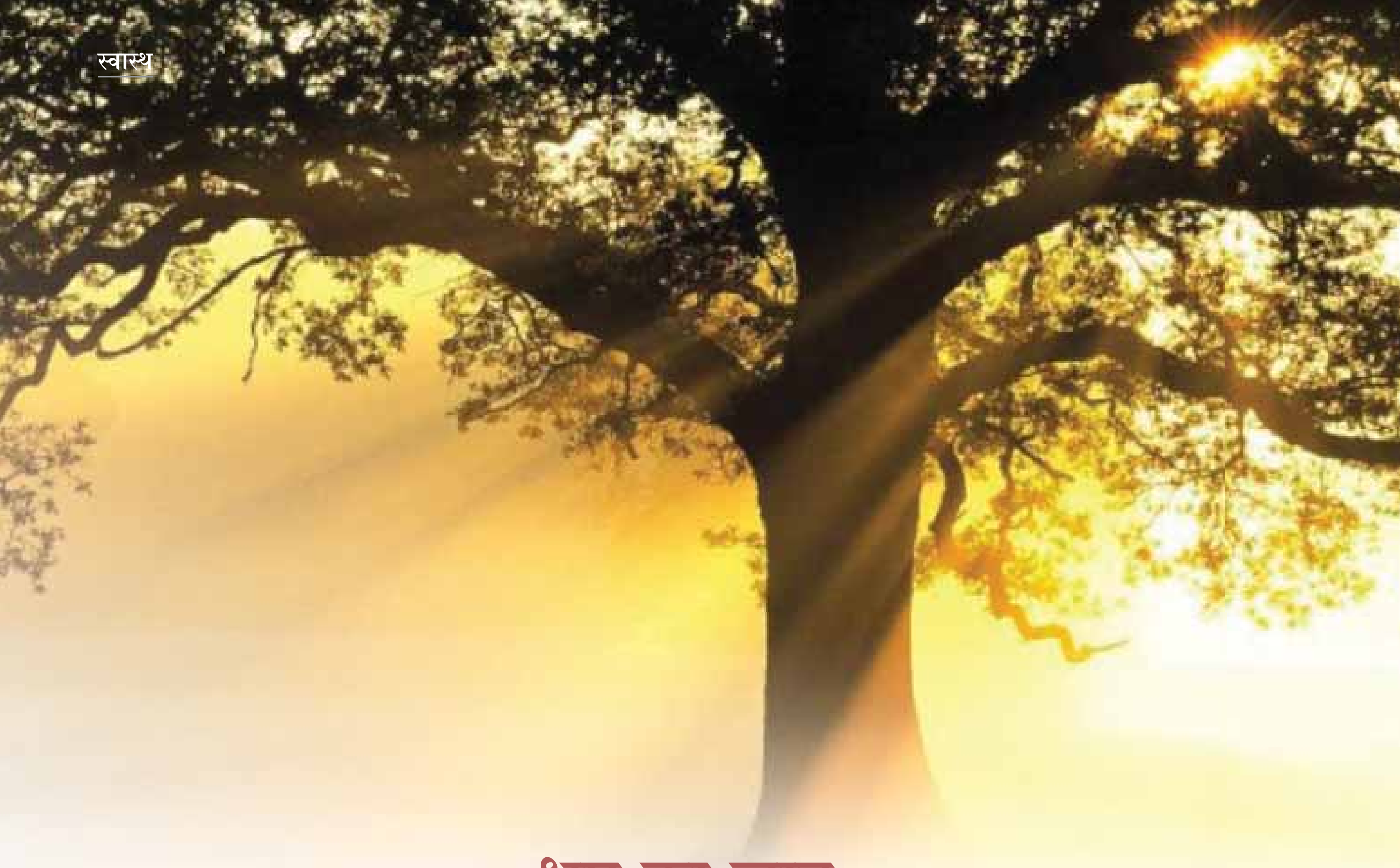

धुप का जादू

भरत और शालन सवुर

हमने हमेशा विटामिन डी को सनशाइन विटामिन के रूप में सुना है। दुनिया भर में अनुमानित एक अरब लोगों में डी-की कमी है और यदि आपके शरीर में पर्याप्त विटामिन डी नहीं है, तो कोविड वायरस और इसके प्रकारों के खिलाफ टीके की प्रभावकारिता भी कम हो जाती है।

अधिक बाहर निकलें

विटामिन-डी की कमी के दो कारण हो सकते हैं: *बाहर की गतिविधियों में कमी। कृपया धूप में टहलना सुनिश्चित करें और किराने का सामान और दवाओं के लिए अपने दरवाजे पर होम-डिलीवरी का इंतज़ार करने की बजाय, बाहर निकलकर खुद लेकर आयें।

अनुस्मारक: अपना फेस-मास्क पहनें और रास्ते पर धूप वाली दिशा तरफ चलें। *हवा में प्रदूषण सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने की तीव्रता को कम कर देता है। आपने देखा होगा कि धूप का प्रभाव स्मॉग या कोहरे से प्रभावित होता है।

डी - की कमी वाली उदासी

यदि कुछ लक्षण बने रहते हैं तो समझिये हममें डी-की कमी हो सकती है। वे लक्षण हैं: थकान, हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन। व्यायाम करने वालों को हर दिन व्यायाम के बाद बने रहने वाले इन संकेतों के बारे में पता होना चाहिए, और उन्हें इसे केवल 'व्यायाम-प्रेरित दर्द' के रूप में नज़र अंदाज़ नहीं करना चाहिए।

एक अन्य लक्षण-चिंता और अवसाद की निरंतर कम धारा है। 2005 के एक अध्ययन ने पहचाना कि विटामिन डी-रिसेप्टर्स मस्तिष्क के उन्हीं क्षेत्रों में मौजूद होते हैं जो अवसाद से जुड़े होते हैं। इस पोषक तत्व का अपर्याप्त स्तर सूजन का कारण बनता है।

डी - के कॉम्बो

डॉ जोसेफ कैंपबेल के अनुसार, जब हमें पर्याप्त धूप नहीं मिलती है, तो हमें विटामिन डी सप्लीमेंट की 4,000 से 10,000 आईयू (अंतर्राष्ट्रीय इकाइयों) की आवश्यकता होती है। उनका सुझाव है कि इसे विटामिन K2 के 200 एमसीजी (माइक्रोग्राम) के साथ लिया जाना चाहिए। अनुसंधान से पता चलता है कि के-डी संयोजन शरीर को हड्डियों के निर्माण के लिए कैल्शियम का उपयोग करने में मदद करता है और कैल्शियम को हमारी धमनियों और कोमल ऊतकों में जमा होने और उन्हें सख्त होने से रोकता है।

विटामिन-डी न केवल हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, बल्कि यह मोटापे, उच्च रक्तचाप, पेट की बीमारी और हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई में हमारी मदद करता है। यह सचमुच एक जीवन रक्षक है, क्योंकि हमारे सिस्टम में इसका उच्च स्तर हमें संक्रमण और यहां तक कि मृत्यु से भी बचा सकता है।

डॉ कैंपबेल कहते हैं, 'यह एक शक्तिशाली एपिजेनेटिक नियामक है।' हमारे जीन वही हैं, जिनके

साथ हम पैदा हुए हैं तथा हमारा पर्यावरण और हम जिस तरह से रहते हैं, वे एपिजेनेटिक कारक हैं। तो, डॉ कैंपबेल बताते हैं, 'विटामिन-डी हमारे अच्छे जीन को शुरू करता है।' यह 2,500 जीनों को प्रभावित करता है, और यह शरीर की कुल संख्या का लगभग 12 प्रतिशत है। अद्यतन गणना से पता चलता है कि हमारे पास लगभग 21,000 सक्रिय जीन हैं।

हमारा ग्रह अपने आप में एक सूर्य ग्रह है, हमारा पूरा पारिस्थितिकी तंत्र सूर्य के प्रकाश पर जीता है और पनपता है। इसलिए बाहर धूप में निकलना, धूप-स्नान करना और खिलना महत्वपूर्ण है। महामारी के दौरान, कई बच्चों ने धनुष-पैर विकसित किए। क्यों? उनकी नन्ही-नन्ही हड्डियों को धूप नहीं मिलीं, विटामिन-डी नहीं मिला। जब हड्डियाँ नर्म हुईं तो वे शरीर के ऊपरी हिस्से के भार के नीचे झुक गईं।

अधिक मात्रा असंभव है

विटामिन-डी हमें कैंसर, श्वसनपथ के संक्रमण, पुरानी सूजन संबंधी बीमारियों, ऑटोइम्यून बीमारी और मल्टीपल स्केलेरोसिस से भी बचाता है। अगर आपको यह विटामिन धूप से मिलता है, तो इसके अधिक मात्रा में लेने का कोई खतरा भी नहीं होता है। यह जन्मजात प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ-साथ इसके अनुकूली कौशल को भी नियंत्रित करता है। तो, जब हमारे डी3 रिसेप्टर्स - सफेद कोशिकाएं: मोनोसाइट्स और मैक्रोफेज; प्रतिरक्षा प्रणाली के सदस्य: टी कोशिकाएं और बी कोशिकाएं और एंजाइम-संपन्न प्राकृतिक रक्त कोशिकाएं, साथ ही डेंड्रिटिक कोशिकाएं जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के अनुकूली कौशल को प्रभावित करती हैं - सूर्य-प्रकाश को प्राप्त करती हैं, हमारा शरीर कभी भी आवश्यकता से अधिक उत्पादन नहीं कर सकता है। जाहिर है, अगर विटामिन अपने उत्पादन को नियंत्रित नहीं करता है, तो एक अनियमित प्रतिरक्षा प्रणाली अधिक सूजन पैदा कर सकती है!

अगर मुझमें विटामिन-डी की कमी है, तो इसे ठीक करने में कितना समय लगता है? रतीश नायर और अरुण मसीह का कहना है कि इसे 'चार से छह हफ्तों में ठीक किया जा सकता है, रोजाना 2,000 से 4,000 मिलीग्राम लेने से।' बेशक, पहले अपने डॉक्टर से अपनी खुराक के बारे में चर्चा करना बुद्धिमानी है। इस बीच, डॉ. दीपक चोपड़ा हमें एर्गो कैल्सीफेरोल जो कि विटामिन-डी2 है, के बजाय कोलेकैल्सीफेरॉल जो कि विटामिन-डी3 है, को लेते रहने की सलाह देते हैं।

धूप में कितना समय

आप भारत में सुबह 7 से 9 बजे के बीच या शाम 5 बजे के बाद 5 से 30 मिनट तक कितना भी समय धूप में बिता सकते हैं। यह वह समय है जब अल्ट्रावायलेट-बी किरणें मजबूत होती हैं। 10 बजे के बाद, वे कठोर हो जाती हैं। सनस्क्रीन लगाने से उद्देश्य विफल हो जाता है, इसीलिए सुबह की हल्की धूप की ही सलाह दी जाती है। **सुझाव:** ⁕ शीशे की खिड़की से खुद को धूप में रखना अच्छा नहीं है। UVB किरणें शीशे में प्रवेश नहीं कर सकती हैं। ⁕पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि निर्जलित न हों। ⁕अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो गुलाबी होने से पहले ही रुक जाएं। ⁕यदि त्वचा सांवली है, तो उसकी सहनशक्ति के आधार पर उसे एक या दो घंटे के लिए उजागर करें।

सूर्य-प्रकाश में नहाये हुए खाद्य पदार्थ

विटामिन-डी का एक अन्य प्राकृतिक स्रोत है:

मशरूम: वे हमें एर्गोस्टेरॉल प्रदान करते हैं जो यूवी प्रकाश के संपर्क में आने पर विटामिन-डी में परिवर्तित हो जाते हैं। वे जितना अधिक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आते हैं, वे एर्गोस्टेरॉल में उतने ही समृद्ध होते हैं। लगभग 100 मिलीग्राम ताजे मशरूम - चेंटरेल, शिटेक, सीप, बटन - में लगभग 100 एमसीजी विटामिन-डी होता है।

तैयारी: उन्हें लहसुन और नमक के साथ भूनें। नमक छिड़कें और प्रत्येक में एक काली मिर्च डालकर बेक करें। या उन्हें नमक और अजवाइन के साथ गाढ़ा, पौष्टिक सूप में पीस लें और बटन मशरूम के आधे टुकड़ों में टॉस करें। आप मशरूम और पनीर की फिलिंग के साथ एक शानदार पालक रोटी भी बना सकते हैं।

अंडे की जर्दी: पोषण विशेषज्ञ कहते हैं कि एक अंडे की जर्दी में 35 IU विटामिन-डी होता है। वे खुले-खेतों से अंडे खरीदने की सलाह देते हैं जहां मुर्गियां धूप में घूमती हैं और पिंजरे में नहीं रहती हैं।

तैयारी: क्लासिक अंडा सलाद या पैन में तला हुआ 'धूप-साइड-ऊपर' वाला पसंदीदा प्रकार आज़माएं। यह 'चायनीज़ फ्राइड राइस' और 'भारतीय मसाला राइस' दोनों में बहुत अच्छा लगता है। एग-मफिन और एक 'ब्रेड-एग-एप्पल' पुडिंग इसमें विविधता लाते हैं।

हमारा ग्रह अपने आप में एक सूर्य ग्रह है, हमारा पूरा पारिस्थितिकी तंत्र सूर्य के प्रकाश पर जीता है और पनपता है।

मछली: वसायुक्त मछली जैसे सैल्मन, हेरिंग, सार्डिन, टूना और पॉमफ्रेट खाएं। लगभग 3 औंस वसायुक्त मछली में 17.9 एमसीजी विटामिन-डी होता है।

तैयारी: ग्रिल्ड सैल्मन, फिश टैकोस या हर्ब्स के साथ स्वादिष्ट स्टीम्ड पॉमफ्रेट एक अच्छा भोजन बनाते हैं। नारियल की ग्रेवी या प्रसिद्ध पंजाबी तली हुई पोमफ्रेट में प्रसिद्ध गोअन और मंगलोरियन करी हैं।

कॉड लिवर ऑइल: यह विटामिन-डी का एक प्रबल स्रोत है। पोषण-विशेषज्ञों का कहना है कि इसका प्रतिदिन एक चम्मच, RDA का 113 प्रतिशत प्रदान करता है।

तैयारी: इसे सिर्फ एक चम्मच से चूसा जा सकता है और इसके बाद किसी भी रस को पिया जा सकता है; या जोरदार फ्लेवर वाली स्मूदी में मिलाया जा सकता है; या सलाद के लिए ड्रेसिंग में मिलाया जा सकता है। सबसे आसान तरीका है, हर सुबह कॉड लिवर कैप्सूल को मुंह के जरिये अंदर लेना।

टिप: यहां तक कि इसे त्वचा में रगड़ा भी जा सकता है।

कृपया धूप में अपनी खुद की खुशनुमा जगह खोजें। हड्डियों, मस्तिष्क और हृदय को गर्म करें। मजबूत रहें। स्वस्थ रहें। धूप में रहें।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

आपके गवर्नर्स

सुनील पाठक

सॉफ्टवेयर और आई टी प्रशिक्षण
रोटरी क्लब जबलपुर साउथ, रो ई मंडल 3261

वैश्विक अनुदान परियोजनाएं हमारी सार्वजनिक छवि को बढ़ावा देंगी

मध्यप्रदेश, उड़ीसा के कुछ हिस्से और पूरे छत्तीसगढ़ के इलाके को कवर करने वाला यह मंडल सदस्यता वृद्धि में एक बड़ी चुनौती है क्योंकि अधिकांश क्षेत्र दूरस्थ, आदिवासी निवास स्थान है जहाँ लोगों को रोटरी के बारे में कोई जानकारी नहीं है, सुनील पाठक कहते है। लेकिन उन्हें आशा है कि जो वैश्विक अनुदान परियोजनाएं हम कर रहे है वह हमारी सार्वजनिक छवि को बढ़ाएगी और हमारे विकास में मदद करेगी। उनका सपना 20 नए क्लबों को शुरू करने का है, जिनमें से 12 पहले ही निर्मित हो चुके है ताकि 30 जून तक सदस्यता संख्या को 100 तक ले जाया जा सके। उन्हें इस वर्ष 350 की शुद्ध सदस्यता वृद्धि का भरोसा है जिससे उनके वर्ष के दौरान कुल सदस्यता 3,300 से अधिक होगी।

जबलपुर में पांच मशीनों वाला एक डायलिसिस सेंटर (जीजी: 40,000) स्थापित किया जाएगा। मई तक, जीजी: 150,000 का 50 बिस्तरों वाला प्रसूति-सह-बाल चिकित्सा वार्ड खोला जायेगा और जीजी: 35,000 का एक मोबाइल नेत्र क्लिनिक शुरू किया गया। पिछले साल जीजी: 40,000 की मदद से जबलपुर में एक कोविड परीक्षण केंद्र स्थापित किया गया था।

TRF को देने का उनका लक्ष्य 100,000 डॉलर का है। वार्षिक बकाया विनिमय दर पर आधारित न होकर रुपये के मूल्य पर तय किया जाना चाहिए। साथ ही 18 प्रतिशत की GST दर बहुत अधिक है और इसे वहनीय बनाने के लिए सरकार को इसे कम करना चाहिए, वह कहते है। पाठक अपने बचपन के दोस्त रोटेरियन जितेंद्र कुलकर्णी से प्रेरित होकर 13 साल पहले रोटरी से जुड़े थे।

एम जी रामचन्द्र मूर्ती

चार्टर्ड एकाउंटेंट,
रोटरी क्लब शिमोगा मिडटाउन, रो ई मंडल 3182

शिमोगा में बन रहा जैव विविधता वन

पर्यावरण संरक्षण उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और शिमोगा में आठ एकड़ के क्षेत्र में एक विशाल रोटरी जैव विविधता वन तैयार किया जा रहा है। रामचंद्र मूर्ति कहते है, हम पहले ही 1,800 पौधे लगा चुके है और काम जोरों-शोरों से चल रहा है। 12 झीलों के कायाकल्प के लिए 48 लाख मूल्य का एक वैश्विक अनुदान प्रक्रियाधीन है। विभिन्न स्थानों पर एक लाख से अधिक पौधे लगा रहे है।

इंफोसिस के सहयोग से मंडल के क्लब ग्रामीण क्षेत्रों में पॉलिटेक्निक और कॉलेजों को 2,500 कंप्यूटर दान कर रहे हैं। विद्या सेतु परियोजना के तहत विद्यार्थियों को ₹22 लाख की 22,000 पुस्तकें वितरित की गईं हैं। जीजी 23 लाख की मदद से दो डायलिसिस सेंटर शुरू किये गए हैं। जून अंत तक सदस्यता संख्या को 90 तक ले जाने के लिए पाँच और क्लबों को जोड़ने की उनकी योजना है। मैं 33 प्रतिशत की शुद्ध सदस्यता वृद्धि का लक्ष्य रख रहा हूँ, जिससे हमारे सदस्यों की संख्या 4,000 से अधिक हो जाएगी। 100 ग्रामीण महिलाओं को गायें दी जा रही हैं (जीजी: ₹24 लाख)।

TRF को देने का उनका लक्ष्य 200,000 डॉलर का है।

PDG डॉ नारायण और पूर्व अध्यक्ष डॉ शिवरामकृष्ण से प्रभावित होकर 1992 में रोटरी से जुडने वाले मूर्ति कहते है कि अधिक पेशेवर रोटरी में शामिल होंगे क्योंकि सेवा परियोजनाएं इसकी सार्वजनिक छवि में वृद्धि कर रही है।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

ओमप्रकाश बी मोतीपावाले

संपादक/प्रकाशक

रोटरी क्लब लातूर सेंट्रल, रो ई मंडल 3132

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पशुधन, साइकिल

कुछ परियोजनाएं महिलाओं को सशक्त बना रही है और उन्हें निश्चित आय के साथ अपने परिवार का भरण-पोषण करने में मदद कर रही है। पहले ही 300 महिलाओं को मसाला मिक्स, हल्दी, मिर्च पाउडर, पापड़ और दूध से बनने वाले नाश्ते जैसे घरेलू उत्पाद बनाने हेतु प्रशिक्षित किया जा चुका है। ओमप्रकाश मोतीपावाले कहते है, ''हम क्लब निधियन के माध्यम से 700 अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित करेंगे। दूर-दराज के पहाड़ी इलाकों के लोगों तक पहुंचकर क्लब वैश्विक अनुदान के माध्यम से 127 परिवारों में से प्रत्येक को पांच बकरियां प्रदान कर रहा है।''

मोतीपावाले कहते है कि दूरदराज के इलाकों में स्कूली छात्राओं को दो हजार साइकिलें दी जाएंगी और इस परियोजना के लिए एक वैश्विक अनुदान स्वीकृत किया गया है। उनका लक्ष्य 10 नए क्लबों को जोड़ना है जिनमें से पांच पहले ही गठित किए जा चुके है ताकि जून के अंत तक कुल संख्या 95 हो जाए। ''हम अपनी सदस्यता को 4,000 से अधिक बढ़ाने के लिए 400 नए रोटेरियनों को शामिल करेंगे। अब तक हमने 600 नए सदस्य जोड़े है।''

TRF को देने का उनका लक्ष्य 110,000 डॉलर का है। एक पूर्व रोटरेक्टर रह चुके मोतीपावाले 2001 में रोटरी में शामिल हुए, एक पत्रकार होने के नाते मैं देश में रोटरी की गतिविधियों से प्रेरित था।

राजशेखर श्रीनिवासन

विद्युत सलाहकार

रोटरी क्लब कोयंबटूर मिडटाउन, रो ई मंडल 3201

'हमारे प्यारे ग्रह' पर उनकी नज़र

मंडल की प्राथमिक थीम *our lovely planet* (हमारा प्यार ग्रह) के तहत सभी 153 क्लब 500 से अधिक ऐसी सेवा परियोजनाएं कर रहे है जिनका विविध क्षेत्र की गतिविधियों के माध्यम से पृथ्वी, जल और मानवता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। राजशेखर श्रीनिवासन कहते है, ''मैंने अपने प्राथमिक उद्देश्यों को 'रोटरी के सात अजूबे' के रूप में तैयार किया है जिसमें हमारे वार्षिक लक्ष्य सूचीबद्ध है।'' वह सात नए क्लब शुरू कर रहे है; 70 नए रोटरेक्ट और इंटरेक्ट क्लबों का गठन कर रहे है; 700 RCCयों की स्थापना कर रहे है; सदस्यता को बढ़ाकर 7,000 कर रहे है (उन्होंने 5,700 की सदस्यता के साथ अपने वर्ष की शुरुआत की थी); RYLA, रोटरेक्ट आदि के माध्यम से 7,000 युवाओं तक पहुंच रहे है; सात लाख किसानों की मदद कर रहे है; और 1.5 मिलियन डॉलर के TRF योगदान के अंतर्गत APF को 7 करोड़ (₹1 मिलियन डॉलर) दे रहे है।

श्रीनिवासन AKS में शामिल होने वाले नए लोगों में से एक थे जिन्हें महाब्स 21 संस्थान में सम्मानित किया गया।

वर्तमान में 68 वैश्विक अनुदान परियोजनाएं कार्यान्वियन के विभिन्न चरणों में है और ''हमने इस वर्ष के लिए 20 और वैश्विक अनुदानों के लिए आवेदन किया है।'' वह कहते है, चूंकि लोगों ने हमारी परियोजनाएं देखी है इसलिए वे रोटरी से जुड़ना चाहते है। वह 2001 में अपने पारिवारिक मित्र रोटेरियन बाबू कन्नन से प्रेरित होकर रोटरी से जुड़े थे।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

संगीत और माधुर्य

टी एम एस, उम्मीद जगाने वाले गायक

एस आर मधु

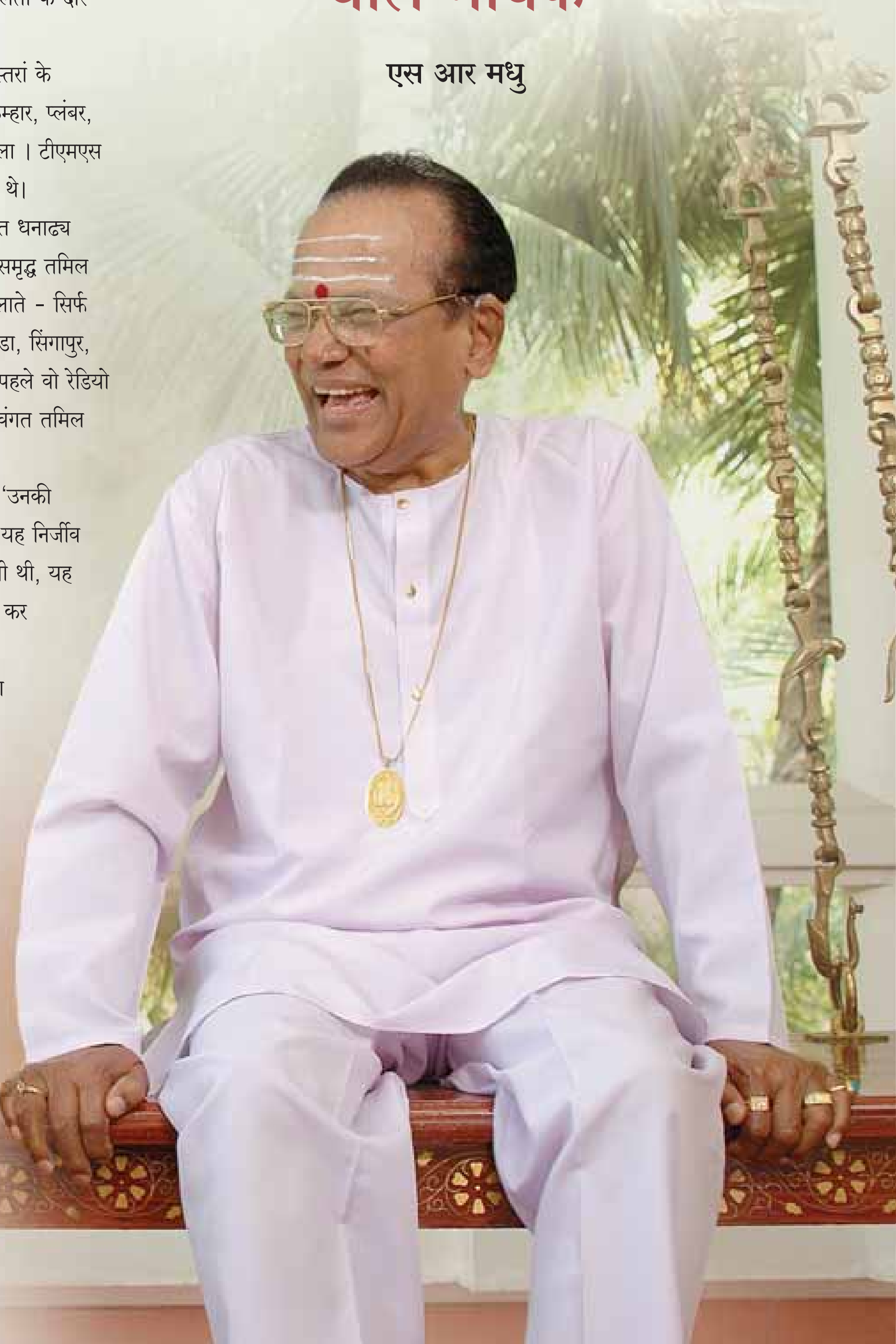

धरती पर सूरज केवल एक है और एक ही चंद्रमा, टी एम एस भी सिर्फ एक ही हो सकते है,'' ये उदगार, प्रख्यात तमिल फिल्म संगीतकार एमएस विश्वनाथन ने कई साल पहले एक कार्यक्रम में व्यक्त किये थे।

टी एम सुंदरराजन तमिल सिनेमा इतिहास के सबसे महान गायक थे। लेकिन अपनी पहचान बनाने के लिए सबसे ज्यादा संघर्ष भी आप ही ने किया था। सनसनीखेज सफलता मिलने के दशकों पहले, वो कई वर्षों तक निराशा और घोर असफलता के दौर से गुजरे थे।

वो आम जनता के चहेते थे - रेस्तरां के कर्मचारी, मोची, धोबी, रिक्शावाले, कुम्हार, प्लंबर, कुली, इन सबका उन्हें भरपूर प्यार मिला । टीएमएस उनके लिए उम्मीद जगाने वाले गायक थे।

लेकिन उनका सम्मान और स्वागत धनाढ्य वर्ग द्वारा भी किया गया। ''रईस और समृद्ध तमिल लोग जब भी अपनी महँगी गाड़िया चलाते - सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, मध्य पूर्व में भी, तो सबसे पहले वो रेडियो पर टीएमएस का गाना बजाते थे,'' दिवंगत तमिल अभिनेता विवेक ने कहा।

एक निर्माता ने टिप्पणी की थी, ''उनकी आवाज पत्थर को पिघला सकती थी, यह निर्जीव में जान फूंक कर गर्जन पैदा कर सकती थी, यह गुनाहगार को पश्चाताप के लिए मजबूर कर सकती थी।''

टीएमएस का जन्म 1923 में हुआ था, उन्होंने अपना गायन करियर 1946 में शुरू किया था, वे 91 वर्ष तक जिए और 2013 में उनकी मृत्यु हो गई। छह दशकों तक संगीत में सक्रिय रहते हुए उन्होंने लगभग एक हजार फिल्मों में 10,000 से ज़्यादा गाने गाए हैं, इसके अलावा अपने आराध्य भगवान मुरुगा सहित कई देवताओं की स्तुति में करीब 2,000 भक्ति गीत भी गाये। लगभग 30 वर्षों तक - 1955 से 1985 तक - उन्होंने

रईस और समृद्ध तमिल लोग जब भी अपनी महँगी गाड़िया चलाते – सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, मध्य पूर्व में भी, तो सबसे पहले वो रेडियो पर टीएमएस का गाना बजाते थे।

तमिल सिनेमा पर एकछत्र राज किया था। संगीत सभागृह से ले कर चाय की दुकानों, घरों में, स्टूडियो तक में पूरे दिन उनकी आवाज गूंजती रहती थी।

उनका जन्म मदुरै में हुआ था, वो एक पुजारी के बेटे थे, जो छोटी मोटी पूजा और भजन यापन से अपना गुजारा किया करते थे। टीएमएस को छोटी उम्र में ही संगीत का शौक लग गया था। उन्हें जो भी, जैसा भी संगीत मिलताउसे याद कर लेते, फिर गाते थे, - भजन, भक्ति गीत, फिल्मी गीत, विशेष रूप से तमिल सिनेमा के पहले सुपरस्टार एम के त्यागराज भगवथर के गीत। भगवथर के गीत गाने पर उन्हें बढ़िया इनाम मिलता था - पकोड़ा और कॉफी - जिसे ये लड़का चटखारे ले कर मजे से खाता था।

टीएमएस को संगीत प्रशिक्षण दिलवाने का सामर्थ्य उनके पिता में नहीं था, इसलिए लड़के ने स्वयं इसकी व्यवस्था की। उन्होंने मदुरै में सिनेमा मालिकों के लिए काम किया और समारोह और उत्सवों में भी गाया। और वे लोग बारी-बारी से उसकी संगीत की शिक्षा के लिए हर महीने ₹15 देते थे। कराईकुडी रामानुज अयंगर उनके गुरु थे: 12 वर्णों और 48 कीर्तन पर आधारित कर्नाटक संगीत शिक्षा ग्रहण की, जिसने उनकी गायन कला को एक मजबूत नींव प्रदान की।

हालांकि, टीएमएस मैट्रिक की परीक्षा में फेल हो गए और पढ़ाई जारी नहीं रख पाए। भविष्य अनिश्चित लग रहा था। वो पुजारी नहीं बनना चाहता था। कोयंबटूर के में सेंट्रल स्टूडियो में उन्होंने नौकरी की जहां कई तरह के अजीबोगरीब काम किए - सफाई करना, खाना बनाना, बच्चों की देखभाल। उन्होंने एक फिल्म में भिखारी के रूप में भी काम किया, जिसमें उन्होंने एक गाना गाया था। फिल्म की परिचयावली में लिखा गया ''*पिचाईकरण* (भिखारी): टी एम सुंदरराजन।''

22 साल की उम्र में, शादीशुदा टीएमएस अपने दो बच्चों के साथ, जेब में ₹250 रुपये और झोले में अपने गीतों के ग्रामोफोन रिकॉर्ड डाल कर चेन्नई के लिए निकल पड़े। रहने के लिए अलवरपेट में उन्हें एक सस्ता कमरा मिल गया था और एक सस्ता रेस्तरां ढूंढ लिया जहां वे दिन में एक बार भोजन करते थे। पूरा दिन वो गाने के अवसरों की तलाश में बिताते और अपने सामने आने वाले हर अवसर को लपक लेते थे।

पांच साल सतत संघर्ष करने के बाद 1950 में उन्हें तमिल फिल्मों में गाने का मौका मिला। तब1954 में उन्हें पहला बड़ा ब्रेक मिला - जब उन्होंने एक पार्श्व गायक के रूप में अपने करियर की उम्मीद तकरीबन छोड़ दी थी। फिल्म *ThookkuThookki* में शिवाजी गणेशन पर फिल्माए गए आठ गीत त्रिची लोगनाथन को गाने थे। प्रत्येक गाने के लिए उन्होंने ₹500 की मांग रखी। निर्माताओं ने कहा, आप अपने रेट कम कर दीजिये क्योंकि आप आठ गाने गाएंगे ? लोगनाथन ने कहा, मैं एक गाऊं या आठ मेरा रेट ₹500 प्रति गाना है।

निर्माताओं ने मदुरै के उस युवक की आवाज़ को आजमाने का फैसला किया जिसकी चर्चा कुछ लोग कर रहे थे। अंतहीन निराशा में डूबे निरुत्साहित टीएमएस एक दिन सड़क पर जा रहे थे, जब अचानक उनके बगल में, अरुणा फिल्म्स की कार रुकी। उन्होंने पूछा, क्या आप का नाम टीएमएस हैं? हम आप ही को ढूंढ रहे हैं।'' उन्होंने टीएमएस का ऑडिशन लिया, प्रभावित हुए और तुरंत आठ गानों के लिए ₹2,000 के पारिश्रमिक पर उनसे अनुबंध कर लिया। टीएमएस बहुत उत्साहित हुए लेकिन शिवाजी गणेशन

संगीतकार इलयराजा के साथ टीएमएस।

परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ''आप मेरे लिए एक नए गायक की आवाज़ कैसे ले सकते हैं? आप सी एस जयरामन को क्यों नहीं लेते, जिन्होंने पराशक्ति में मेरे लिए आवाज़ दी थी?''

टीएमएस घबरा गए और विचलित हो गए। उन्होंने शिवाजी से विनती की, कृपया मुझे एक मौका दें। ''मैं सिर्फ तीन गाने गाऊंगा। अगर आपको मेरा गाना पसंद नहीं आया तो मैं घर चला जाऊँगा और अपनी शक्ल कभी नहीं दिखाऊंगा।'' शिवाजी मान गए। टीएमएस की आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति से वो चकित रह गए थे। उन्होंने निर्माताओं से कहा, ''केवल तीन ही क्यों, उसे सभी आठ गाने दे दें।''

ThookkuThookki एक जबरदस्त हिट साबित हुई, और इसके गीत, संगीत की रिवायत में शुमार हैं। यह फिल्म शिवाजी गणेशन और पद्मिनी की स्वर्णिम जोड़ी द्वारा अभिनीत शुरूआती फिल्मों में से एक थी। विशेषकर तीन गीत – *Sundari soundari, Pengalainambathe* और *Kurangilirunthu pirandavan Manithan* - *1950* के दशक के सबसे मशहूर गीतों में शुमार हैं।

उसी वर्ष *Koondukkili* रिलीज़ हुई , जो एकमात्र ऐसी फिल्म थी जिसमें एमजीआर और शिवाजी दोनों ने अभिनय किया था। फिल्म में टीएमएस के गाये एक गीत, *Konjum Killiyana Pennai* ने एमजीआर को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसे वो अपनी ऐतिहासिक फिल्म *Malaikkallan* का बहुत महत्वपूर्ण गीत मानते थे। गीत था : *Ethanai kalamdan ematruvai*। इसमें भानुमति घोड़े पर सवार थी, और रौबदार एमजीआर हाथ में लगाम पकडे आगे चल रहे थे। इस गाने ने धूम मचा दी और फिल्म *Malaikkallan* भी एक बड़ी हिट साबित हुई, हिंदी में इसी फिल्म की रीमेक बनी थी आजाद, जिसमें दिलीप कुमार ने अभिनय किया था।

ThookuThooki और *Malaikkallan* ने टीएमएस को एमजीआर और शिवाजी, दो सबसे महान तमिल सितारों की पसंदीदा आवाज़ बना दिया। उनका करियर आसमान छूता गया। एक के बाद एक सफलता मिलती चली गई। जिस व्यक्ति को कुछ महीने पहले यह नहीं पता था कि उसका अगला भोजन कैसे मिलेगा, वो शख्स रातों रात सभी का चहेता बन गया। उनके घर के बाहर निर्माताओं और सितारों की बड़ी बड़ी गाड़ियों की कतारें लगने लगीं थीं – पर विडंबना ये थी कि वर्षों से उन्हें अपनी पुरानी साइकिल के अलावा किसी वाहन की जानकारी नहीं थी।

आगामी कुछ दशकों तक, टीएमएस की दमदार आवाज ने हर सुर, लय, ताल को अपनी आवाज़ में प्रतिबिंबित किया, हर भावना को अभिव्यक्त किया। दमदार आवाज़ में गाये

उनके घर के बाहर निर्माताओं और सितारों की बड़ी बड़ी गाड़ियों की कतारें लगने लगीं थीं – पर विडंबना ये थी कि वर्षों से उन्हें अपनी पुरानी साइकिल के अलावा किसी वाहन की जानकारी नहीं थी।

हर श्रेणी के गीत - रोमांस, आनंद, हास्य, दुख और निराशा के गीत, दार्शनिक प्रतिबिंब, धार्मिक भक्ति, शास्त्रीय राग, पश्चिमी ताल - उनकी अद्वितीय और बहुमुखी प्रतिभा का प्रतिबिम्ब हैं।

टीएमएस की क्षमता और प्रतिभा के बारे में एक किस्सा है। एक अवसर पर, शिवाजी गणेशन को एक गीत पर अभिनय करना था। उन्होंने टीएमएस द्वारा गाये उस गाने की रिकॉर्डिंग सुनी और तुरंत रिकॉर्डिंग स्टूडियो से बाहर निकल गए। निर्माता चिंतित हो गए, शिवाजी से पूछा कि क्या बात है। शिवाजी ने कहा: ''टीएमएस ने इसे बड़ी तल्लीनता से गाया है और बहुत बढ़िया गाया है। अब मैं सोच रहा हूँ कि इस खूबसूरत गाने को और ऊंचाई तक ले जाने के लिए, एक अभिनेता के रूप में, मैं इसमें और क्या जोड़ सकता हूं।''

टीएमएस के गीतों पर आधारित तमिल फिल्मों के कई यादगार दृश्य लोगों के ज़ेहन में आज भी ताज़ा हैं। उदाहरण के लिए: *Thoongathe, thambi, thoongathe-Nadodi Mannan, 1958*।

कैदी एमजीआर जेल के प्रहरियों से कहते हैं, 'सोना मत, भाई, सोना मत'। जनता के लिए परोक्ष रूप से गीत का संदेश था कि एमजीआर काम की पूजा करते थे और आलस्य से घृणा करते थे। ये वो लोकप्रिय गीत था जिसे हरेक एमजीआर और टीएमएस दोनों से जोड़ कर देखता है।

Vanda Naalmudhal, indhanaalvarai - Pava Mannippu, 1961

टीएमएस की आवाज़ में शिवाजी साइकिल चलाते हुए गा रहे हैं, ''हजारों साल से, सागर, आकाश, पेड़, पृथ्वी नहीं बदले, सिर्फ इन्सान बदल गया है।'' यह गीत, पटकथा लेखक कन्नदासन, गायक टीएमएस और अभिनेता शिवाजी तीनों के लिए एक बड़ी जीत साबित हुआ था।

Acham enbathu madamaiyada - Mannadhi Mannan, 1961

तमाशा, लड़ाई, संगीत, नृत्य और रोमांस से भरपूर, इस फिल्म की शुरुआत में एमजीआर रथ चलाते हुए गा रहे हैं डरना मूर्खता है। टीएमएस के प्रशंसक जोर देकर कहते हैं उनकी आवाज हमारे भीतर निर्भीकता और जोश पैदा कर देती है।

Chithirampesudadi-Sabaash Meena (1965).

टीएमएस की सुरीली आवाज में शिवाजी अपनी प्रियतमा मालिनी के चित्र के सामने उसकी प्रशंसा में गा रहे हैं; जबकि वास्तव में मालिनी पर्दे के पीछे छुप कर उसकी प्रशंसा का आनंद उठा रही है। लुभावना दृश्य, दिलकश संगीत।

गीतकार वैरामुत्तु और गायक पी सुशीला के साथ टीएमएस।

मर्दाना आवाज और त्रुटिरहित तमिल

टीएमएस को एक असाधारण गायक किस चीज ने बनाया ? गीतकार वैरामुथु ने उनकी दो विशेषताओं का उल्लेख किया है: उनकी मर्दाना आवाज और उनकी शुद्ध और स्पष्ट तमिल। ''अपने बच्चों को तमिल सिखाने के लिए, मैं उन्हें टीएमएस

सुनाता था।'' उनका उच्चारण, जिस तरह से वो हर शब्दांश का उच्चारण किया करते थे वह बिलकुल सटीक और त्रुटिहीन होता था।''

वैरामुथु ने बताया, टीएमएस की आवाज में मर्दानगी पैदा करने और उसे तराशने का काम संगीतकार जी रामनाथन ने किया था। टीएमएस ने खुद ''उनकी आवाज में छिपे शेर'' को बाहर निकालने का श्रेय जी रामनाथन को दिया था। टीएमएस पर संगीतकार एमएस विश्वनाथन का भी काफी योगदान था; वैरामुथु कहते हैं, उन्होंने टीएमएस का परिचय पश्चिमी लय और ताल से कराया जिसने उनकी आवाज को और आधुनिक बना दिया।

शिवाजी के लिए गाये टीएमएस के कई गीतों में उनकी मर्दाना आवाज की रौब के साथ-साथ तमिल भाषा के वैभव और उत्कर्ष के साथ शास्त्रीय रागों प्रस्तुति भी साफ़ परिलक्षित होती है। उदाहरण: प्रतिष्ठित *Pattumnaane, bhavamumnaane,* टीएमएस की बेहतरीन प्रस्तुति है, जो *Thiruvailaiydal* में एक शाही दरबार में शिवाजी पर फिल्माया गया है।

एमजीआर की बात करें, इस नेता की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए भी टीएमएस की दमदार आवाज एक महत्वपूर्ण संपत्ति थी। उदाहरण के तौर पर एक प्रसिद्ध गीत *Naan Anaiyittal (EngaVeetu Pillai)* है, जिसमें एमजीआर समाज के असामाजिक तत्वों को फटकारता है और उन पर गरजता है मैं उन लोगों को कभी माफ नहीं करूंगा जो गरीबों के साथ बुरा बर्ताव करते हैं। पूरी गर्जना के साथ दर्शक समर्थन करते हैं - फ़िल्मी नायक का, वास्तविक एमजीआर से कहीं ज़्यादा।

टीएमएस के प्रशंसक जोर देकर कहते हैं उनकी आवाज हमारे भीतर निर्भीकता और जोश पैदा कर देती है।

आवाज अनुकूलन

वैरामुथु का कहना है कि टीएमएस की एक बड़ी विशेषता थी कि वो अभिनेता के उच्चारण और आवाज की बारीकियों का अध्ययन करने के बाद, गाते समय अपनी आवाज को उस अभिनेता के अनुरूप ढालने की कोशिश करते थे। उदाहरण के लिए, शिवाजी के लिए गाये गीत और एमजीआर पर फिल्माए गीत के लिए उनकी तकनीक अलग थी। शिवाजी की आवाज एक गंभीर और बुलंद आवाज थी जबकि एमजीआर की आवाज़ में नरमी और कोमलता थी।

अभिनेता विवेक कहते हैं, ''टीएमएस का गाना सुन कर एक अँधा व्यक्ति भी तुरंत बता देगा कि वह किस अभिनेता के लिए गा रहे हैं - शिवाजी, टीएमएस, जेमिनी गणेश, मुथुरमन, जयशंकर या रविचंद्रन के लिए।''

1980 के दशक के दौरान और उसके पश्चात, टीएमएस ने देश-विदेश के खचाखच भरे सभागारों में संगीत के कई लाइव शो किए। 2006 में उनके गायन के 60 वर्ष पूर्ण होने पर मदुरै में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि की अगुवाई में एक शानदार उत्सव मनाया गया था। उस उत्सव में युवा और वयोवृद्ध कलाकारों ने एकमत से तमिल फिल्म संगीत के इस बेताज बादशाह को सर्वो त्कृष्ट तमिल गायक घोषित किया था। इसके सात साल बाद इस महान गायक का निधन हो गया।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

ADVT.

Unlock greater potential in your child.

21K School is more than just schooling. It's about discovering the hidden talents and aptitude in your child and nurturing these towards excellence. It's a format that gives your child more time, more energy, more knowledge, more belief, more creativity... in short, enabling your child to **Be More** in life.

UNIQUE FEATURES

- Research-based curriculum
- Tech-based learning
- Trained teachers from around the world
- Learning at own pace and from own space
- Data-driven
- Spotlight on every child

Save over 8% on school fees by enrolling now!

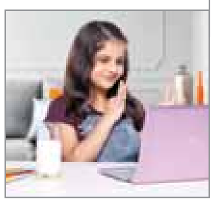

ADMISSIONS OPEN
2022-23
LIMITED SEATS.

Scan to Connect

WhatsApp Chat:
+91-96632 13636
✆ +91-87927 39334

www.21kschool.com
info@21kschool.com

21K School

World Class Education For Your World

35+ Countries | **400+** Cities | **3500+** Students

CURRICULUM: Indian • British • American

/21kschool

Day School • Day Boarding • Dual Diploma

Wordsworld

Dreams deferred

Sandhya Rao

For many, London throbs with exciting shopping opportunities; it is also a living repository of history. Along comes a book that presents a side of London few know or even care about.

This Is London by Ben Judah was longlisted for the Baillie Gifford prize for nonfiction in 2016. This award is touted as the UK's premier honour for a work of nonfiction, and for those who enjoy nonfiction, a visit to its website is a must. The 2021 winner was Patrick Radden Keefe's *The Empire of Pain: The Secret History of the Sackler Dynasty*. The Sackler name, apparently, 'adorns the walls of many storied institutions — Harvard, the Metropolitan Museum of Art, Oxford, the Louvre. They are one of the richest families in the world, known for their lavish donations to the arts and the sciences. The source of the family fortune was vague, however, until it emerged that the Sacklers were responsible for making and marketing a blockbuster painkiller that was the catalyst for the opioid crisis.'

Previous winners include *East West Street* by Phillipe Sands, *How to Survive a Plague* by David France, *Chernobyl* by Serhil Plokhy, *The Five: The Untold Lives of Women Killed by Jack the Ripper* by Hallie Rubenhold, and *One Two Three Four: The Beatles in Time* by Craig Brown. But it's not just the winning titles that will hook you, the longlists in themselves are a library of amazing reading that will engage you for years!

Judah's London reaches out to us in the voices of Arabs, Afghans, Nigerians, Poles, Romanians, Russians and others. As the Baillie Gifford citation describes it: 'This is the new London: an immigrant city. Over one-third of Londoners were born abroad, with half arriving since the millennium. This has utterly transformed the capital, for better and for worse. … Ben Judah is an acclaimed foreign correspondent, but here he turns his reporter's gaze on home, immersing himself in the hidden world of London's immigrants to reveal the city in the eyes of its beggars, bankers, coppers, gangsters, carers and witch-doctors. From the backrooms of its mosques, Tube tunnels and nightclubs to the frontlines of its streets, Judah has supped with oligarchs and spent nights sleeping rough, worked on building sites and talked business with prostitutes; he's heard stories of heart-breaking failure, but also witnessed extraordinary acts of compassion. … *This is London* explodes fossilized myths and offers a portrait of what it's like to live, work, fall in love, raise children, grow old and die in London now.'

Just back from a visit to this most engaging of cities, I instantly connect with these words. I've met an Albanian cleaner, a Bolivian waiter, and seen the work of a Lithuanian house painter. Whichever way you turn, you see its rainbow-coloured hues. At Thai Taste restaurant in Kensington, a young man from Rwanda waits our table. At the Cos showroom in Westfield mall, a charming woman from Bangladesh finds exactly the right woollens for us. And when we thank the distinctly un-white young man at the checkout for the friendly service, he smiles and speaks proudly of their multicultural profile. In M&S we bump into 'Divya' who checks her stocklist to answer

I've come to London to fiddle and beg. They told me these were the richest streets in the whole world.

A Romanian in London

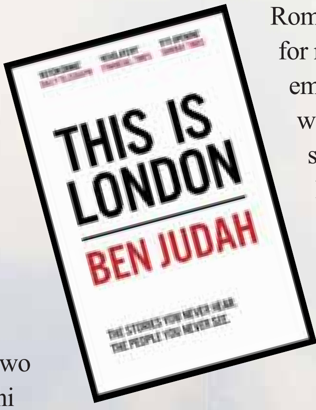

our queries regarding the availability of a certain style of jacket; we discover that she has lived in Nungambakkam, Chennai! And in a neighbourhood shop where we go to get colour printouts of documents for the return travel, we meet two helpful brothers of Pakistani origin who patiently attend to all our technologically-challenged needs. Everywhere you are made aware that population of London is no longer 'English-Vinglish', and statistics reinforce this perception.

However, that's just one flavour emanating from this salad bowl. Judah's stories are not about those who have assimilated or become true-blue Londoners. It's about those on or outside the fringes of society, both economically and socially. It's a narrative the author conveys in direct but compelling prose, often in the lingo of his subjects. Sometimes it seems overstated, but we know that in life, we actually never know.

The best way to listen to these stories, then, is by accepting that they need to be told repeatedly. Take the Romanian outside Lanesborough Hotel, for instance, fiddling scratchily on a violin, confessing, 'I've come to London to fiddle and beg'. The crops in his northern Romanian village had sold for nothing, his fridge was empty, his children were weeping and the loan sharks didn't care for him. 'They told me these were the richest streets in the whole world,' he tells Judah. 'You'll never get anything about what it is to be a beggar until you've slept on the streets.' And that's exactly what the author sets out to do in order to understand migrant lives from the inside out.

Blake Morrison points out in a review in *The Guardian*: 'Some of what he uncovers makes for dispiriting reading: the fierceness with which each ethnic group sticks to its own enclave; the drug wars and protection rackets; the speed at which the inner city is being socially cleansed and "old immigrant London" pushed out to the fringes. But the book is reportage, not a moral tract; Judah wants to tell it like it is, with I-am-a-webcam neutrality, not preach or harangue. He hears things being said and, even if they are paranoid or semi-literate, faithfully sets them down: "Look what's happening in London, mate … Zone 1's being sold to the Russians and Zone 2's being bought by the poshos." "You know what shock me about the London. That you on your own. People not friendly … Some bad men come and mug you … and they will walk right past you." "You want the same fucking Mo Farah* wonder story … well, let me tell you what, you're ain't gonna find it." (*Mohamed Muktar Jama Farah is a Somali-born long distance runner, and Britain's most successful track athlete in modern Olympics history.)

Judah seems to have a knack for getting people to share their stories: the policeman of Nigerian origin who like countless others slipped into England seeking a better life which translated into doing odd jobs in restaurants, cleaning trains and finally being recruited into the police force. Or Moses whose life as a teenager was ruled by drugs and trafficking, or the Filipina housemaid or the imam… Margarita, a cleaner from Poland, who boasts she knows everything about the homeowners. 'I know a lot. I know that the woman I am cleaning in the Clapham, she cheats, because I clean the sheets. I know the banker who I clean in Clerkenwell, he is taking the cocaine, because I find the Oyster card with the powders on the table.' We get a glimpse into the kind of work migrants do and we read about what migrants think about the British: rude, snobbish, entitled, lazy. Still, they pin their hopes on London the city and the possibility of survival government policies enable.

The best thing about the book is that Judah or Judah's voice pops up only occasionally; most of the time it's the migrants' voices you hear, their eyes you see through. It's social history writing that gets as good as it can get, though, clearly, no record of any kind of history can be entirely unbiased. Keep this in mind and there's no doubt this book with 'the stories you never hear, the people you never see' will compel you to empathise with the world it describes.

The columnist is a children's writer and senior journalist

पुणे में नेत्रहीन छात्रों के लिए
एक रोटरेक्ट क्लब

किरण ज़ेहरा

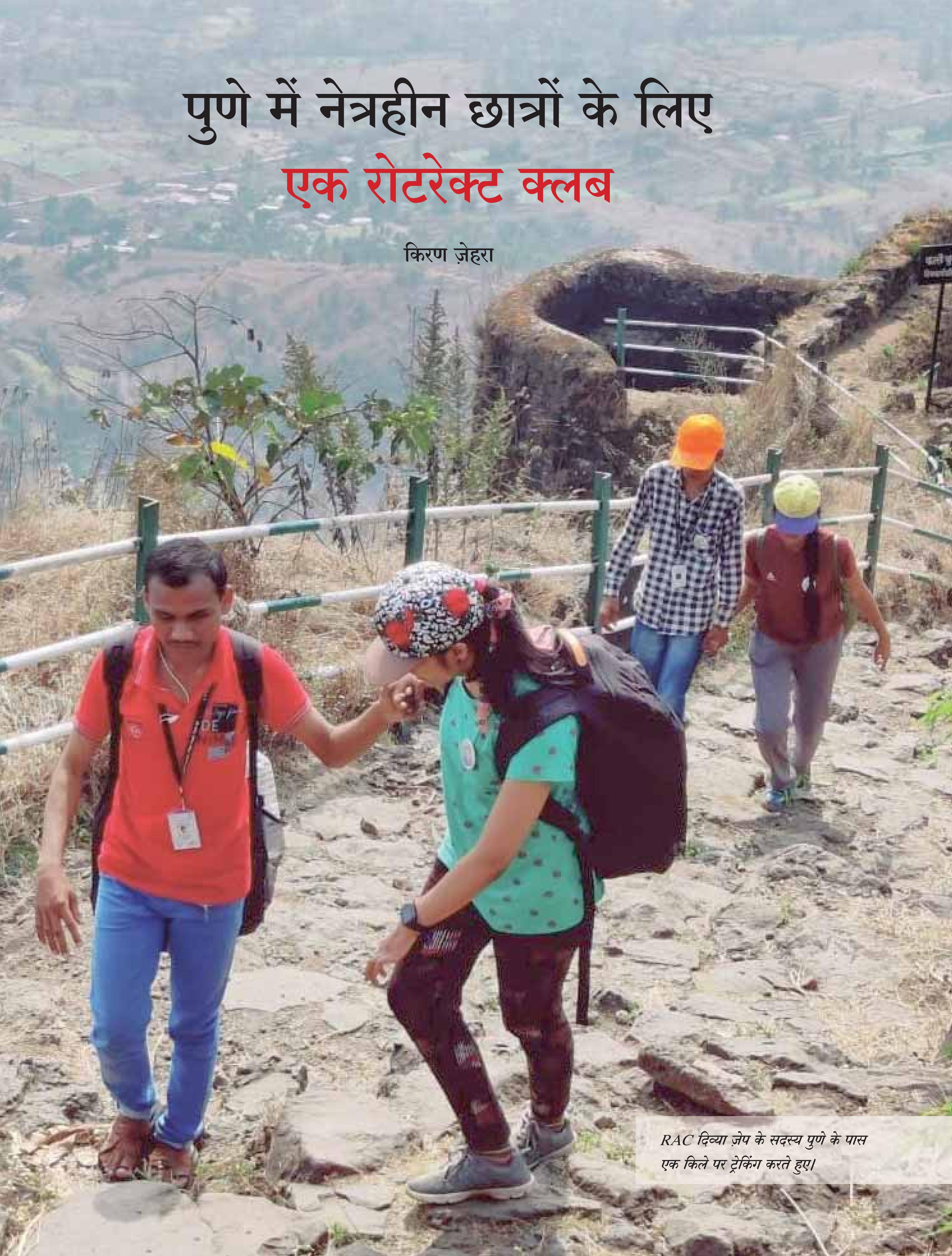

RAC दिव्या ज़ेप के सदस्य पुणे के पास एक किले पर ट्रेकिंग करते हुए।

नेत्रहीनों की आकांक्षाओं को साकार रूप देते हुए, पुणे में एक नए रोटरेक्ट क्लब को विशेष रूप से अधिकृत किया गया। इसके सभी 26 सदस्य परशुरामभाऊ कॉलेज, पुणे, के विद्यार्थी है। RAC दिव्य ज़ेप के नए रोटरेक्टर प्रतिभाशाली है और उनके बड़े सपने है। रोटरेक्ट मंच न केवल इन छात्रों में नेतृत्व कौशलों को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें एक अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा भी बनाएगा,'' इस तरह के अनूठे रोटरेक्ट क्लब को प्रायोजित करने वाले रोटरी क्लब पुणे ईस्ट (रो ई मंडल 3131) के अध्यक्ष विनय पाटिल ने कहा।

पाटिल कहते है, रोटरेक्टरों को नौकरी-विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा और एक बार जब वे अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी कर लेंगे, ''तो उन्हें नौकरी मिल जाएगी और वे आर्थिक रूप से अपना समर्थन करने में सक्षम हो जाएंगे।'' उन्होंने आगे कहा कि दृष्टिहीन लोगों को कई सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है और कार्यस्थल उनके अनुकूल नहीं होता।

RAC दिव्य ज़ेप की अध्यक्ष समृद्धि भालवणकर एक कवि, कहानीकार, लेखिका और वादी है जिन्होंने अपने कॉलेज के दूसरे वर्ष में भाषा और कला में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। उसे जन्म से सेरेब्रल पाल्सी है और शरीर के बाईं ओर लकवा मार गया है। ''लेकिन यह मुझे परिभाषित नहीं करता और न ही यह जर्मनी जाकर एक संस्कृत शिक्षक बनने के मेरे सपने के रास्ते में आएगा, वह आत्मविश्वास के साथ कहती है।'' वह अपनी रोटरेक्ट यात्रा को लेकर उत्साहित है और

DG पंकज शाह (बाएं) RAC दिव्या ज़ेप की अध्यक्ष समृद्धि भलवनकर को चार्टर पेश करते हुए।

वह नए लोगों से मिलने, ''सार्थक गतिविधियों में भाग लेने और नए कौशल सीखने की आशा कर रही है जो मुझे एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने में मदद करेंगे।''

नवंबर 2021 के प्रवर्तन समारोह के दौरान, रोटरेक्टरों को मूल रोटरी क्लब द्वारा एक सफेद छड़ी उपहार में दी गई। क्लब सचिव रोटरेक्टर युवराज दल्वे कहते है, ''यह एक सार्थक उपहार है।'' वह उस समय को याद करते है ''जब मैंने सोचा था कि एक सफेद छड़ी शर्म और असफलता का प्रतीक है। लेकिन अब यह मेरे लिए दृष्टि वाले लोगों के साथ-साथ चलने और अकेले रहकर भी अधिक आरामदायक महसूस करने का सबसे अच्छा साधन बन गया है। इस छड़ी का उपयोग करके मैं शक्तिशाली और नियंत्रित महसूस करता हूँ,'' उन्होंने कहा।

इस नए रोटरेक्ट क्लब का नाम उस समूह के नाम पर रखा गया है जो इस कॉलेज में परीक्षा के दौरान दृष्टिबाधित और शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए लेखकों की व्यवस्था करता है। इस समूह ने परिसर में एक पुस्तकालय भी शुरू किया है जहाँ के स्वयंसेवक नेत्रहीन बच्चों के लिए किताबें पढ़ते है जो पुस्तकालय के कंप्यूटरों में पढ़ने और सुनने के इंस्टॉल्ड सॉफ्टवेयर का उपयोग कर सकते है या ब्रेल किताबें पढ़ सकते है। ''हम विकलांग छात्रों को कॉलेज की सभी गतिविधियों में भाग लेने का समान अवसर देना चाहते थे। इसका उद्देश्य न तो दया है और न ही सहानुभूति बल्कि उनके साथ समान व्यवहार करना, व्यक्तिगत स्तर पर उनकी जरूरतों को समझना और कुछ मामलों में उनसे सीखना है,'' कला विभाग की प्रोफेसर और समूह की संस्थापक योगिता काले कहती है। वह इस नए रोटरेक्ट क्लब की मेंटर भी है।

यह दिव्य ज़ेप समूह अपने सदस्यों के लिए पुणे के आसपास के विभिन्न किलों की दुर्गम यात्राएं आयोजित करता है। तो, क्या उनके लिए चढ़ना मुश्किल होता है? ''हां, लेकिन वे अपने इतिहास के पाठों का अनुभव करना चाहते है, खासकर छत्रपति शिवाजी महाराज के किस्सों को। वे उन विशाल दरवाजों को छूते है, वहाँ की सतह को महसूस करते है, किले के फर्श पर लेट जाते है और जानना चाहते है कि कमरा कितना बड़ा है,'' वह कहती है। कभी-कभी समूह निर्देशक किले में फिर से कहानियां सुनाते है और वे इसे पसंद करते है। ये विशेष रोटरेक्टर नृत्यकला में पारंगत है और सड़क सुरक्षा एवं स्वच्छता जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक भी करते है।'' योगिता आगे कहती है, ''हमें यकीन है कि रोटरी क्लब पुणे ईस्ट की मदद से हमारे रोटरेक्टर छात्र अधिक करने एवं कुछ नया करने में सक्षम होंगे।''■

आप क्या पहनते हैं, मायने रखता है

प्रीति मेहरा

'ग्रीन' ड्रेस कोड में बदलने का समय आ गया है

जहां तक पर्यावरण संरक्षण की बात है, तो आप वास्तव में वही हैं, जो आप पहनते हैं। यह एक ऐसी दुनिया के बारे में सच है, जहां प्रभावकारी लोग आपसे आग्रह करते हैं कि जितनी बार आप कर सकते हैं, उतनी बार आप 'पहने-छोड़ें और खरीदें', वास्तव में 'फास्ट फैशन' स्मार्ट सेट के लिए मूलमंत्र हो सकता है लेकिन पर्यावरण के लिए यह मौत की घंटी है।

कपड़ा उद्योग, वैश्विक कार्बन-उत्सर्जन में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान देता है, जो कि सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और समुद्री शिपिंग से अधिक है! तो, हम इस नुकसान को सीमित करने के लिए क्या कर सकते हैं? आपको कपड़ों को अलविदा कहने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन आप क्या पहनते हैं और कितने कपड़े आप अपनी अलमारी में सजाकर रखते हैं, इसके बारे में चुनाव करें।

हाल के दिनों में तेजी से फैशन - बड़े पैमाने पर बाजार के खुदरा विक्रेताओं द्वारा उत्पादित

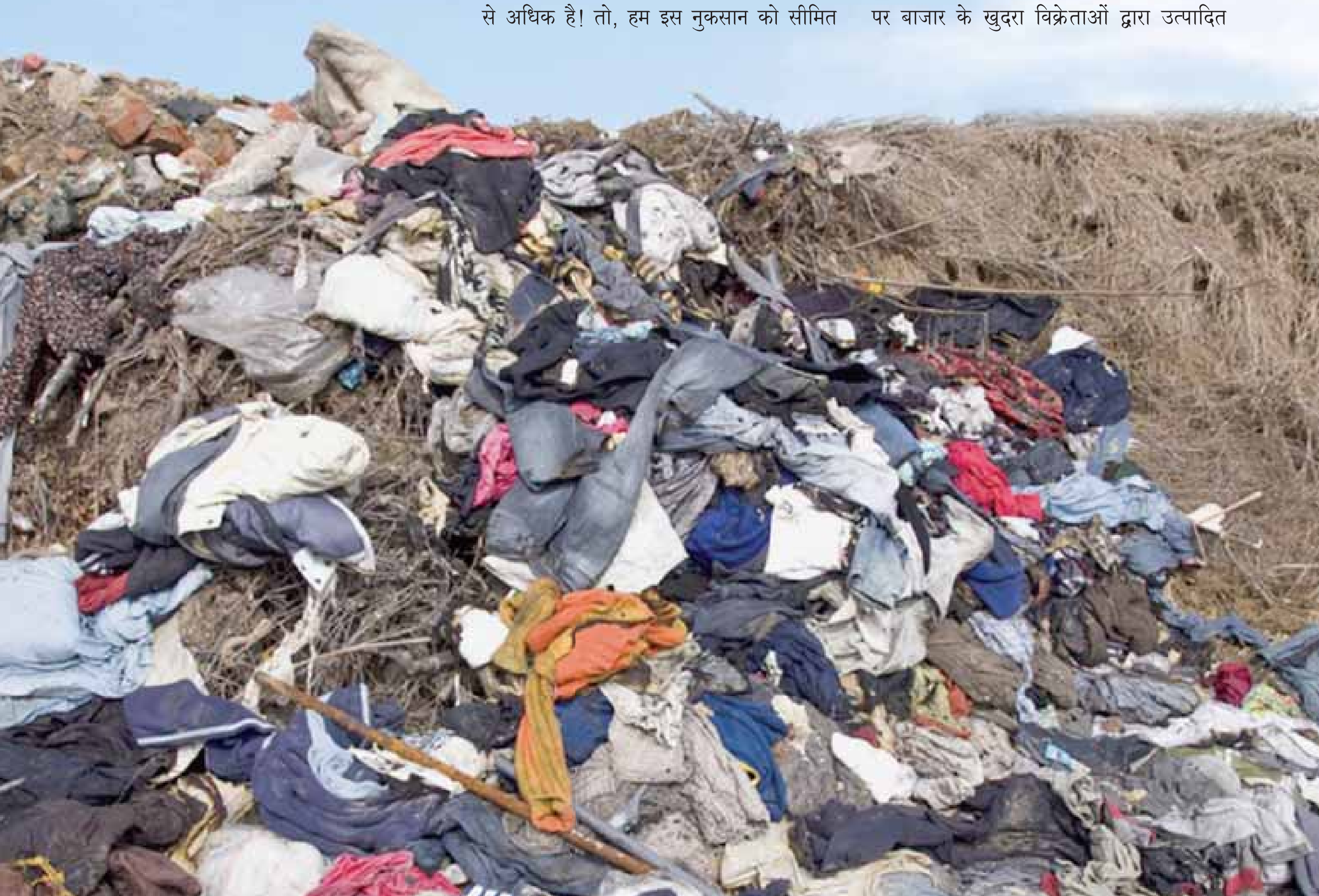

सस्ते कपड़े जो कि नवीनतम फैशन-रुझानों के जवाब में हैं, ये दुनिया भर में कपड़े-विस्फोट के मुख्य अपराधी के रूप में पहचाने जाते हैं। पिछले 20 वर्षों में कपड़ों का उत्पादन दोगुना से अधिक हो गया है, जो प्रति वर्ष 100 अरब कपड़ों को छू रहा है। इनमें से 85 प्रतिशत की वजह से कचरा-भराव क्षेत्र पूरा भर जाता है जाता है क्योंकि वे सस्ते होते हैं, उदासीन गुणवत्ता वाले और जल्दी फेंकने-लायक हो जाते हैं। यह अनुमान लगाया जाता है कि हर गुजरते सेकंड के साथ वस्त्रों के एक कचरा ट्रक के बराबर ज़मीन में भर दिया जाता है या जला दिया जाता है।

यह अनुमान है कि 15 वर्षों में एक कपड़े को पहनने की संख्या में 36 प्रतिशत की गिरावट आई है। कई लोगों ने तेजी से फैशन उद्योग के पक्ष में तर्क दिया है - कि यह रोजगार पैदा करता है, कपड़ा श्रमिकों की मदद करता है, उपभोक्ताओं को कई विकल्प देता है और अर्थव्यवस्था को गतिमान रखता है। कई कंपनियों ने घोषणा की है कि वे अपने द्वारा शिप किए जाने वाले कपड़ों की पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग में कैसे स्थानांतरित हो गए हैं। लेकिन ये तर्क दमदार साबित नहीं हो पाते हैं।

उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि कपड़ा श्रमिकों को एक पोशाक खरीदने के लिए उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए जाने वाले पैसे का एक छोटा सा हिस्सा मात्र बड़ी मुश्किल से मिलता है। उनमें से अधिकांश के पास भविष्य निधि, ग्रेच्युटी या स्वास्थ्य भत्ता जैसे लाभ भी नहीं हैं। वास्तव में, लगभग 90 प्रतिशत कपड़ा कार्यबल में महिलाएं शामिल हैं और उनमें से अधिकांश गरीबी में रहती हैं। यह फैशन उद्योग के रूप में भी है, अपने सभी फैंसी ब्रांडों के साथ, करोड़ों में मुनाफा और उचित उत्पादन और व्यावसायिक प्रथाओं के मानदंडों और कानूनों की अनदेखी करता है।

यह अनुमान है कि 15 वर्षों में एक कपड़े को पहनने की संख्या में 36 प्रतिशत की गिरावट आई है।

और यद्यपि तेज़ फ़ैशन, उपभोक्ता की पसंद को बढ़ा सकता है, वही परिणाम प्राप्त करने के अन्य तरीके भी हैं। कुछ शहरों ने पहले से ही 'कपड़ों वाले पुस्तकालयों को उधार देना शुरू कर दिया है। जहां से कोई भी व्यक्ति पार्टी, शादी या किसी विशेष अवसर के लिए परिधान (वस्त्र) किराए पर ले सकता है।

तीसरा तर्क इको-फ्रेंडली पैकेजिंग का है, जो कि उत्पाद बेचने वाली कोई भी कंपनी कम से कम कर सकती है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है और इसे किसी भी तरह से 'सस्टेनेबल फैशन' नहीं कहा जा सकता है। हरे हरित-पैकेज में ऐसे कपड़े हो सकते हैं जो पर्यावरण के अनुकूल ही न हों!

तो, फिर 'सस्टेनेबल फैशन' वास्तव में क्या है जिसका हमें समर्थन और चयन करने की आवश्यकता है? यह बीज से ही शुरू होता है और जिस तरह से कपास उगाई जाती है उसे कपड़े में कैसे बुना जाता है। इसमें ऊन के बाल काटने वाले जानवरों के साथ किया जाने वाला व्यवहार और श्रमिकों की मजदूरी और काम करने की स्थिति भी शामिल है। याद रखें, दुनिया के हमारे हिस्से में चल रही कुख्यात मांस की दुकानें? ये भी कपड़ों को टिकाऊ से दूर बनाते हैं।

आप जो टी-शर्ट और जींस अक्सर पहनते हैं, उसमें टी-शर्ट बनाने में 2,700 लीटर पानी लगता है और एक जोड़ी जींस बनाने में 7,571 लीटर पानी लगता है। वास्तव में, फैशन उद्योग वैश्विक-बेकार जल का 20 प्रतिशत उत्पन्न करता है। सिर्फ कपड़े धोने से हर साल समुद्र में आधा मिलियन टन माइक्रोफाइबर निकलता है। अगर इसके बारे में कुछ नहीं किया गया, तो 2050 तक फैशन उद्योग दुनिया के कार्बन बजट का एक चौथाई हिस्सा इस्तेमाल कर लेगा।

समझदार उपभोक्ता अब ऑर्गेनिक-कॉटन के गारमेंट्स (वस्त्र) की तरफ बढ़ रहे हैं। संयंत्र (प्लांट) लगभग 91 प्रतिशत कम पानी का उपयोग करता है, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को 45 प्रतिशत तक कम करता है और इसके विकास में कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता है। बेशक, जैविक कपास कहीं अधिक महंगा है और सस्ते कपड़ों की जरूरत वाले लोगों के लिए अपील नहीं करता है।

टी-शर्ट बनाने में 2,700 लीटर पानी लगता है और एक जोड़ी जींस बनाने में 7,571 लीटर पानी लगता है। सिर्फ कपड़े धोने से हर साल समुद्र में आधा मिलियन टन माइक्रोफाइबर निकलता है।

लेकिन हरित-क्रांति का तर्क यह है कि कम अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़ों को कम पहनना बेहतर है, जो कि यह अधिक नहीं चलेगा, बजाय इसके की अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े ज्यादा पहनें क्योंकि वे ज्यादा चलेंगे।

यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं: ऐसे ब्रांड चुनें जिन्हें नैतिक माना जाता है और जिन्होंने ग्लोबल वार्मिंग पर इस क्षेत्र के प्रभाव को कम करने में मदद करने के लिए '2018 फैशन इंडस्ट्री चार्टर फॉर क्लाइमेट एक्शन' पर हस्ताक्षर किए हैं। और आपको यह जानकर खुशी होगी कि एडिडास, डेकाथलॉन, गैप इंक, एचएंडएम, केमार्ट, लेवी स्ट्रॉस, नाइके, ओटो, प्यूमा और कुछ अन्य सहित, आपके बहुत से पसंदीदा ब्रांडों ने चार्टर का विकल्प चुना है।

कुछ छोटी और नैतिक कंपनियां भी हैं, जो जैविक (आर्गेनिक) का उपयोग कर रही हैं। टिकाऊ और नैतिक प्रथाओं के लिए जा रही हैं, और जागरूक ग्राहक की प्रतीक्षा कर रही हैं।

टिकाऊ ब्रांड, जो अच्छी गुणवत्ता वाले वस्त्र प्रदान करते हैं, वे पुनर्चक्रण के लिए पुराने वस्त्रों को वापस लेते हैं, पुनर्नवीनीकरण सामग्री से उत्पादों का निर्माण करते हैं, और CO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए रणनीति बनाते हैं, ऐसा करके आप अपने स्वयं के कचरे को कम करेंगे और अपने पैसे भी बचाएंगे।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Star Performers (Membership and

Membership Awards	Zone 4	Zone 5
Highest Membership Growth	Rajesh Agarwal (RID 3054)	S Muthu Palaniappan (RID 3232)
Highest Membership Growth %	Gajendra Singh Narang (RID 3040)	S Muthu Palaniappan (RID 3232)
Highest Women Membership Growth	Rajesh Agarwal (RID 3054)	PNB Murugadoss (RID 3212)
Highest Number of New Rotaract Clubs Installed	Ramesh Bajaj (RID 3080)	S Muthu Palaniappan (RID 3232)
Highest Existing Membership Retention Growth %	Harish Kumar Gaur (RID 3053)	Ajith Weerasinghe (RID 3220)

Clockwise from above: RI President Shekhar Mehta honours RID 3190 PDG Nagendra Prasad for membership growth. Also seen (from L) RC Gurjeet Singh Sekhon, PRID Bharat Pandya, PDG Ravi Dhotre, DG Fazal Mahmood, PDG Sameer Hariani and DGE Jeetendra Aneja. ● PRID Pandya and Madhavi felicitate IPDG Shabbir Shakir and his wife Jumana in the presence of PDGs Rajiv Sharma, Sangram Singh Bhonsle, Kishor Kedia, Anirudha Roy Chowdhury, Dr K Sunder Rajan and Mahesh Mokalkar. ● PRID Pandya and Madhavi present an award to IPDG Dr Hari Krishnan Nambiar and his wife Dr Smitha in the presence of RPIC V G Nayanar. ● RI President Mehta presents an award to PDG Ramesh Bajaj and Rekha in the presence of RID A S Venkatesh (R). ● IPDG Sudip Mukherjee receives an award from RI President Mehta in the presence of PDG Pradeep Mukherjee (R). ● and PRID Pandya gives a public image award to IPDG B Rajarama Bhat and his wife Varadhamba in the presence of Madhavi Pandya, Usha and PDG B N Ramesh.

Public Image) — Zones 4, 5, 6 and 7

Membership Awards	Zone 6	Zone 7
Highest Membership Growth	Rajib Pokhrel (RID 3292)	Nagendra B L Prasad (RID 3190)
Highest Membership Growth %	Rajib Pokhrel (RID 3292)	Nagendra B L Prasad (RID 3190)
Highest Women Membership Growth	Rajib Pokhrel (RID 3292)	Nagendra B L Prasad (RID 3190)
Highest Number of New Rotaract Clubs Installed	Sudip Mukherjee (RID 3291)	N V Hanmanth Reddy (RID 3150)
Highest Existing Membership Retention Growth %	Karunesh Srivastava (RID 3120)	N V Hanmanth Reddy (RID 3150)

PI Awards	Zone - 4	Zone - 5	Zone - 6	Zone - 7
Social Media	Gajendra Singh Narang (RID 3040)	Jose Chacko Madhavaserry (RID 3201)	Subhasish Chatterjee (RID 3240)	B L Nagendra Prasad (RID 3190)
Print Media	C A Davinder Singh (RID 3070)	Harikrishnan Nambiar (RID 3202)	Rajib Pokhrel (RID 3292)	Sangram Patil (RID 3170)
Audio/Visual	C A Davinder Singh (RID 3070)	K S Venkatesan (RID 2982)	Karunesh Kumar Srivastava (RID 3120)	Rashmi Kulkarni (RID 3131)
Special Event for PI	Prashant Jani	R Balaji Babu (RID 2981)	Rajan Gandotra (RID 3250)	
Overall activities	C A Davinder Singh (RID 3070)	R Balaji Babu (RID 2981)	Shabbir Shakir (RID 3030)	B Rajaram Bhat (RID 3182)

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब कुंभकोणम शक्ति - रो ई मंडल 2981

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को यूनिफॉर्म सेट दिए गए।

रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कृति - रो ई मंडल 3011

फरीदाबाद को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान की शुरुआत की गई। क्लब के *शरद उत्सव*, एक पारिवारिक पिकनिक, में सदस्यों ने स्वच्छता की शपथ ली।

रोटरी क्लब होसुर - रो ई मंडल 2982

क्लब अध्यक्ष एस जीविता ने दीवाली पर माधगोंडापल्ली गांव स्थित इंदिरा गांधी होम फॉर गर्ल्स में 100 बालिकाओं को नए कपड़े वितरित किए।

रोटरी क्लब कुंडली - रो ई मंडल 3012

मैक्स हाइट सोसाइटी में इंडियन कैंसर सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किए गए एक स्वास्थ्य जांच शिविर में लगभग 100 लोगों की कैंसर के लिए जांच की गई।

रोटरी क्लब मन्नारगुडी मिडटाउन - रो ई मंडल 3000

थिरुमाने झील क्षेत्र के UOT स्कूल में बाल दिवस मनाया गया जिसमें छात्रों ने विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन किए।

रोटरी क्लब मालेगांव फोर्ट - रो ई मंडल 3030

अमरावती में आयोजित मंडल संगोष्ठी में क्लब अध्यक्ष डॉ अरुण पथाड़े ने रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता का अभिनंदन किया। DG रमेश मेहर, AG दिलीप ठाकरे और PDG किशोर केड़िया भी मौजूद थे।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब महमदाबाद - रो ई मंडल 3060

यश पैथोलॉजी लैब के साथ साझेदारी में आयोजित एक सप्ताह तक चलने वाले स्वास्थ्य जांच शिविर में परियोजना अध्यक्ष डॉ शैलेश पटेल और सह-अध्यक्ष डॉ निकुंज पटेल द्वारा 240 से अधिक लोगों की सामान्य बीमारियों के लिए जांच की गई।

रोटरी क्लब आगरा - रो ई मंडल 3110

नेहरू नगर पार्क में 100 से अधिक लोगों ने ब्लड शुगर परीक्षण कराया। डॉ तरुण सिंघल ने उन्हें मधुमेह पर संबोधित किया।

रोटरी क्लब फगवाड़ा मिडटाउन - रो ई मंडल 3070

फगवाड़ा रेलवे स्टेशन पर निराश्रित और बुजुर्ग लोगों को सर्द रातों से बचाने के लिए कंबल वितरित किए गए।

रोटरी ई क्लब पुणे डायमंड - रो ई मंडल 3131

रोटरी क्लब पुणे तिलक रोड और सिनसान फार्मास्युटिकल्स के सहयोग से गांधीनगर, येरवदा, में आयोजित किए गए एक मधुमेह शिविर ने 80 रोगियों को लाभान्वित किया।

रो ई मंडल 3090

AG राजीव गोयल, मंडल सचिव राजीव मित्तल और इंटरेक्ट प्रमुख माणिक सिंगला द्वारा आत्माराम कुमार सभा स्कूल और शकुंतला गर्ल्स स्कूल, पटियाला, में छात्रों को कागज के कचरे से बनी पेंसिलें वितरित की गई।

रोटरी क्लब अहमदनगर प्रियदर्शिनी - रो ई मंडल 3132

क्लब ने नेवासा तालुक के बेलपंधारी गांव की एक आंगनवाड़ी का जीर्णोद्धार किया। आयोजन स्थल पर DG ओमप्रकाश मोतीपावाले और मंडल साक्षरता अध्यक्ष संजय घुले मौजूद थे।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब बॉम्बे सी फेस - रो ई मंडल 3141

पालघर जिले के आईना गांव में 300 बच्चों, शिक्षकों और निवासियों को भोजन वितरित किया गया। ग्रामीण छात्रों के लिए एक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया।

रोटरी क्लब हुबली ईस्ट - रो ई मंडल 3170

रोटरी स्कूल बेंगेरी के 39 इंटरेक्टरों के लिए हुबली के शुश्रुत अस्पताल में एक दंत जांच शिविर आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब बदलापुर इन्डस्ट्रीयल एरिया - रो ई मंडल 3142

भारत कॉलेज में रोटरेक्टरों के सहयोग से एक थैलेसीमिया जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर से लगभग 120 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

रोटरी क्लब शिमोगा - रो ई मंडल 3182

शिमोगा के वीणा शारदा हाई स्कूल में छात्राओं को यूनिफ़ॉर्म वितरित की गई। वितरण कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष व अन्य सदस्य मौजूद थे।

रोटरी क्लब नेल्लोर - रो ई मंडल 3160

नेल्लोर जिले के इंदुकुरुपेटा मंडल के गंगापट्टनम, श्रीनिवासपुरम, मूलपाडु और मुदिवर्तीपालेम गांवों में बाढ़ प्रभावित परिवारों को साड़ियाँ वितरित की गई।

रोटरी क्लब अत्तिबेले सरजापुरा - रो ई मंडल 3190

दुनिया से पोलियो को मिटाने हेतु रोटरी द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में यात्रियों और मोटर चालकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक अंतर-राज्यीय सीमा पर एंड पोलियो नाउ का एक विशाल संकेतक स्थापित किया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब साथी - रो ई मंडल 3203

200 रोटेरियनों की भागीदारी से एक एंड पोलियो नाउ कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब सचिव कंथावेल ने पोलियो कोष के लिए ₹1 लाख दान किए।

रोटरी क्लब चेन्नई गैलेक्सी - रो ई मंडल 3232

दिल्ली पब्लिक स्कूल, नोएडा, के राघव सिंह (कक्षा 11) क्लब द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन अखिल भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एकल प्रश्नोत्तरी में 3000 प्रतिभागियों के बीच विजेता बने।

रोटरी क्लब शिवकाशी ग्रीन्स - रो ई मंडल 3212

AAA इंटरनेशनल स्कूल और ली मार्शल आर्ट्स स्पोर्ट्स अकादमी के साथ संयुक्त रूप से एक राज्य स्तरीय सिलंबम (पारंपरिक खेल) प्रतियोगिता आयोजित की गई।

रोटरी क्लब जगदलपुर - रो ई मंडल 3261

नेत्रदान पर जागरूकता पैदा करने के लिए क्लब ने एक वॉकथॉन का आयोजन किया जिसमें मशहूर हस्तियों सहित प्रतिभागी आंखों पर पट्टी बांधकर चले ताकि वे नेत्रहीनों के जीवन को महसूस कर सकें।

रोटरी क्लब वेल्लोर नॉर्थ - रो ई मंडल 3231

काटपदी के कैरीगिरी में SIH-R और LC अस्पताल को व्हीलचेयर दान की गई। क्लब अध्यक्ष लोगनाथन, AG अरुमुगम और अन्य रोटेरियन वहाँ पर मौजूद थे।

रोटरी क्लब कलकत्ता एंडेवर - रो ई मंडल 3291

रोटरी क्लब कलकत्ता और मेडिका सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ साझेदारी में रोटेरियनों, रोटेरेक्टरों और उनके परिवारों को रोटरी मेडिका वेलनेस कार्ड वितरित किए गए।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

प्रदूषित दिल्ली में रहने का अवसाद

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

इस लेख के तल्ख़ लहज़े के लिए मैं पाठकों से शुरू में ही क्षमा मांगता हूँ। लेकिन सच तो यह है कि मैं गुस्से से भरा बैठा हूं। 1950 के दशक के उत्तरार्ध के बाद आने वाली सभी सरकारों की सरासर निष्ठुरता पर किसी को भी गुस्सा आ सकता है। इसे यूँ समझिये। सारी ज़िन्दगी मैनें उत्तर भारत में रहा हूँ, यथार्थतः दिल्ली में ।1990 के दशक के अंत तक यहां आसमान का रंग साफ़ नीला नज़र आता था। लेकिन उसके बाद से, हर साल यह मटमैला होता गया है। जब आप दिल्ली के लिए हवाई यात्रा करते हैं, 20,000 फीट की ऊंचाई से ही आप कृत्रिम कणों के भूरे बादलों में उतरना शुरू कर देते हैं। धीरे-धीरे नीचे जमीन धुंधली होती जाती है और जब आप 5,000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचते हैं, ये लगभग दिखना बंद हो जाती है।

तत्पश्चात, अचानक ही, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के ऊपर, आसमान पहले जैसा हो गया, साफ और नीला। दरअसल, अक्टूबर और नवंबर 2020 के दौरान, पराली जलाने के बावजूद भी हवा साफ थी और आसमान नीला हो गया था। फिर, जैसे-जैसे लॉकडाउन हटता गया, कत्थई कोहरा वापस पसर गया। और अप्रैल आते - आते हम वापस वहीं पहुँच गए जहां से चले थे। अब ये वैसा ही भूरा रहता है। अब हम इसी दूषित हवा में रोज़ सांस लेते हैं। दरअसल, स्वच्छ वायु कैसी होती है अप्रैल 2020 में लॉकडाउन लगने से पहले ये हम लगभग भूल चुके थे।

अब तो ये भी स्पष्ट हो गया है कि NCR की दूषित हवा के लिए वाहनों की आवाजाही काफी हद तक जिम्मेदार है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार हवा में तैरने वाले PMI 2.5 के ये कण, आपके फेफड़ों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं, दिखते नहीं हैं, लेकिन 325 से शायद ही कम होते हों और ज़्यादातर 350 और 400 के बीच रहते हैं। और, पश्चिम में जहां हर सुबह उठते ही लोग ये जानना चाहते हैं कि बारिश होगी या नहीं, वहीँ यहां पर लोग ये देखते हैं कि आज हवा में प्रदूषण कितना और इसके 350 से कम होने पर वे राहत महसूस करते हैं। मुझे यकीन है कि अब तक हमारे सभी फेफड़े भूरे या काले हो चुके होंगे, मानो हर पुरुष, महिला और बच्चा जन्म से ही एक चेन स्मोकर हो।

वास्तव में, उत्तर भारत, अमृतसर से लखनऊ का क्षेत्र एक गैस चैंबर की तरह है। करीब 30 मिलियन करोड़ लोग या अमेरिका जितनी पूरी आबादी, यहां रहती है और इसी हवा में सांस लेती है। विडंबना यह है कि जहां कोरोना वायरस का टीका खोज लिया गया है, वहीं वाहन प्रदूषण कम करने के लिए जरा भी प्रयास नहीं किये जा रहे, जबकि यह प्रदूषण यहां रहने वाले सभी निवासियों को बुरी तरह से प्रभावित करता है, वह भी साल के 12 महीने । कोई भी मास्क उपयुक्त नहीं है। सोशल डिस्टेंसिंग का कोई औचित्य नहीं है।

जब आप दिल्ली के लिए हवाई यात्रा करते हैं, 20,000 फीट की ऊंचाई से ही आप कृत्रिम कणों के भूरे बादलों में उतरना शुरू कर देते हैं। धीरे-धीरे नीचे जमीन धुंधली होती जाती है और जब आप 5,000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचते हैं, ये लगभग दिखना बंद हो जाती है।

और वायरस से भड़की महामारी के विपरीत, चीजें और बदतर होती जाएंगी क्योंकि सरकार इसके लिए ज़रूरी कदम नहीं उठाएगी - कार्यालयों को अलग अलग स्थानों पर स्थानांतरित नहीं करेगी। इसके बजाय, यह अधिक से अधिक कार्यालियों को एक ही जगह दिल्ली में ही केंद्रित करने में आमादा है। तो अक्टूबर और नवंबर के दौरान हर साल 45 दिनों के लिए पराली जलाने से उत्पन्न जो प्रदूषण हमें मिलता है, वह हमारे लिए 365 दिन उपलब्ध है क्योंकि कार्यालय और व्यवसाय एक ही जगह केंद्रित होने की वजह से वाहनों के अत्यधिक परिचालन के साथ-साथ अनावश्यक निर्माण निरंतर चलता रहता है, हर समय, हर जगह।

2011 में सिर्फ दिल्ली शहर की आबादी 1.6 करोड़ थी जो 2021 में यह 2 करोड़ को पार कर गई। अगर आप इसमें एनसीआर की आबादी भी जोड़ लें, और जोड़नी भी चाहिए क्योंकि वाहन पर लोग हर समय यूँ ही घूमते ही रहते हैं, तो हम बात कर रहे हैं लगभग 3 करोड़ लोगों की। वाहनों की बात करें तो दिल्ली में ही करीब एक करोड़ वाहन हैं। इसमें NCR के 20 लाख से अधिक और इस क्षेत्र से गुजरने वाले लगभग 200,000 ट्रकों का आवागमन और जोड़ लें। इन आंकड़ों से आप प्रदूषण की व्यापक समस्या की विकरालता का अंदाजा लगा सकते हैं।

तो इसका समाधान क्या है: अगले दस वर्षों में गृह, रक्षा, वित्त और विदेश मंत्रालयों को छोड़कर सभी मंत्रालयों को NCR से बाहर, कम जनसँख्या वाले शहरों में भेज दिया जाए। उनकी सुविधाओं में सुधार होगा और NCR का प्रदूषण भी कम होगा।■

संक्षेप में

अमेरिकी मुद्रा पर माया एंजेलो

कवयित्री, लेखिका और आन्दोलनकर्ता माया एंजेलो अमेरिकी क्वार्टर डॉलर के सिक्के पर दिखाई देने वाली पहली अश्वेत महिला बन गई हैं। यूएस मिंट ने उनको दर्शानेवाला वाला एक सिक्का जारी किया, जो अमेरिकी महिला क्वार्टर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में यूएस की उल्लेखनीय महिलाओं को सम्मानित करने के लिए बनाया गया था। कलाकार एमिली डैमस्ट्रा ने एंजेलो के संस्मरण *'आई नो व्हाई द केजड बर्ड सिंग्स* (1969)' के एक संदर्भ का उपयोग करके सिक्के को डिजाइन किया है

शेखर मेहता दिवस

अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना के वालेस में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 7730 वार्षिक फाउंडेशन बैंक्वेट में अपने संबोधन के बाद, वालेस के मेयर जेसन वेल्स ने घोषणा की कि 11 जनवरी, 2022 को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर मेहता दिवस के रूप में मान्यता दी जाएगी। घोषणा मेहता को सौंपी गई, जिन्होंने कहा, यह एक विनम्र अनुभव था।

पीडीजी दीपक शिकारपुर महाराष्ट्र द्वारा सम्मानित

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने राज्य में सॉफ्टवेयर उद्योग के विकास में उनके योगदान के लिए पीडीजी दीपक शिकारपुर को सम्मानित किया। पिछले दो वर्षों में, उनके करियर-परामर्श पोर्टल *www.itcareercounselling.com* ने सैकड़ों इच्छुक आईटी पेशेवरों और छात्रों को अपने कौशल को उन्नत करने और एक उज्ज्वल कैरियर स्थापित करने में मदद की है। शिकारपुर ने आईटी पर 43 किताबें लिखी हैं और वर्तमान में रो ई मंडल 3131 के 'रोटरी पब्लिक इमेज कोऑर्डिनेटर' के रूप में कार्यरत हैं।

लड़ाकू खेल में रोटेरियन ने जीता स्वर्ण पदक

रोटरी क्लब बैंगलोर साउथ, रो ई मंडल 3190 के डॉ एम श्रीनिवास ने मिन्स्क में आयोजित 55वीं 'वेटरन वर्ल्ड चैंपियनशिप' में 50-59 वेटरन कैटेगरी के तहत व्यक्तिगत स्पैरिंग के लिए स्वर्ण पदक जीता। श्रीनिवास एक डैन ब्लैक बेल्ट धारक हैं और इस आयोजन के लिए 12 वर्षों से प्रशिक्षण ले रहे थे।

सेनेटरी नैपकिन मुक्त गांव

भारत के पहले मॉडल पर्यटन गांव के रूप में प्रशंसित केरल का एक गांव कुंबलंघी, देश का पहला सैनिटरी-नैपकिन-मुक्त गांव बनने के लिए तैयार है। यह कदम *'अवलकयी'* (उसके लिए), नाम की एक पहल का एक हिस्सा है। एर्नाकुलम के सांसद हिबी ईडन द्वारा लागू किया जा रहा है। गांव में 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं को 5,000 से अधिक मासिक-धर्म कप वितरित किए जाएंगे।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23 | issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

रोटरी पत्रिका का सब्स्क्रिप्शन नहीं लेने वाले क्लबों को बंद किया जाएगा

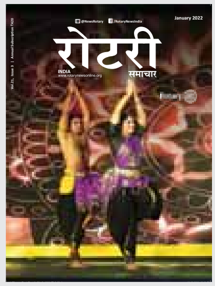

कई वर्षों से **रोटरी क्लबों द्वारा रोटरी पत्रिका का सब्स्क्रिप्शन नहीं लिए जाने या पत्रिका की बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने से क्षेत्रीय पत्रिका प्रबंधक निराश है।** सब्स्क्रिप्शन नहीं लेने से रोटरी के मुख्य संदेशों को साझा करने पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

नवंबर बोर्ड की बैठक में इसका अनुपालन न करने वाले क्लबों के लिए रो ई संचार समिति से विचार-विमर्श करने के बाद, **रो ई ने ऐसे क्लबों के लिए अपने नियमों को अपडेट किया है जिससे अब उन्हें निष्कासन का सामना करना पड़ सकता है।** मौजूदा एवं नए नियम:

पिछली प्रक्रिया	1 जुलाई 2022 से शुरू होने वाली नई प्रक्रिया:फ
पत्रिका कार्यालय अनुपालन न करने वाले क्लबों की रिपोर्ट रोटरी अंतर्राष्ट्रीय को भेजता है।	पत्रिका अनुपालन न करने वाले क्लबों की एक रिपोर्ट रो ई को भेजती है, **यह स्पष्ट करने के लिए कि क्या वे भुगतान न करने के कारण गैर-अनुपालन की श्रेणी में है - या - अब तक उन्होंने सबस्क्राइब ही नहीं किया है।** रिपोर्ट त्रैमासिक भेजी जानी चाहिए।
मंडल सचिवालय से पत्र का प्रारूप पत्रिका कार्यालय के साथ साझा किया जाता है, जो बाद में उसे उपयुक्त क्लबों को प्रेषित करता है।	पत्रिका क्लबों को पत्र भेजती है; रोटरी एक अलग पत्र के माध्यम से मंडल गवर्नरों को सूचित करेगी।
क्लब के पास अनुपालन करने या निलंबित होने के लिए 120 दिन होते है।	क्लब के पास अनुपालन करने या निलंबित होने के लिए **90 दिन** होते है।
यदि क्लब अनुपालन नहीं करते है, तो पत्रिका रो ई को एक रिपोर्ट भेजती है। क्लबों को निलंबित किया जाता है।	**90-दिन की रियायत अवधि से दो सप्ताह पहले उन क्लबों को एक और अनुस्मारक भेजा जाता है जो अभी भी अनुपालन नहीं कर रहे है। यदि क्लब अनुपालन नहीं करता है तो पत्रिका रो ई को एक रिपोर्ट भेजती है। क्लबों को निलंबित किया जाता है।**
यहां प्रक्रिया समाप्त होती है।	**180 दिनों के लिए निलंबित होकर भी अनुपालन न करने वाले क्लबों को एक और पत्र भेजा जाएगा जिसमें लिखा होगा कि बोर्ड अपने विवेक से उस क्लब को बंद कर सकता है।** क्लब का निरीक्षण करें।
	PETS और GETS पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से सब्स्क्रिप्शन के बारे में जानकारी शामिल होगी।
	अपालन को परिभाषित करने हेतु एक सीमा निर्धारित की जाएगी: या तो 20% या 50% क्लब सदस्य?

चूंकि इस प्रक्रिया को अब **रोटरी कोड ऑफ पॉलिसीस में शामिल किया जाएगा**, इसलिए हमें बेहतर अनुपालन की उम्मीद है। निदेशक मंडल अपने क्षेत्रों में पत्रिकाओं की वकालत करेगा। **निदेशक क्लबों के अपालन को जानकार दंग रह गए, और इस बात पर भी कि अनेक मंडल गवर्नर और क्लब अध्यक्ष अनिवार्य सब्स्क्रिप्शन से अवगत नहीं है।** इसका मतलब यह है कि रोटरी को PETS और GETS में अनिवार्य सब्स्क्रिप्शन पर जागरूकता बढ़ानी होगी।
(हमारे पाठकों की जानकारी के लिए, जर्मन क्षेत्रीय पत्रिका 65,000 से अधिक रोटेरियन को वितरित की जाती है - कुल संख्या का लगभग 99 प्रतिशत। बाकी रोटरी की सदस्यता लेते हैं। जापान में, 85,000 सदस्यों में से, 99 प्रतिशत रोटरी-नं-टोमो की सदस्यता लेते हैं; शेष एक प्रतिशत और कई अन्य रोटेरियन, रोटरी की सदस्यता लेते हैं। स्विट्ज़रलैंड और लिकटेंस्टीन में - कुल 13,200 रोटेरियन के साथ - केवल एक क्लब है जो किसी भी रोटरी पत्रिका की सदस्यता नहीं लेना चाहता है। स्थानीय डीजी अब इसे समस्या को हल कर रहे हैं।)

रोटरी न्यूज़ हमारे ज़ोन में रोटरी क्लबों से आग्रह करता है कि वे अपने सब्स्क्रिप्शन बकाया का भुगतान सतत रूप से करें।

रो ई से संदेश